राष्ट्रीय प्रैस दिवस आज

भारत का सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी दैनिक

"कलम, बलिदान और स्वाभिमान की परिभाषा"

स्वतंत्र, निष्पक्ष और ईमानदार आवाज

संस्थापक: शहीद शिरोमणि लाला जगतनारायण जी, अमर शहीद रमेश चन्द्र जी एवं कलम के योद्धा अश्विनी कुमार जी

पंजाब केसरी

युवा भारत युवा अखबार!

PunjabKesari.com PunjabKesari.com @punjabkesaricom

शनिवार 16 नवम्बर 2024 ◆ दिल्ली ◆ तदनुसार 1 मार्गशीर्ष 2081 LD ****

Punjab Kesari, Delhi
वर्ष : 41 / अंक : 319
मूल्य ₹ 4.50
16 नेपाली रुपए/हवाई जहाज से ₹ 10.00
पृष्ठ संख्या 12
Ph. : 011-30712200, 45212200

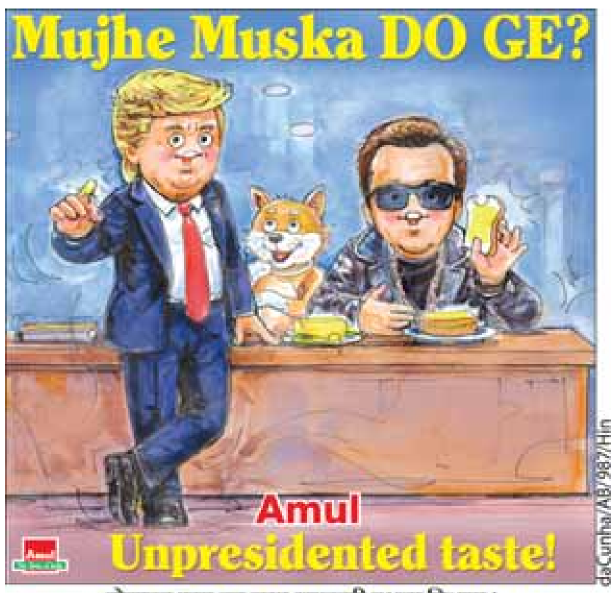

डोनाल्ड ट्रम्प का नया सरकारी दक्षता विभाग !

हिंगोली में अमित शाह के हेलीकॉप्टर की भी हुई जांच

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि शुक्रवार को महाराष्ट्र के हिंगोली में चुनाव प्रचार के दौरान निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने उनके हेलीकॉप्टर की जांच की। उन्होंने सभी से स्वस्थ चुनाव प्रणाली में अपना योगदान देने की अपील भी की। इस जांच से जुड़ा एक वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निष्पक्ष चुनाव और स्वस्थ चुनाव प्रणाली में विश्वास रखती है और निर्वाचन आयोग के नियमों का पालन करती है।उन्होंने कहा, ''आज महाराष्ट्र के हिंगोली विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों के द्वारा मेरे हेलीकॉप्टर की जांच की गई। भाजपा निष्पक्ष चुनाव और स्वस्थ चुनाव प्रणाली में विश्वास रखती है और माननीय चुनाव आयोग द्वारा बनाए गए सभी नियमों का पालन करती है।''उन्होंने कहा, ''एक स्वस्थ चुनाव प्रणाली में हम सभी को अपना योगदान देना चाहिए और भारत को विश्व का सबसे मजबूत लोकतंत्र बनाए रखने में अपने कर्त्तव्यों का पालन करना चाहिए।''

मोदी उनको पूजता है जिनको कोई नहीं पूछता

हमारी प्राथमिकता आदिवासियों के लिए 'पढ़ाई, कमाई और दवाई'

पंजाब केसरी/जमुई

आदिवासी लोगों के लिए 'पढ़ाई, कमाई और दवाई' को अपनी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार ने इस समुदाय के कल्याण के लिए अलग मंत्रालय बनाया तथा बजट 25,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1.25 लाख करोड़ रुपये किया।बिहार के जमुई में प्रधानमंत्री मोदी ने आदिवासी नायक बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 6,640 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद कहा कि देश के आदिवासी समुदाय को पहले न्याय नहीं मिलता था।उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि अगर देश को आजादी एक परिवार की वजह से मिली तो बिरसा मुंडा ने 'उलगुलान' आंदोलन क्यों शुरू किया था ? उन्होंने कहा ''अनेक आदिवासी नेताओं ने स्वतंत्रता संघर्ष में अहम भूमिका निभाई थी।''प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आदिवासियों ने ही राजकुमार राम को भगवान राम बनाया था। देश की आजादी में आदिवासियों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। मगर पूर्व की सरकारों ने जनजातीय समुदाय के इतिहास को दबाने का काम किया। पीएम मोदी ने

● आदिवासियों ने ही राजकुमार राम को भगवान राम बनाया था

आरोप लगाए कि पूर्व की सरकारों ने आदिवासियों के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया। अब एनडीए सरकार उनके विकास के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, "जिनको किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी पूजता है।" पीएम ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत की। पीएम-जनमन के तहत बनाए गए 11 हजार जनजाति आवासों के गृह प्रवेश में भी वर्चुअली हिस्सा लिया। इसके अलावा देश भर में 10 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का उद्घाटन किया गया।

पीएम के विमान में तकनीकी खराबी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को उनके विशेष विमान में आई तकनीकी खराबी के कारण झारखंड के देवघर हवाई अड्डे पर एक घंटे से अधिक समय तक फंसे रहे। अधिकारियों ने बताया कि मोदी बिहार के जमुई में एक रैली को संबोधित करने के बाद भारतीय वायु सेना के विमान से वापस नयी दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले थे।वह बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित एक समारोह में भाग लेने के लिए जमुई आए थे। बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस'' के रूप में मनाया जाता है। एक अधिकारी ने कहा, ''देवघर हवाईअड्डे पर एक घंटे से अधिक समय से प्रधानमंत्री रुके हुए हैं। उनकी दिल्ली वापसी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था क्या होगी, इस पर चर्चा की जा रही है।'' अधिकारियों ने बताया कि इसके परिणामस्वरूप इलाके के हवाई क्षेत्र को 'उड़ान निषेध क्षेत्र'' घोषित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी गोड्डा में फंसे हुए हैं जहां उन्होंने एक चुनावी रैली को संबोधित किया। 'उड़ान निषेध क्षेत्र'' घोषित किए जाने के बाद उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका।

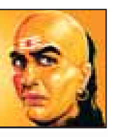

गलती से भी अपने राज किसी दूसरों को न बताएं वो आपको बर्बाद कर सकते हैं।
-आचार्य चाणक्य

आदित्य नारायण चोपड़ा
adityachopra@punjabkesari.com

भर्ती में भाई-भतीजावाद !

देश में जब बेरोजगारी की बढ़ती दर सर चढ़कर बोल रही हो तो ऐसे समय में सरकारी भर्तियों में अगर भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार और पक्षपात की खबरें मिलें तो यह बेहद चिन्ताजनक स्थिति कही जायेगी। इस पक्षपात में यदि उत्तर प्रदेश विधानसभा के तत्कालीन अध्यक्ष भी शामिल पाये गये हों तो स्थिति और भी अधिक गंभीर हो जाती है। खबर यह है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा और विधान परिषद में प्रशासनिक पदों पर भर्ती होनी थी, इनमें से 20 प्रतिशत पदों पर दोनों सदनों में काम करने वाले राजनयिकों व अधिकारियों ने अपने सगे-सम्बन्धियों के लिए हथिया लीं जिनमें भर्ती परीक्षा आयोजित करने वाली निजी एजेंसी की भी हिस्सेदारी रही। वर्तमान भारत में जब चपरासी के पद तक पर लाखों उच्च शिक्षा प्राप्त प्रत्याशी आवेदन करते हों तो इस प्रकार की कार्रवाई को खुली लूट ही कहा जायेगा। जब हाल ही में इलाहाबाद (प्रयागराज) में राज्य भर के हजारों छात्रों ने प्रतियोगी परीक्षा में पारदर्शिता लाने के लिए आन्दोलन चलाया हो और पुलिस की लाठियां छात्राओं तक ने खाई हों तो स्थिति की गंभीरता को समझा जा सकता है। बामुश्किल सरकार उत्तर प्रदेश संघ लोकसेवा आयोग की परीक्षा एक दिन में ही कराने के लिए राजी हुई है जबकि आरओ व एआरओ के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षा को फिलहाल स्थगित तो कर दिया गया है मगर इनकी परीक्षाएं एक ही चरण में कराने का आश्वासन सरकार ने अभी तक नहीं दिया है।

कमाल यह है कि इन पदों की संख्या केवल डेढ़ सौ भी नहीं है और परीक्षार्थी लाखों की संख्या में हैं। इसी प्रकार प्रदेश संघ लोकसेवा आयोग की पीसीएस पदों के लिए संख्या केवल 47 है और परीक्षार्थी पांच लाख से अधिक हैं। अत: जिस राज्य में बेरोजगारी का आलम यह हो वहां नौकरियों में भाई-भतीजावाद का होना बताता है कि हमारी पूरी भर्ती प्रणाली से दुर्गंध उठ रही है जिसका तुरन्त इलाज ढूंढा जाना चाहिए वरना युवा वर्ग में यदि बेचैनी बढ़ती है तो उसके दुष्परिणाम पूरी व्यवस्था को भुगतने पड़ सकते हैं। परन्तु उत्तर प्रदेश विधानसभा व विधान परिषद के प्रशासनिक पदों में जिस प्रकार की धांधली विगत 2020-21 वर्ष में हुई वह किसी भर्ती कांड (स्कैम) से कम नहीं है। ये शब्द मेरे नहीं हैं बल्कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हैं। इस वर्ष में दोनों सदनों के प्रबन्धकीय व प्रशासकीय पदों पर कुल 186 भर्तियां आरओ व एआरओ की होनी थीं। इनमें से 42 पदों पर इन सदनों में कार्यरत अधिकारियों ने अपने बेटे-बेटियों समेत सगे-सम्बन्धियों को दिलवा दिये। इनमें विधानसभा के तत्कालीन अध्यक्ष एच.एन. दीक्षित भी शामिल हैं। इन भर्तियों को जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय में तीन परीक्षार्थियों ने चुनौती दी तो उच्च न्यायालय ने इसे भर्ती का ऐसा कांड कहा जिसमें जमकर भ्रष्टाचार किया गया और राजनयिकों व अफसरों में अपने सगे-सम्बन्धियों को भर्ती कराने की होड़ लग गई। भ्रष्टाचार की इस बहती गंगा में परीक्षा आयोजित कराने वाली निजी एजेंसी ने भी हाथ धो लिये और अपने निकट के लोगों को पांच पद दिलवा दिये। ये पद एजेंसी के मालिकों के रिश्तेदारों को दिये गये। इस भर्ती कांड में जिस-जिस अधिकारी ने अपने सगे-सम्बन्धियों को पदों पर नियुक्ति दिलाई उनमें विधानसभा अध्यक्ष के जनसम्पर्क अधिकारी के सगे भाई भी शामिल थे। इस बारे में विधानसभा के 2017 से 2022 तक अध्यक्ष रहे एच.एन. दीक्षित का कहना है कि उनका इस भर्ती कांड से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि भर्ती परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी दो निजी संस्थाओं को दे दी गई थी। ये संस्थाएं विधानसभा द्वारा मान्यता प्राप्त हैं जबकि इनकी विश्वसनीयता इनका पिछला रिकार्ड देखते हुए सन्देह के घेरे में रखी जाती है।

सबसे मजेदार बात यह है कि जिन अधिकारियों ने अपने सगे-सम्बन्धियों के लिए 186 में से 42 पद हथियाए उन्होंने ही परीक्षा आयोजन के समय पर्यवेक्षक का कार्य किया था। इन पदों के लिए 2020-21 में दो चरणों में परीक्षा का आयोजन किया गया था। इन पदों पर 2023 में नियुक्तियां भी कर दी गईं। कुल 15 आरओ व 27 एआरओ के पद सगे-सम्बन्धियों को दिये गये।

इन 186 पदों के लिए कुल ढाई लाख से अधिक परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। ये नियुक्तियां विधानसभा व विधान परिषद सचिवालय में हुईं। जब यह मामला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में गया और न्यायालय ने इसे भर्ती कांड कहते हुए इसकी सीबीआई से जांच कराने के आदेश दिये तो विधान परिषद इस फैसले के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय चली गई और देश की सबसे बड़ी अदालत ने सीबीआई जांच पर अन्तरिम रोक लगाकर सुनवाई की अगली तारीख जनवरी 2025 में तय कर दी। इस प्रकार अब मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन है। मगर इस कांड से यह पता चलता है कि जब विधानसभा व विधान परिषद के अध्यक्षों की नाक के नीचे खुलेआम भ्रष्टाचार व भाई-भतीजावाद हो रहा है तो अन्य सरकारी विभागों के बारे में क्या कहा जा सकता है। वैसे विधानसभा सचिवालय में पदों की भर्ती के लिए मुख्यत: विधानसभा अध्यक्ष ही जवाबदेह होते हैं।

दिल्ली-गुजरात में पकड़ी ड्रग्स शाह ने कहा एक्शन जारी रहेगा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने राष्ट्रीय राजधानी में करीब 900 करोड़ रुपये मूल्य की 80 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की है। वहीं गुजरात में 700 किलो मादक पदार्थ पकड़े गए हैं और गृहमंत्री ने कहा कि मादक पदार्थ गिरोहों के खिलाफ सरकार की ''कड़ी'' कार्रवाई जारी रहेगी। इस मामले में दिल्ली और सोनीपत निवासी दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। एनसीबी के उपमहानिदेशक (उत्तरी क्षेत्र) नीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि पार्टी में इस्तेमाल किया जाने वाला ''उच्च श्रेणी'' का मादक पदार्थ बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी के जनकपुरी और नांगलोई इलाकों से जब्त किया गया। (पृष्ठ-2 भी देखें)

दिल्ली के स्कूलों में मास्क जरूरी, दफ्तरों का समय बदला

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली के स्कूलों में छात्रों के लिए मास्क अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं सरकारी दफ्तरों के कामकाज के समय में भी बदलाव किया गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने पहले ही दिल्ली के सभी सरकारी व निजी स्कूलों के पांचवी कक्षा तक के छात्रों की ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई करने का आदेश दिया है। वहीं मुख्यमंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी देते हुए कहा है कि सड़कों पर ट्रैफिक और उससे होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली में सभी सरकारी कार्यालय, दिल्ली सरकार, नगर निगम और केंद्र सरकार के कार्यालयों के कामकाज के समय में बदलाव किया गया है।

दिल्ली की हवा अभी भी गंभीर- (पढ़ें पृष्ठ-4 पर)

तिलक वर्मा और संजू सैमसन की शतकीय आतिशबाजी, भारत 1/283

तिलक वर्मा	
रन	120*
छक्के	10
चौके	09
गेंद	47

संजू सैमसन	
रन	109*
छक्के	09
चौके	06
गेंद	56

जोहान्सबर्ग, (आईएएनएस): देश में देव दीपावली के मौके पर शुक्रवार को ओपनर संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां वांडरर्स स्टेडियम में अपने बल्ले से जमकर आतिशबाजी की। दोनों की 210 रनों की अविजित साझेदारी के दम पर भारत ने चौथे और अंतिम टी20 मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 283/1 का पहाड़ सा स्कोर खड़ा कर दिया। यह किसी भी टीम के खिलाफ टी20 में भारत का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। वहीं, यह भारत की तरफ से टी-20 इंटरनेशनल में सबसे बड़ी पार्टनरशिप भी है। सीरीज में पहली बार टॉस जीतकर भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बल्लेबाजी चुनी। संजू सैमसन (109 नाबाद) ने अभिषेक शर्मा (36) के साथ पहले विकेट के लिए 5.5 ओवर में 73 रन जोड़े। लुथो सिपाम्ला की गेंद पर विकेटकीपर हेनरिक क्लासेन ने उन्हें कैच किया। (संपूर्ण खबर अंतिम पृष्ठ पर)

'बंटोगे तो कटोगे' को लेकर फडणवीस-अजित आमने-सामने

पंजाब केसरी/मुम्बई

बंटोगे तो कटोगे बयान को लेकर महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के दो बड़े नेता देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार आमने-सामने डट चुके हैं। इस बार का विधानसभा चुनाव पूरी तरह से दो गठबंधन के बीच की 'जंग' में तब्दील हो चुका है। एक तरफ जहां महायुति गठबंधन है तो दूसरी तरफ महाविकास अघाड़ी लेकिन फडणवीस और अजित पवार का आपसी टकराव चर्चित है। (संपूर्ण कवरेज पृष्ठ-2 पर)

बीसीसीआई ने 'पीओके' में चैम्पियंस ट्रॉफी दौरा रुकवाया

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चैंपियंस ट्रॉफी को विवादित 'पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर' (पीओके) के दौरे पर ले जाने के कदम पर बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की कड़ी आपत्ति के बाद इस पर रोक लगा दी। यह टूर्नामेंट पिछली बार 2017 में खेला गया और अब भी अधर में लटका हुआ है क्योंकि बीसीसीआई ने टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। इस तरह पाकिस्तान को एक करारा झटका लगा है। (संपूर्ण खबर पृष्ठ-2 पर)

पंजाब केसरी
युवा भारत युवा अखबार!
कूपन न. 37

राष्ट्रीय सर्राफा

	सोना		चांदी
दिल्ली 24K	75910	चांदी तैयार	89560
कोलकाता 24K	75750	चांदी तैयार	89500
मुम्बई 24K	75750	चांदी तैयार	89500
चेन्नई 24K	75750	चांदी तैयार	99000

विदेशी मुद्रा बनाम रुपया

करंसी	खरीद	बिक्री
अमरीकी डालर	82.56	86.24
पौंड स्टर्लिंग	104.60	109.60

मौसम Min 16°c Max 29°c

भारत के व्यापार इतिहास में हमारी विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता, जो पीएलआई पर हमारे फोकस के कारण आ रही है

अक्तूबर तक निर्यात में सबसे अधिक वृद्धि

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, डेटा मर्चेंडाइज निर्यात में 17 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जबकि सेवाओं के निर्यात में 21 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल व्यापार आंकड़ों पर उत्साहित थे और उन्होंने कहा, "यह हमारे लिए एक बहुत अच्छा महीना रहा है, और न केवल हमारी समग्र निर्यात प्रगति बहुत अच्छी रही है, बल्कि अगर आप अप्रैल से अक्टूबर तक देखें, तो यह इस देश से अब तक का सबसे अधिक गैर-पेट्रोलियम निर्यात रहा है। इसलिए हमने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।" भारत के व्यापार इतिहास में, अप्रैल से अक्टूबर तक यह अब तक का सबसे अधिक है। अप्रैल और अक्टूबर 2024 के बीच, भारत का कुल निर्यात लगभग 468.27 बिलियन अमरीकी डॉलर है, जो साल-दर-साल 7.28 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2025 के लिए 800 बिलियन अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य पर वाणिज्य सचिव ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि अगर हम इसी तरह आगे बढ़ते रहे तो निश्चित रूप से हम इस साल अपने निर्यात को 800 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक पार कर लेंगे और रिकॉर्ड तोड़ देंगे।" विनिर्माण, इंजीनियरिंग, कपड़ा आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर सरकार के फोकस ने निर्यात को बढ़ावा देने में मदद की है।

एचएएल सुखोई जेट उत्पादन के लिए नासिक प्लांट करेगा तैयार

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अपने नासिक प्लांट के संचालन को फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। यह फैसला सितंबर 2023 में स्वीकृत 1.3 बिलियन अमरीकी डॉलर के एक बड़े उत्पादन ऑर्डर के बाद लिया गया है। इस उत्पादन ऑर्डर में 12 नए सुखोई एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के निर्माण की बात कही गई है। नासिक प्लांट को एसयू-30 एमकेआई के लिए विनिर्माण केंद्र के रूप में ही स्थापित किया गया था। नासिक प्लांट का दोबारा से संचालन 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए भारत के प्रयासों को समर्थन देगा। नए उत्पादन ऑर्डर के अलावा, 'सुपर सुखोई' कार्यक्रम के तहत 84 मौजूदा एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने की तैयारी की जा रही है। इस अपग्रेड योजना पर लगभग 63,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 'सुपर सुखोई' पहल इन विमानों की लड़ाकू क्षमता को बढ़ाने को लेकर अहम होगी, जिसमें स्वदेशी टेक्नोलॉजी और एडवांस फीचर्स शामिल होंगे।

मोदी का दिखा अलग अंदाज, बजाए खरताल

जुमई, (पंजाब केसरी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महान स्वतंत्रता सेनानी और 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाने के लिए शुक्रवार को बिहार के जमुई पहुंचे। यहां आदिवासी समुदाय उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। आदिवासी समाज के लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में झाल, खरताल जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्र बजाते हुए नृत्य किया। यह सब देखकर पीएम मोदी काफी खुश नजर आए। इतना ही नहीं आदिवासी लोगों की प्रस्तुति को देख प्रधानमंत्री मोदी इतने खुश हो जाते हैं कि वह खुद भी हाथों मे खरताल लेकर बजाने लगे। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पीएम मोदी हाथ जोड़ते हुए आदिवासियों का अभिनंदन स्वीकार कर आगे बढ़ रहे थे तभी अचानक एक कलाकार से खरताल लेते हैं और खुद बजाने लगते हैं। इस दौरान वह खरताल बजाते हुए झूमते भी हैं। उनका यह अंदाज देखकर प्रस्तुति दे रहे आदिवासी कलाकार काफी प्रसन्न दिखे। पीएम मोदी का यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है, यूजर्स उनके इस अंदाज पर अलग-अलग रिएक्शन भी दे रहे हैं।

16वीं सदी तक भारत अग्रणी था, फिर हम रुक गए

मोहन भागवत ने कहा

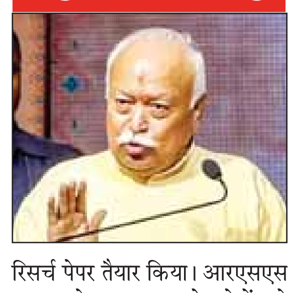

गुरुग्राम,(पंजाब केसरी): गुरुग्राम के फर्रुखनगर स्थित एसजीटी यूनिवर्सिटी में विविभा 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ, नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी मौजूद रहे। तीन दिवसीय कार्यक्रम में अलग-अलग विषयों पर चर्चा की जाएगी। वहीं, कार्यक्रम में 1200 से अधिक शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की थीम विजन फॉर विकसित भारत रखी गई। सभी शोधार्थियों ने इसी थीम पर अपना रिसर्च पेपर तैयार किया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'आज तक हमारे देश में सभी प्रकार के विचारों को लेकर प्रयोग हुए और पूरे विश्व पर हावी हो गए, लेकिन जहां से ये प्रयोग हुए वहीं अब इनकी विफलता चिंतकों के ध्यान में आती हैं। देश में विकास हुआ था पर्यावरण की समस्याएं भी खड़ी हुई। अभी शास्त्रार्थ चलता है कि विकास करें या पर्यावरण की रक्षा करें। मनुष्य को दोनों को साथ लेकर चलना पड़ेगा, जीवन तभी चलेगा।' उन्होंने कहा, 'चार प्रतिशत जनसंख्या को 80 प्रतिशत संसाधन चाहिए। सारी दुनिया से संसाधन प्राप्त करने के लिए अन्य लोगों पर डंडा चलाते हैं, ऐसे विकास के लिए जी जान से लगना पड़ता है लेकिन इसके परिणाम सभी लोगों को प्राप्त नहीं होते है। ईस्वी सन 1 से 16वीं सदी तक भारत हर क्षेत्र में आगे थे, हम रुक गए इसलिए हमारा पतन हो गया। भारत ने पूरे देश को साथ चलाने का उदाहरण रखा है। भारत में 10 हजार वर्षों से खेती हो रही है, लेकिन उर्वरा जैसी समस्या कभी नहीं आई। यह अब आ रही है, यह देखते देखते हो गया।' सरो के अध्यक्ष डॉ एस सोमनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने का यही सही समय है।

गृहमंत्री अमित शाह का मुम्बई में बड़ा ऐलान

विपक्षी विरोध के बावजूद पीएम करेंगे वक्फ अधिनियम में संशोधन

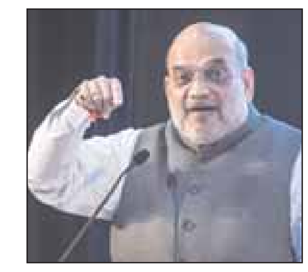

मुंबई, (पंजाब केसरी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि उद्धव ठाकरे और शरद पवार जैसे प्रमुख विपक्षी नेताओं के विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वक्फ अधिनियम में संशोधन के लिए दृढ़ हैं। साथ ही घोषणा की कि मोदी सरकार 31 मार्च, 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का खात्मा कर देगी। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर और शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा करके दिखाएं।

महाराष्ट्र के चंद्रपुर, यवतमाल और हिंगोली में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, 'कर्नाटक में वक्फ बोर्ड ने गांवों, मंदिरों, किसानों की जमीनों और लोगों के घरों को वक्फ संपत्तियां घोषित कर दिया है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव करना चाहते हैं, लेकिन उद्धव ठाकरे, शरद पवार और सुप्रिया सुले इसका विरोध कर रहे हैं। उद्धव जी ध्यान से सुन लीजिए, आप लोग जितना चाहे विरोध कर लीजिए, लेकिन मोदी जी वक्फ अधिनियम में संशोधन करके रहेंगे।'

उन्होंने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में दो शिविर हैं। एक पांडवों का जिसका प्रतिनिधित्व भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति कर रहा है। दूसरा कौरवों का जिसका प्रतिनिधित्व विपक्ष का महाविकास आघाड़ी कर रहा है। शाह ने कहा, 'उद्धव दावा करते हैं कि उनकी शिवसेना असली है। क्या असली शिवसेना औरंगाबाद का नाम संभाजीनगर करने का विरोध कर सकती है? क्या असली शिवसेना अहमदनगर का नाम अहिल्यानगर करने के विरुद्ध जा सकती है? असली शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) भाजपा के साथ है।'

मातृत्व अवकाश नियम पर केंद्र से सुप्रीम सवाल

● **नियम के अनुसार केवल वही महिलाएं लाभ लेने की हकदार हैं, जो तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद ले रही हों**

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से उस प्रावधान के पीछे का औचित्य बताने को कहा है, जिसके तहत केवल उन्हीं महिलाओं को मातृत्व अवकाश का लाभ लेने का अधिकार है, जिन्होंने तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लिया है। न्यायालय मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 के एक प्रावधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसके अनुसार केवल वही महिलाएं 12 सप्ताह की अवधि के लिए मातृत्व अवकाश का लाभ लेने की हकदार हैं, जो तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद ले रही हों। पीठ ने अपने 12 नवंबर के आदेश में कहा, "दूसरे शब्दों में, यदि कोई महिला तीन महीने से अधिक उम्र के बच्चे को गोद लेती है, तो वह संशोधन अधिनियम के तहत प्रदान किए गए किसी भी मातृत्व अवकाश लाभ की हकदार नहीं होगी।" पीठ ने कहा कि केंद्र ने तीन महीने की उम्र निर्धारित करने को उचित ठहराते हुए अपना जवाब दाखिल किया है, लेकिन सुनवाई के दौरान कई मुद्दे सामने आए हैं जिन पर विचार करने की आवश्यकता है। न्यायालय ने कहा, "ऐसी परिस्थितियों में, हम भारत संघ से अपेक्षा करते हैं कि वह आज चर्चा किए गए मुद्दे पर एक और जवाब दाखिल करे।

रोमियो डिसूज़ा से जुड़े ठगी मामले में व्यापारी को नोटिस

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): उच्चतम न्यायालय ने बॉलीवुड निर्देशक एवं कोरियोग्राफर रोमियो डिसूज़ा से जुड़े ठगी के एक मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और गाजियाबाद के व्यापारी सत्येंद्र त्यागी को बृहस्पतिवार को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने राज्य सरकार और व्यापारी से जवाब मांगा तथा आदेश दिया कि नोटिस 'दस्ती" माध्यम से दिए जाएं। यह मामला 2016 का है जब त्यागी ने डिसूज़ा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

चंडीगढ़ पर हरियाणा का भी हक, मान गलत राजनीति न करें : नायब

चंडीगढ़, राजेश जैन(पंजाब केसरी): हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान द्वारा चंडीगढ़ में हरियाणा की नई विधानसभा को लेकर दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार को किसानों के कल्याण के लिए काम करना चाहिए, न कि इस प्रकार की बयानबाजी करके लोगों को मुद्दे से भटकाना चाहिए। चंडीगढ़ पर हरियाणा का भी हक है। पंजाब के नेताओं को विधानसभा के विषय पर घटिया राजनीति नहीं करनी चाहिए। मुख्यमंत्री आज यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधायक श्री राम कुमार गौतम, श्री रणधीर पनिहार, श्री विनोद भ्याना और श्री देवेंद्र कादियान भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री कहते हैं कि वे चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा नहीं बनने देंगे। श्री नायब सिंह सैनी ने श्री भगवंत मान को नसीहत देते हुए कहा कि पंजाब सरकार लोगों के हित के लिए काम करे। हरियाणा पंजाब का छोटा भाई है। इसलिए ऐसी बयानबाजी करके द्वेष खड़ा करने या भाईचारा खराब करने का काम न करें। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार किसानों की फसल नहीं खरीद रही, न ही किसानों को एमएसपी का मूल्य दिया जा रहा है। पंजाब सरकार अपने राज्य में किसानों की स्थिति बेहतर करने पर ध्यान दें।

किसानों के खातों में 300 करोड़ का बोनस

प्रथम पातशाह श्री गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के किसानों को तोहफा देते हुए एक क्लिक से 2 लाख 62 हजार किसानों के बैंक खातों में 300 करोड़ रुपये की बोनस राशि जारी की। इस अवसर पर आज यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए खरीफ-2024 के दौरान प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण राज्य में उत्पादित की जा रही कृषि एवं बागवानी फसलों पर 2000 रुपये प्रति एकड़ बोनस देने का फैसला किया।

पीओके में नहीं होगा चैंपियंस ट्रॉफी का टूर

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड में विवाद जारी है। भारत के मैचों को लेकर अभी संशय है और अब बीसीसीआई के आग्रह के बाद आईसीसी ने पीसीबी को निर्देश दिया है कि चैंपियंस ट्रॉफी का टूर पीओके में नहीं किया जाएगा। पीसीबी ने इस पर सहमति दी है पाकिस्तान से जानकारी आई थी कि ट्रॉफी का टूर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में भी होगा। यानी ट्रॉफी को पीओके में घुमाने की योजना थी, लेकिन अब आईसीसी ने इस पर रोक लगा दी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने से मांग की थी कि पाक अधिकृत कश्मीर में ट्रॉफी का टूर नहीं किया जाना चाहिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईसीसी ने पाक बोर्ड को निर्देश दिया है कि ट्रॉफी टूर का आयोजन पीओके में नहीं किया जाए।

'बंटोगे तो कटोगे' पर फडणवीस-अजित आमने-सामने

मुम्बई, (पंजाब केसरी): महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक दल चुनावी अखाड़े में उतर चुके हैं। इस बार का विधानसभा चुनाव पूरी तरह से दो गठबंधन के बीच की 'जंग' में तब्दील हो चुका है। एक तरफ जहां महायुति गठबंधन है तो दूसरी तरफ महाविकास अघाड़ी। चुनाव हैं तो इस दौरान चुनावी प्रचार में तमाम तरीके की बायनबाजी भी हो रही है। बीते दिनों ऐसी ही एक बयानबाजी को लेकर अब महायुति गठबंधन के दो बड़े देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार एक दूसरे के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। देवेंद्र फडणवीस ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' पर अजति पवार के बयान का जवाब दिया है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि दशकों तक अजित पवार ऐसी विचारधाराओं के साथ रहे हैं जो सेक्युलर और हिंदू विरोध हैं. खुद को धर्मनिरपेक्ष कहने वालों में कोई वास्तविक धर्मनिरपेक्षता नहीं है। वे ऐसे लोगों के साथ रहे हैं, जिनके लिए हिंदुत्व का विरोध करना ही धर्मनिरपेक्षता है। देवेंद्र फडणवीस ने आगे कहा कि अजित पवार को अभी जनता का मूड समझने में थोड़ा समय लगेगा। ये लोग या तो जनता की भावना को नहीं समझ पाए या इस बयान का मतलब नहीं समझ पाए या शायद बोलते समय कुछ और ही कहना चाहते थे। 'बंटोगे तो कटोगे'के नारे को लेकर कुछ दिन पहले अजित पवार ने कुछ दिन पहले कहा था कि हम बंटोगे तो कटोगे का समर्थन नहीं करते हैं। बंटेंगे तो कटेंगे महाराष्ट्र में नहीं चलने वाला.महाराष्ट्र साधु-संतों का है । हम उन्हीं के रास्तों पर जाएंगे।

महाराष्ट्र की तुलना किसी दूसरे राज्य से करना सही नहीं

अजित पवार ने उस रैली में आगे कहा था कि अगर किसी को लगता है कि महाराष्ट्र भी दूसरे राज्यों की तरह है तो ये गलत है। महाराष्ट्र के लोग इस तरह की टिप्पणियां पसंद नहीं करते हैं। यहां के लोगों ने हमेशा से ही सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का प्रयास किया है। अगर कोई महाराष्ट्र की तुलना किसी दूसरे राज्य से करता है तो ये किसी को भी पसंद नहीं आएगा।

गुजरात तट के निकट 700 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों के एक संयुक्त अभियान के तहत शुक्रवार को गुजरात के तट के पास लगभग 700 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त होने के बाद आठ ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने एक बयान जारी कर कहा कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर 'सागर मंथन - 4' नाम से एक अभियान शुरू किया गया था। इस दौरान नौसेना ने एक जहाज की पहचान की और उसे रोक दिया। एनसीबी ने कहा कि भारतीय जलक्षेत्र में लगभग 700 किलोग्राम 'मेथामफेटामाइन' की बड़ी खेप जब्त की गई। इस अभियान के दौरान आठ विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिन्होंने खुद को ईरानी बताया है। अभियान को एनसीबी, नौसेना और गुजरात पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह अभियान हमारी एजेंसियों के बीच सहज समन्वय का एक शानदार उदाहरण है। शाह ने 'एक्स' पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नशा मुक्त भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में कदम उठाते हुए हमारी एजेंसियों ने आज गुजरात में एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया और 700 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त किया।

उप्र लोक सेवा आयोग 22 दिसंबर को कराएगा परीक्षा

● **आयोग ने पीसीएस प्री की परीक्षा एक ही दिन में कराने की छात्रों की मांग मानी**

प्रयागराज, (पंजाब केसरी): पीसीएस (प्री) की परीक्षा एक ही दिन कराने के निर्णय के अगले दिन शुक्रवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने इस परीक्षा की नई तिथि घोषित की। आयोग 22 दिसंबर, 2024 को दो सत्रों में इसे आयोजित करेगा। आयोग के सचिव अशोक कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इससे पूर्व पीसीएस प्री की परीक्षा सात और आठ दिसंबर को प्रस्तावित थी। अब यह परीक्षा 22 दिसंबर को दो सत्रों (सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक और दूसरे सत्र में दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे) में आयोजित की जायेगी। पिछले 11 नवंबर से बड़ी संख्या में छात्र पीसीएस प्री और आरओ-एआरओ परीक्षा को एक दिन में कराने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे। बृहस्पतिवार को आयोग ने पीसीएस प्री की परीक्षा एक ही दिन में कराने की छात्रों की मांग मान ली, जबकि आरओ-एआरओ की परीक्षा के लिए समिति गठित की है। उप्र लोक सेवा आयोग के सचिव अशोक कुमार ने बताया, " "आरओ-एआरओ परीक्षा में अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए हमने कमेटी गठित की है जो जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट देगी और उसके अनुसार निर्णय किया जाएगा।" पीसीएस की तैयारी कर रहे छात्र गणेश द्विवेदी ने कहा कि सरकार ने पीसीएस की परीक्षा एक दिन में कराने का बहुत अच्छा निर्णय किया है जिससे पीसीएस की परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों में बहुत खुशी है।

बिल फाड़ संसद में करने लगी हाका डांस

वेल्गिंटन, (एजेंसी) : न्यूजीलैंड की संसद में बृहस्पतिवार को एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला। दरअसल, अपने भाषणों की वजह से चर्चा में रहने वाली और सबसे कम उम्र की माओरी सांसद हाना-रावहिती करियारीकी मैपी-क्लार्क ने सदन में स्वदेशी संधि विधेयक के विरोध में उत्साहपूर्ण हाका नृत्य करना शुरू कर दिया। यही नहीं, ऐसा करते-करते उन्होंने स्वदेशी संधि विधेयक की एक कॉपी भी फाड़ दी। देखते ही देखते उनके साथ कुछ अन्य सांसद भी इस तरह के विरोध में शामिल हो गए। जिसके कारण स्पीकर गेरी ब्राउनली ने सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित कर दी।दरअसल, विवादास्पद संधि सिद्धांत विधेयक को बहुत कम समर्थन मिला है और इसके कानून बनने की संभावना नहीं है।

मुंबई में बीकेसी मेट्रो स्टेशन के बेसमेंट में आग लगी

मुंबई, (पंजाब केसरी): शहर के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) मेट्रो स्टेशन के बेसमेंट में शुक्रवार को आग लग गई, जिसके चलते ट्रेन सेवाएं दो घंटे से अधिक समय तक स्थगित रहीं।

अधिकारियों ने बताया कि निर्माणाधीन स्टेशन के बंद पड़े ए4 प्रवेश/निकास द्वार के पास अपराह्न करीब 1.10 बजे आग लग गई, जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

ड्राइवर चाहिए

वजीरपुर, दिल्ली स्थित कार्यालय के लिए ड्राइवरों की आवश्यकता है, जिन्हें सभी प्रकार की गाड़ियां चलाने का अनुभव हो।

संपर्क करें

फोन नंबर- 9310206323, 9310739099

फोन करें - 10:00 AM to 5:00 PM

शराब, ड्रग्स और हिंसा वाले गाने नहीं गा पाएंगे दोसांझ

● **हैदराबाद कॉन्सर्ट के लिए तेलंगाना पुलिस ने थमाया नोटिस**

हैदराबाद, (पंजाब केसरी) तेलंगाना सरकार ने पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ को नोटिस जारी किया है। हिदायत के साथ कि वह शुक्रवार को होने वाले 'दिल-लुमिनाती' कॉन्सर्ट में शराब, ड्रग्स और हिंसा को बढ़ावा देने वाले गाने नहीं गा पाएंगे। दिलजीत को यह भी निर्देश दिया गया है कि वह अपने संगीत कार्यक्रम के दौरान बच्चों को मंच पर नहीं लाएंगे। यह संगीत कार्यक्रम जीएमआर एरिना एयरपोर्ट एप्रोच रोड पर आयोजित किया जाएगा। महिला एवं बाल कल्याण विभाग, विकलांग एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण विभाग के जिला कल्याण अधिकारी, रंगारेड्डी जिले ने 7 नवंबर को नोटिस जारी किया।चंडीगढ़ के एक प्रोफेसर पंडितराव धरेनावर द्वारा दोसांझ के खिलाफ लाइव शो में ऐसे गाने गाने से रोकने के लिए शिकायत के बाद नोटिस जारी किया गया। शिकायतकर्ता ने 26 और 27 अक्टूबर को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में लाइव शो के दौरान शराब, ड्रग्स और हिंसा को बढ़ावा देने वाले गाने गाते हुए दिलजीत के वीडियो पेश किए। नोटिस में कहा गया है, हम आपके लाइव शो में गानों के माध्यम से शराब/ड्रग्स/हिंसा को बढ़ावा देने से रोकने के लिए यह नोटिस पहले ही जारी कर रहे हैं। नोटिस में कार्यक्रम के प्रबंधक और आयोजकों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि साउंड लिमिट से अधिक न हो। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वयस्कों को 140 डेसिबल से अधिक ध्वनि के दबाव के संपर्क में नहीं आना चाहिए। बच्चों के लिए यह स्तर 120 डेसिबल तक कम कर दिया गया है।

इसलिए बच्चों को आपके लाइव शो के दौरान मंच पर नहीं लाया जाना चाहिए, जहां साउंड 120 डेसिबल से अधिक हो। कॉन्सर्ट दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को इसमें आने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

सराय काले खां चौक का नाम अब होगा बिरसा मुंडा चौक

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): राजधानी दिल्ली के सराय काले खां आईएसबीटी चौक का नाम अब भगवान बिरसा मुंडा चौक हो गया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस अवसर पर उपस्थित थे और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एक जनसभा में इसका ऐलान किया। श्री शाह और दिल्ली के एलजी विनय सक्सेना तथा खट्टर ने बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि भेंट की। स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर यह निर्णय लिया गया है। खट्टर ने कहा कि सराय काले खां चौक अब बिरसा मुंडा चौक के नाम से जाना जाएगा। खट्टर ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "मैं आज घोषणा कर रहा हूं कि यहां आईएसबीटी बस स्टैंड के बाहर स्थित बड़े चौक को भगवान बिरसा मुंडा के नाम से जाना जाएगा। इस प्रतिमा और उस चौक का नाम देखकर न केवल दिल्ली के नागरिक बल्कि अंतर्राज्यीय बस स्टैंड पर आने वाले लोग भी निश्चित रूप से उनके जीवन से प्रेरणा लेंगे।" केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह निर्णय स्वतंत्रता सेनानी को सम्मानित करने के लिए लिया गया है ताकि क्षेत्र में आने वाले लोग उनके बारे में जान सकें और उनके जीवन से प्रेरित हो सकें।

मनोहर लाल खट्टर ने किया ऐलान

इससे पहले आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के साथ मिलकर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर राजधानी दिल्ली में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम के नायक बिरसा मुंडा ने छोटानागपुर क्षेत्र के आदिवासी समुदाय को अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संसद परिसर में बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्र की अगुवाई करते हुए आदिवासी नेता बिरसा मुंडा को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भी मौजूद थे। कार्यक्रम के बाद इन नेताओं ने लोक कलाकारों से बातचीत की।

मुर्मू के वहां से जाने के बाद धनखड़ (जो राज्यसभा के सभापति भी हैं) और बिरला ने ड्रम सहित अन्य संगीत वाद्ययंत्रों पर हाथ आजमाया। गुमनाम आदिवासी नायकों के बलिदान की याद में वर्ष 2021 से बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। आदिवासी महापुरुष बिरसा मुंडा को उनकी जयंती पर याद करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बलिदानों से भरा उनका जीवन राष्ट्र सेवा का अद्वितीय उदाहरण है।

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे का परीक्षण टला

नोएडा (उत्तर प्रदेश), (पंजाब केसरी): गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर में बनाए जा रहे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे पर शुक्रवार के लिए प्रस्तावित परीक्षण नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से अनुमति नहीं मिलने के कारण टल गया।

अधिकारी ने बताया कि अब परीक्षण 30 नवंबर से होने की संभावना है और इसके चलते हवाई अड्डे के व्यावसायिक संचालन की समयसीमा में भी बदलाव किया जा सकता है।कैलिब्रेशन की रिपोर्ट अनुमोदित होने के बाद 15 नवंबर से रनवे पर परीक्षण शुरू करने की तैयारी थी जिसके तहत रोजाना विमानन कंपनी इंडिगो और अकासा के तीन-तीन विमान को उतारने और उनके उड़ाने भरने की योजना बनाई गई थी।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया, ''डीजीएसए की ओर से अनुमति नहीं मिलने के कारण 15 नवंबर से प्रस्तावित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के रवने का परीक्षण टाल दिया गया है। उम्मीद है कि 30 नवंबर से परीक्षण शुरू होगा। इसके हिसाब से तैयारी की जा रही है।'' परीक्षण पूरा होने के बाद डीजीसीए की ओर से एयरोड्रोम लाइसेंस जारी किया जाएगा। जिसके पश्चात ही हवाई अड्डा व्यावसायिक संचालन के लिए तैयार होगा।

जातियों, उपजातियों के बीच आरक्षण की योजना पेश करे कांग्रेस : राजनाथ

- कांग्रेस ने देश को भ्रष्टाचार के दलदल में धकेला : भारत में कितनी जातियां रहती हैं इसके बारे में कांग्रेस को पता भी नहीं होगा

रांची, (पंजाब केसरी) : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जाति जनगणना कराने के वादे के लिए शुक्रवार को कांग्रेस तथा उसके नेता राहुल गांधी की आलोचना की और उन पर राजनीतिक लाभ के लिए मतदाताओं को लुभाने के हथकंडे के रूप में इस मुद्दे को इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। झारखंड के महगामा में एक रैली में सिंह ने कांग्रेस को देश में कई जातियों और उप-जातियों को आरक्षण का लाभ देने के लिए एक ठोस योजना पेश करने की चुनौती दी। सिंह ने पूछा कि 2011 में, एक सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना की गई थी, जिसमें लगभग 46 लाख जातियों, उप-जातियों और गोत्रों के बारे में जानकारी सामने आई थी।

समाज कल्याण मंत्रालय के अनुसार, लगभघ 1,200 अनुसूचित जातियां (एससी) , 750 से अधिक अनुसूचित जनजातियां (एसटी) और 2,500 के आसपास अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) हैं। कांग्रेस इन सभी समूहों के बीच आरक्षण के वितरण का प्रबंधन कैसे करेगी? उन्होंने आगे मांग की कि कांग्रेस ऐसी प्रणाली को लागू करने के लिए एक स्पष्ट खाका पेश करे।सिंह ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा, उन्हें जवाब देना चाहिए कि भारत में कितनी जातियां रहती हैं। राजनीति लोगों की सेवा करने के लिए होनी चाहिए, न कि सिर्फ सरकार बनाने के लिए। उन्होंने कांग्रेस पर अवसरवादी राजनीति करने का आरोप लगाया और दावा किया कि पार्टी ने ऐतिहासिक रूप से क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधनों का नाश कर दिया है जैसे कि बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस, लेकिन अब तमिलनाडु में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की बारी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता हासिल करने के लिए इन गठबंधनों का इस्तेमाल करती है, लेकिन अंततः वह अपने सहयोगियों को नुकसान पहुंचाती है। सिंह ने आरोप लगाया कि झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)-कांग्रेस-राजद गठबंधन बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त है, यहां तक कि मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए रिश्वत लेने तक की बात सामने आई है। उन्होंने इसकी तुलना राज्य में भाजपा के रिकॉर्ड से करते हुए कहा कि अब तक 13 मुख्यमंत्रियों ने झारखंड पर शासन किया है, लेकिन भाजपा के तीनों मुख्यमंत्रियों में से किसी को भी कभी भ्रष्टाचार के आरोप का सामना नहीं करना पड़ा या जेल नहीं जाना पड़ा।

वाराणसी में नमो घाट पर देव दीपावली

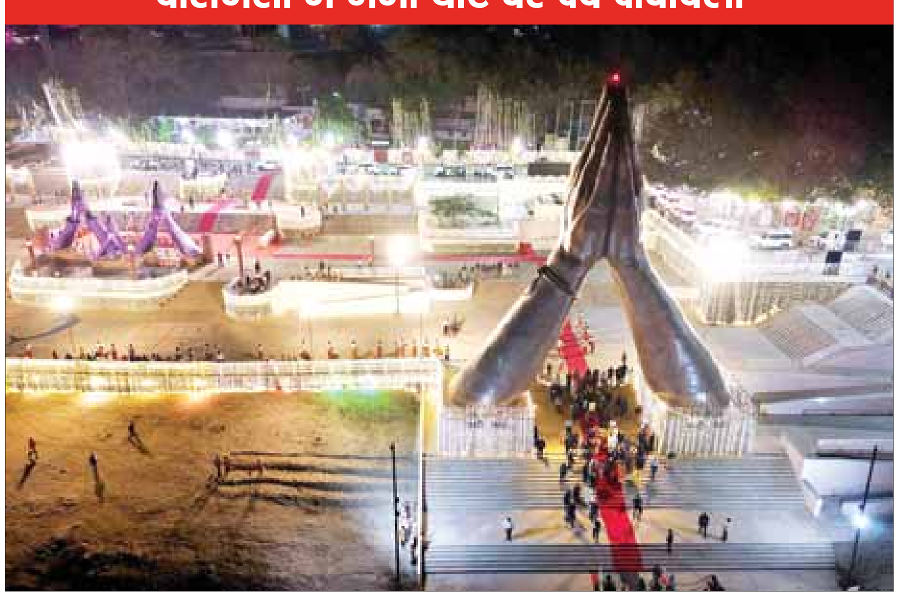

वाराणसी में देव दीपावली पर्व के मौके पर गंगा के नमो घाट पर लोगों ने नयनाभिराम दीपमाला की (छाया: प्रेट्र.)

नीतीश कुमार ने पीएम मोदी को फिर दिया भरोसा

जमुई, (पंजाब केसरी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सार्वजनिक मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एकबार फिर से भरोसा दिलाया कि हम लोग अब कभी इधर-उधर नहीं जाएंगे, साथ रहेंगे। नीतीश कुमार बार-बार अपनी गलती स्वीकार कर रहे थे, तब मंच पर बैठे मोदी मुस्कुरा रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को बिहार के जमुई पहुंचे और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में भाग लिया।उन्होंने 6,640 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास का तोहफा दिया।

टोरंटो में सिख कॉलोनी में 100 राउंड फायरिंग,23 गिरफ्तार

- हिंसा भड़की तो टोरंटो पुलिस एक असंबंधित जमानत से संबंधित जांच कर रही है
- आसपास के क्षेत्र में छिपाए गए 16 आग्नेयास्त्रों को जब्त कर लिया गया

टोरंटो, (एजेंसी): कनाडा के टोरंटो में एक म्यूजिक रिकॉर्डिंग स्टूडियो के बाहर कम से कम 100 राउंड फायरिंग की गई। सोमवार देर रात हुई गोलीबारी में 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया और दो असॉल्ट-स्टाइल राइफलों सहित 16 फायरआर्म्स जब्त किए गए। जिस इलाके में गोलीबारी हुई, वहां शहर के पंजाबी संगीतकारों के स्टूडियो हैं। जब रात 11:20 बजे के आसपास हिंसा भड़की तो टोरंटो पुलिस एक असंबंधित जमानत से संबंधित जांच कर रही थी। एक चोरी की गाड़ी एक रिकॉर्डिंग स्टूडियो के पास रुकी, तीन व्यक्ति बाहर निकले और स्टूडियो और आस-पास के लोगों पर गोलीबारी की। टोरंटो पुलिस ने इसको लेकर जवाब में कहा, एक प्रतिद्वंद्वी समूह के सदस्यों ने कथित तौर पर गोलीबारी की है। टोरंटो पुलिस के उपप्रमुख लॉरेन पोग ने इस हमले को लेकर कहा है कि सादे कपड़ों में एक अज्ञात वाहन में सवार अधिकारी गोलीबारी में फंस गए और उनके वाहन पर कई बार हमला होने के बावजूद वे बाल-बाल बच गए। हमलावर मौके से फरारपुलिस ने तुरंत हमले पर कार्रवाई करते हुए, चोरी की कार में बक्से लगाने के लिए अपने अज्ञात वाहन का इस्तेमाल किया, उन्होंने थोड़ी देर तक पीछा करने के बाद एक बंदूकधारी को पकड़ लिया। हालांकि, दो संदिग्ध इस मामले में भागने में सफल रहे और अभी भी लापता हैं।

गोलीबारी से पहले सामने आए वीडियो में कई लोगों को आधुनिक फायर आर्म्स के साथ नाचते हुए दिखाया गया है। गिरफ्तारी के बाद, क्षेत्र की तलाशी ली गई, जिससे आसपास के क्षेत्र में छिपाए गए 16 आग्नेयास्त्रों को जब्त कर लिया गया। अधिकारियों ने भागे हुए संदिग्धों की तरफ से छोड़े गए कई हथियार बरामद किए और अन्य लोगों ने छत पर, रिकॉर्डिंग स्टूडियो के अंदर और यहां तक कि पास के कूड़ेदानों में छुपाए गए हथियार भी बरामद किए।

प्रवेश परीक्षा प्रणाली को त्रुटि रहित बनाने के प्रयास जारी : प्रधान

हैदराबाद, (पंजाब केसरी): केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार प्रवेश परीक्षा प्रणाली को त्रुटिरहित बनाने के लिए सुधार समेत विभिन्न कदम उठा रही है। उन्होंने पिछले वर्ष प्रवेश परीक्षा के आयोजन में सरकार के सामने आईं गंभीर चुनौतियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की थी।

उन्होंने कहा कि उन्होंने (समिति ने) कई बहुआयामी सुधार, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का पुनर्गठन, प्रवेश प्रक्रिया के लिए नया दृष्टिकोण, परीक्षा देने वाले छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति पर गौर करने जैसे सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि मोटे तौर पर सरकार ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के नए नेतृत्व को इन सभी क्षेत्रों पर गौर करने का निर्देश दिया है। प्रधान ने कहा कि हाल में राज्य सरकारों के सचिवों की एक बैठक में उन्होंने सभी से सुधार प्रक्रिया में भागीदार बनने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि कई राज्यों की अपनी प्रवेश परीक्षाएं और अलग-अलग परीक्षाएं होती हैं।

यौन तस्करी के पीड़ितों के लिए पुनर्वास ढांचे पर जवाब दे केंद्र

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि यौन तस्करी के पीड़ितों के लिए समग्र पुनर्वास ढांचे की स्थापना के संबंध में विधायी शून्यता है और केंद्र को मुद्दे पर विचार कर इस संबंध में हलफनामा दायर करना चाहिए। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि मानव और यौन तस्करी ऐसे अपराध हैं जो पीड़ितों के जीवन को मुश्किल बना देते हैं तथा उनके जीवन, स्वतंत्रता एवं व्यक्तिगत सुरक्षा के अधिकार को नष्ट कर देते हैं।

पीठ ने कहा कि ऐसे अपराधों का समाज के कमजोर वर्ग, खासकर महिलाओं और बच्चों के जीवन पर गंभीर असर पड़ता है।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ऐसे अपराधों के पीड़ितों के साथ अकसर तस्करों द्वारा दुर्व्यवहार किया जाता है तथा उन्हें शारीरिक और मानसिक हिंसा सहनी पड़ती है। इसने कहा कि उन्हें कई जानलेवा चोटें लगने तथा यौन संचारित रोगों सहित संक्रमण और बीमारियों का खतरा अधिक रहता है। पीठ ने कहा कि इसके अतिरिक्त मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में इसका परिणाम चिंता विकार, अभिघातजन्य तनाव विकार (पीटीएसडी), अवसाद तथा मादक द्रव्यों के सेवन के रूप में भी निकल सकता है। इसने कहा कि ऐसे अधिकतर पीड़ितों को चिकित्सकों और अन्य मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों तक निरंतर पहुंच की आवश्यकता हो सकती है, जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। शीर्ष अदालत यौन उत्पीड़न के पीड़ितों के संबंध में 2015 के फैसले के अनुपालन का आग्रह करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

गरीबों की कीमत पर अरबपतियों के हितों की पूर्ति कर रहे हैं पीएम : राहुल

- संविधान को बचाने के लिये कांग्रेस हर संभव प्रयास करेगी : भाजपा-आरएसएस के साथ विचारधारा की लड़ाई

महगामा (झारखंड), (पंजाब केसरी) : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन पर भारत के गरीबों की कीमत पर अरबपतियों के हितों की पूर्ति करने का आरोप लगाया। झारखंड के गोड्डा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने दावा किया कि विपक्ष संविधान की रक्षा के लिए लड़ रहा है जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उसे कूड़ेदान में डालने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि राहुल गांधी 'लाल किताब' दिखा रहा है। मोदी जी, इस किताब का रंग जरूरी नहीं है। इसमें जो लिखा है, वह जरूरी है। अगर आपने इसे पढ़ा होता तो आप लोगों में नफरत नहीं फैलाते, सबको एक दूसरे से नहीं लड़ाते। उन्होंने कहा कि हमारे सामने विचारधारा की लड़ाई है। कांग्रेस पार्टी के लोग और गठबंधन संविधान को बचाने का काम कर रहे हैं।

वहीं भाजपा-आरएसएस, आंबेडकर जी के संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। इसे कूड़ेदान में डालने की कोशिश कर रहे हैं। वे हिंसा फैला रहे हैं और जाति, पंथ और धर्म के आधार पर समाज को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल ने कहा कि वह मोदी या उनके '56 इंच के सीने' से नहीं डरते। उन्होंने कहा, ''वह (मोदी) अरबपतियों की कठपुतली हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया कि वह लोगों को 'मन की बात' सुनाएंगे और 'पाठ सिखाएंगे' और रात में उद्योगपतियों की शादियों का आनंद लेंगे। गांधी ने दावा किया कि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे नीत सरकार को जमीन हड़पने के लिए गिराया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी मुंबई के धारावी में एक लाख करोड़ रुपये कीमत की जमीन एक उद्योगपति को सौंपने की कोशिश कर रहे हैं।

किसानों का कर्ज माफ नहीं करती भाजपा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हालांकि प्रधानमंत्री मोदी गरीबों के सम्मान की बात करते हैं, लेकिन किसानों का कर्ज माफ नहीं करते। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी पर भी भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि आपके द्वारा चुने गए एक आदिवासी मुख्यमंत्री को झारखंड में सलाखों के पीछे डाल दिया गया। भाजपा पर नफरत और हिंसा फैलाने का आरोप लगाते हुए राहुल ने कहा कि इसे प्यार से खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास 'मोहब्बत की दुकान'' है, उनके पास 'नफरत का बाजार'' है।

सोनीपत पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़

सोनीपत, (पंजाब केसरी): हरियाणा में शुक्रवार (15 नवंबर) को सोनीपत पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में 2 इनामी बदमाशों को गोली लगी है। इन पर पुलिस की ओर से 10 हजार रुपए का इनाम रखा गया था। घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दोनों बदमाश बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के रहने वाले हैं। इनकी पहचान जय प्रकाश उर्फ जेपी और विक्की के रूप में हुई। इन्होंने कुछ दिन पहले कुंडली क्षेत्र में पेट्रोल पंप पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इस दौरान पेट्रोल पंप कर्मचारियों और ट्रक ड्राइवर को गोली भी मारी थी। बदमाश एक बार फिर सोनीपत में लूट की बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस ने इन दोनों को शुक्रवार दोपहर को गांव रेवली के पास पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। दोनों को सोनीपत के सिविल अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। इनसे 2 हथियार भी बरामद हुए हैं।

इंडिया गेट पर छाया घना कोहरा। फोटोः मिहिर सिंह

दिल्ली के स्कूलों में मास्क जरूरी सरकारी दफ्तरों का बदला समय

दिल्ली में लागू हुई ग्रेप-3 की पाबंदियों के तहत दफ्तरों के कामकाज के समय में किया गया परिवर्तनः आतिशी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली के स्कूलों में छात्रों के लिए मास्क अनिवार्य कर दिया गया है। वही सरकारी दफ्तरों के कामकाज के समय में भी बदलाव किया गया है। दिल्ली के शिक्षा निदेशालय ने पहले ही आदेश जारी करते हुए कहा है कि दिल्ली के सभी सरकारी व निजी स्कूलों के पांचवी कक्षा तक के छात्रों की ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई होगी। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया एक्स पर

जानकारी देते हु कहा है कि सड़कों पर ट्रैफिक और उससे होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली में सभी सरकारी कार्यालय, दिल्ली सरकार, नगर निगम और केंद्र सरकार के कार्यालयों के कामकाज के समय में बदलाव किया गया है। आतिशी ने एक्स पर लिखा कि सड़कों से ट्रैफिक और उससे होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए, दिल्ली भर के सरकारी कार्यालय अलग-अलग समय पर काम करेंगे। मुख्यमंत्री आतिशी ने गुरुवार को घोषणा की कि दिल्ली के सभी स्कूलों में पांचवीं तक की सभी कक्षाएं को ऑफलाइन बंद कर ऑनलाइन आयोजित करने का निर्देश दिया था। बता दें कि स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर कोरोना के समय से ही स्कूलों ने अपनी व्यवस्था को सुदृढ कर लिया था। पिछले साल भी प्रदूषण की स्थिति गंभीर होने पर दिल्ली के सभी स्कूलों में प्राथमिक स्कूलों को बंद कर दिया गया था। इस साल भी वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में होने पर सरकार को ग्रेप के तीसरे चरण को लागू करना पड़ा है। अगर स्थिति यहां भी नहीं सुधरी तो आने वाले समय में और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

स्कूलों में खुली जगह पर गतिविधियों पर रोक...

द्वारका में एक स्कूल की प्रधानाचार्य ने कहा है कि 'हमने स्कूल आने वाले छात्रों के लिए दिशानिर्देश लागू किए हैं। स्कूल में खुली जगह पर होने वालीं गतिविधियों पर रोक है। हम इनडोर गतिविधियों जैसे पढ़ना, पेंटिंग, क्राफ्टिंग और शतरंज और कैरम जैसे खेलों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। आचार्य ने स्कूल में एक परामर्श जारी किया, जिसमें 'कारपूलिंग', पर्याप्ता मात्रा में पानी पीने और 'एंटीऑक्सीडेंट' से भरपूर आहार के सेवन जैसे उपायों के बारे में बताया गया है।

पीक आवर्स के दौरान ट्रैफिक का दबाव होगा कम

आतिशी ने लिखा कि दिल्ली नगर निगम के कार्यालय सुबह सुबह 8 :30 बजे से शाम 5 बजे तक खुलेंगे। वहीं केंद्र सरकार के कार्यालय सुबह 9 बजे से शाम 5 :30 बजे तक और दिल्ली सरकार के कार्यालय सुबह 10 बजे से शाम 6 :30 बजे तक खुलेंगे। सीएम ने कहा कि दिल्ली सरकार के इस कदम से अलग-अलग समय पर कार्यालय खुलने और बंद होने से सुबह और शाम के पीक आवर्स के दौरान ट्रैफिक का दबाव कम होगा और ट्रैफिक न होने के कारण इससे होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी। बता दें कि, दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए ग्रैप-3 की पाबंदियां लगाई गई है। इसी के तहत दिल्ली में सरकारी दफ्तरों के कामकाज के समय में बदलाव किया गया है।

ये होगा सरकारी दफ्तरों के कामकाज का नया समय

- दिल्ली नगर निगम (एमसीडी): सुबह 8 :30 बजे से शाम 5 :00 बजे तक।
- केंद्र सरकार के कार्यालय : सुबह 9 :00 बजे से शाम 5 :30 बजे तक।
- दिल्ली सरकार के कार्यालय : सुबह 10 :00 बजे से शाम 6 :30 बजे तक।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 106 शटल बस सेवा शुरू होगी, मेट्रो लगाएगी 60 अतिरिक्त फेरे

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने के लिए ग्रेप-3 की पाबंदियों को आप" की सरकार सख्ती से लागू करेगी। इस बारे में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने संबंधित विभागों के अधिकारियों

के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर उन्हें दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण की समस्या को देखते हुए सीएक्यूएम के आदेश पर दिल्ली में ग्रेप के तीसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों के साथ मीटिंग कर जरूरी निर्देश दिए गए हैं,ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। इसके तहत सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए 106 शटल बस सेवा शुरू किया गया है और मेट्रो ट्रेनें 60 अतिरिक्त फेरे लगाएंगी। गोपाल राय ने कहा कि प्राइवेट निर्माण तथा विध्वंस के कार्य पर प्रतिबंध रहेगा ,साथ ही बोरिंग और ड्रिलिंग कार्यों सहित खुदाई और भराई के लिए मिट्‌टी के काम,पत्थर आदि जैसी धूल पैदा करने वाली सामग्रियों का स्थानांतरण, लोडिंग/अनलोडिंग का कार्य , कच्ची सड़कों पर निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों की आवाजाही का कार्य, विध्वंस अपशिष्ट के ट्रांसपोटेशन का कार्य आदि पर प्रतिबंध रहेगा। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि आपातकालीन उपायों पर भी विचार किया जा सकता है और वह इस बारे में केंद्र सरकार के साथ बात करेंगे।

वायु प्रदूषण के चलते दिल्ली बनी गैस चैंबर, राहत के नहीं हैं आसार

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): राष्ट्रीय राजधानी और इसके आसपास हवा काफी जहरीली हो गई है। विशेषकर दिल्ली में लोग गैस चैंबर में होने जैसा महसूस करने लगे हैं। 15 नवंबर, 2024 है। आज के दिन दिल्ली के आनंद विहार, चाणक्यपुरी और बाकी इलाकों में एक्यूआई का स्तर सुबह 400 के पार था जोकि दिन चढ़ते-चढ़ते 300 से नीचे आ गया। अंधेरा होते ही फिर ऊपर चला जाएगा। दिन में दिल्ली के एक्यूआई मीटर डाटा तक नहीं दिखा रहे। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को रोकने की खातिर सीएक्यूएम नाम के सरकारी विभाग ने ग्रैप-3 नियम लागू कर दिए हैं। इसके तहत अब सड़कों पर बीएस-III वाहन बिलकुल नहीं चलेंगे जबकि बीएस-IV स्टैण्डर्ड के डीजल वाहनों के चलने पर भी रोक है। हर प्रकार की निर्माण गतिविधि भी प्रतिबंधित कर दी गई है। आज से 10 वर्ष पूर्व इसे ठंड का मौसम कहा जाता था, जिसकी शुरुआत रातरानी के फूलों की महक के तेज होने और शरीर में लगने वाली हलकी झुरझुरी से होती थी। अब यह ट्रेंड बदल गया है। अब यह मौसम अपने आने का ऐलान दिल्ली को धुंध की चादर में लपेट कर और लोगों को सांस लेने दिक्कत और आँख में जलन का उपहार देकर करता है।

पंजाब की पराली पर सरकार की चुप्पी से दिल्ली ग्रैप-3 के लिए बाध्यः बांसुरी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रदेश भाजपा की मंत्री एवं सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि आतिशी सरकार एवं उसके पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की लगातार पंजाब में बढ़ती पराली जलने की घटनाओं पर चुप्पी के साथ ही दिल्ली की

टूटी सड़कों की रिपेयर में लापरवाही के चलते दिल्ली वाले जहरीले प्रदूषण और ग्रैप-3 प्रतिबंध झेलने को बाध्य हैं। सांसद स्वराज ने कहा कि प्रदूषण की स्थिति अति गम्भीर हो जाने के बाद आप सरकार केवल घोषणाएं कर अपनी जिम्मेदारियों की पूर्ति कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली एवं एनसीआर में सरकारी दफ्तर सड़कों पर आने वाले वाहनों में 10 प्रतिशत से कम योगदान देते हैं, मुख्यमंत्री ने मात्र विभिन्न विभागों के सरकारी कर्मियों के ऑफिस आने का समय आगे पीछे कर जिम्मेदारी की खानापूर्ति कर दी है। सांसद ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में लाखों निजी क्षेत्र कम्पनियों के कर्मी काम करते हैं, जो लगभग 40 प्रतिशत वाहन सड़क पर उतारते हैं, बेहतर होता दिल्ली सरकार इनको वर्क फ्रोम होम को प्रोत्साहित करती। उन्होंने कहा कि यदि सरकार समय में परिवर्तन ही करना चाहती है तो सरकारी कार्यालयों, निजी कम्पनी कार्यालयों एवं दुकानों के खुलने व बंद होने का टाइम अलग-अलग करे, उसके बाद शायद सड़क ट्रैफिक कुछ कम हो पाए। उन्होंने कहा कि हास्यास्पद रूप से गोपाल राय गम्भीर कदम उठाने की जगह केवल अव्यवहारिक घोषणाएं कर खबरों में बने रहने का प्रयास कर रहे हैं।

अपना दोष विधायकों पर मढ़ रहे हैं पूर्व सीएमः सचदेवा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि अब यह साफ दिख रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल अपनी दिल्ली सरकार की एंटी इनकमबेंसी का दोष अपने पार्टी के विधायकों पर डाल

कर बचने का प्रयास कर रहे हैं, मगर अब उन्हें इस सब से कोई लाभ नहीं मिलेगा।सचदेवा ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव प्रत्याशी बदलाव एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन अरविंद केजरीवाल इसका उपयोग खुद के चेहरे पर लगे आरोपों से जनता का जानबूझकर ध्यान भटकाने के लिए करना चाह रहे हैं। 10 वर्ष जिन विधायकों को दिल्ली की लूट का माध्यम बनाया, वह अब उनके चुनाव टिकट काटने की तैयारी में लगे हैं और संगठनात्मक रूप से कमजोर पार्टी में वैकल्पिक प्रत्याशी न होने के कारण कांग्रेस में प्रत्याशी ढूंढ रहे हैं। खासकर मुस्लिम एवं दलित बहुल क्षेत्रों में, वहां कांग्रेस के चुनाव प्रत्याशी रहे पूर्व विधायक आप में जा रहे हैं और आप टिकट पर चुनाव लड़े विधायक एवं पूर्व विधायक कांग्रेस में जा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अब आप-कांग्रेस बेशक कुछ भी करें, लेकिन दिल्ली की जनता सब समझ चुकी है।

केजरीवाल को बदनाम करने की भाजपा की कोशिश नाकामः आप

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कार्यकाल के दौरान हुए निर्माण पर भाजपा के आरोपों को लेकर आम आदमी पार्टी ने पलटवार किया है। आप का कहना है कि भाजपा भले ही ईमानदार अरविंद केजरीवाल को बदनाम करने के

लिए अनेक हथकंडे अपनाती रहे, लेकिन दिल्ली की जनता आप और उसके नेताओं पर लगाए गए झूठे आरोपों को समझ चुकी है, यही कारण है कि केजरीवाल मॉडल रिकॉर्ड गति से फैल रहा है। भाजपा ने आप सरकार के खिलाफ अनगिनत जांच शुरू की हैं-हमारे नेताओं, मंत्रियों और विधायकों को निशाना बनाया है, कमेटियां बनाई हैं और यहां तक कि झूठे आरोपों के तहत उसके नेताओं को जेल में भी डाला है। आज तक किसी भी एजेंसी द्वारा एक भी रुपए का गलत काम उजागर नहीं किया गया है, सिर्फ इसलिए क्योंकि आप एक पक्की ईमानदार पार्टी है। यह हमारी अटूट ईमानदारी का सबसे मजबूत प्रमाण है। नकारात्मक राजनीति करने के बजाय, भाजपा को रचनात्मक राजनीति पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, लोगों की समस्याओं को समझना चाहिए और वास्तविक समाधान की दिशा में काम करना चाहिए।

लारा ने धूमधाम से किया दीप दीपावली का आयोजन

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): लेक एरिया रेजिडेंट्स एसोसिएशन (लारा) एवं श्री राम कृष्ण सेवा संस्थान द्वारा शुक्रवार को नैनी लेक मॉडल टाउन फेज 1 में दीप दीपावली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। धूमधाम एवं भव्यता के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में 1100 दीपों की दीपमाला व महाआरती की गई। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे और कार्यक्रम की छठा देखकर हर कोई मंत्र मुक्त हो गया। बच्चों से लेकर बड़ों-बुजुर्ग हर कोई भक्ति व आध्यमिकता में डूब गया। इस संबंध में लारा के प्रधान पुष्पेंद्र गोयल ने बताया कि पिछले 10 सालों से हम यह प्रोग्राम करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को हम बनारस की तरह करना चाहते हैं। इसमें नौका में भगवान श्री राम अपने भाईयों व सीता के साथ आए। उसके बाद हमनें उनकी आरती की। इस दौरान आए हुए मेहमानों के लिए प्रसाद और भोजन का व्यवस्था भी की गई। वहीं महामंत्री मुकेश अग्रवाल ने कहा कि हमारा यह कार्यक्रम धार्मिक व सांस्कृतिक एकता की पहचान बन चुका है। लोग इस कार्यक्रम में आकर अपने आप को आध्यमिकता व भक्तिभाव में डूबा पाते हैं। हमारा संकल्प है कि इस कार्यक्रम को हम साल दर साल बेहतर करते जाएंगे। कार्यक्रम में बीनू चौहान प्रधान डब्ल्यूडब्ल्यूएल, सीमा अग्रवाल, जनरल सेक्रेटरी डब्ल्यूडब्ल्यूएल, संतोष गोयल, कोषाध्यक्ष,डब्ल्यूडब्ल्यूएल व वीकेश सेठी सहित सैंकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

दिल्ली की हलचल...

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा देगी प्रेरणाः भाजपा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का प्रतिमा स्थल दिल्ली में बनवाने के साथ ही रिंग रोड अंतर्राज्यीय बस अड्डे के बाहर स्थित सराये कालेखां चौक का नाम भगवान बिरसा मुंडा चौक रखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने दिल्ली में बसे लाखों आदिवासियों को भी सम्मान दिया है। कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने भारत के आदिवासी समाज को अपने अधिकारों के लिए अपनी भूमि के लिए लड़ने की प्रेरणा दी और उनकी 150वीं जयंती पर देश की राजधानी में यमुना किनारे बांसेरा में लगाई गई भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा हर गरीब को उसके जीवन संघर्ष में प्रेरणा देगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड एवं ओडिशा के लाखों आदिवासी युवक एवं युवती दिल्ली में बसे हैं और दिल्ली की अर्थव्यवस्था को चलाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जब भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया और उनकी उपस्थिति में शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सराय काले खां चौक का नाम बदलकर भगवान बिरसा मुंडा चौक रखने की घोषणा की तो वहां उपस्थित सैकड़ों आदिवासियों के चेहरे खिल उठे।

धूमधाम से मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): नजफगढ़ स्थित एमसीडी स्कूल में 149वां जनजातीय गौरव दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के योगदान का सम्मान और इसका उद्देश्य आदिवासी समुदायों के अधिकारों और संस्कृति के बारे में जागरुकता को बढ़ावा देना था। इस मौके पर एमसीडी नजफगढ़ जोन के चेयरमैन अमित खरखड़ी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। अमित खरखड़ी द्वारा बिरसा मुंडा के चित्र का अनावरण किया गया, जो भारतीय इतिहास और आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण में इस उल्लेखनीय आदिवासी नेता के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देता है। कार्यक्रम में स्वदेशी संस्कृतियों का सम्मान करने और उनकी समृद्ध विरासत और समाज में योगदान के बारे में जागरुकता बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला। अमित खरखड़ी ने आदिवासी आबादी को समर्थन और सशक्त बनाने के लिए स्थानीय अधिकारियों की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

अवैध स्लॉटरिंग के खिलाफ फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने शुरू की ड्राइव

मुर्गे व मछली के 150 सैंपल जांच के लिए भेजे, 79 को शोकॉज नोटिस जारी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली में अवैध रूप से मुर्गे काटे जाने (स्लॉटरिंग) के खिलाफ दिल्ली सरकार ने सख्त कार्रवाई शुरु कर दी है। सरकार के फूड सेफ्टी विभाग ने अवैध रूप से मुर्गे व मछली काटे जाने के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार तक 79 लोगों को कारण बताओ (शोकॉज) नोटिस जारी किये हैं। साथ ही अब तक मुर्गे व मछली के 46 इन्फोर्समेंट सैंपल उठाये हैं। साथ ही चिकन व अन्य कच्चे मीट के 88 और मछली के 62 सर्वे सैंपल उठाए गए हैं।

इन सैंपल के आधार पर इनके खिलाफ कोर्ट में कार्यवाही की जाएगी। इस बारे में फूड सेफ्टी कमिश्नर नेहा बंसल ने बताया कि विभाग द्वारा दिल्ली के बाजारों में चिकन और मांस की दुकान के विक्रेताओं द्वारा अवैध रूप से मुर्गे काटे जाने के खिलाफ विशेष अभियान के शुरु किया गया है। इसके लिए तीन टीमों का गठन किया है और प्रत्येक टीम में नामित

अधिकारियों की देखरेख और निर्देश में न्यूनतम पांच खाद्य सुरक्षा अधिकारी हैं। सभी नमूनों को जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि किसी को भी सरकारी नियमों का उल्लंघन करके लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं कार्रवाई की जानकारी देते हुए डेजिग्नेटिड ऑफीसर/लाइसेंसिंग रणजीत सिंह ने बताया कि दिल्ली में कई जगहों पर नियमों का उल्लंघन करते हुए अवैध तरीके से मुर्गे व मटन काटने का काम जारी है। जबकि इसके लिए जरूरी लाइसेंस की जरूरत होती है। साथ ही चिकन-मटन व मछली को काटने व संरक्षित रूप से रखने के लिए भी फूड सेफ्टी कानून के तहत उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। जबकि इन लोगों के पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में लोगों के स्वास्थ्य को मद्देनजर रखते हुए अवैध स्लॉटरिंग के खिलाफ विभाग ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। इसके लिए एक विशेष ड्राइव शुरू की गई है जो सप्ताहभर चलेगी। रणजीत सिंह ने बताया कि हमने जो 46 इन्फोर्समेंट सैंपल उठाए हैं। शोकॉज नोटिस व इन्फोर्समेंट सैंपल के मामले में अस्वास्थ्यकर प्रथाओं को अपनाने के साथ-साथ बिना लाइसेंस के व्यवसाय चलाने और गलत श्रेणी में लाइसेंस लेकर सरकारी अधिकारी को गुमराह करने के लिए अदालत में मामले दायर किए जाएंगे।

राहुल के हेलीकॉप्टर की उड़ान में देरी के बाद कांग्रेस ने आयोग से कहा, समान अवसर सुनिश्चित करें

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): कांग्रेस ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग से झारखंड में पार्टी नेता राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने से कथित तौर पर रोकने की शिकायत की और चुनाव प्रचार में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर को प्रतिबंधों के कारण उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी गई, जिसके कारण उनकी जनसभाओं में या तो देरी हुई या रद्द हो गईं।

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चुनाव प्रचार अभियान दूसरों के प्रचार अभियान से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकता। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रचार में समान अवसर होने चाहिए। प्रधानमंत्री का प्रचार अभियान अन्य सभी के प्रचार अभियान से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकता। आज राहुल गांधी को झारखंड में इसी कारण देरी हुई।'' मुख्य निर्वाचन आयुक्त को भेजी गई अपनी शिकायत में कांग्रेस नेता ने उनसे तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि समान अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि गांधी कांग्रेस की एक चुनावी रैली के लिए झारखंड में थे और उन्होंने राज्य भर में यात्रा करने तथा सभी पूर्व-निर्धारित चुनाव कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए सभी आवश्यक अनुमति हासिल कर ली थी। उन्होंने बताया कि स्वीकृत कार्यक्रम और अनुमति के अनुसार गांधी और उनकी टीम को दोपहर 1.15 बजे गोड्डा से राज्य के अन्य स्थानों के लिए उड़ान भरनी थी। रमेश ने अपनी शिकायत में कहा, ''उन्हें दोपहर 1.15 बजे उड़ान भरने की अनुमति थी, लेकिन उड़ान की इजाजत नहीं दी गई। उन्हें सूचित किया गया कि आसपास के अन्य नेताओं के प्रोटोकॉल के कारण, उड़ान पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

बढ़ती अवैध रोहिंग्या व बांग्लादेशी अप्रवासियों की संख्या पर एलजी सख्त

मुख्य सचिव, एमसीडी आयुक्त व एनडीएमसी चेयरमैन से कहा, आईडी डाक्यूमेंट्स अप्लाई करने वालों पर रखें कड़ी नजर

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): उपराज्यपाल वीके सक्सेना दिल्ली में रोहिंग्या, बांग्लादेशी व अन्य प्रवासियों की बढ़ती संख्या को लेकर सख्त हो गये हैं। उन्होंने शुक्रवार को पुलिस आयुक्त को निर्देश दिए कि वे राजधानी में अवैध प्रवासियों की पहचान करने के लिए एक महीने का विशेष अभियान संचालित करें और केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय करके कार्रवाई करें। सक्सेना ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) व दिल्ली के मुख्य सचिव को भी सतर्क रहने का निर्देश दिया, क्योंकि ये अवैध प्रवासी फर्जी नागरिकता और चुनाव पहचान पत्र प्राप्त करने के लिए उनसे संपर्क कर सकते हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब दिल्ली में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। एलजी दफ्तर द्वारा गुरुवार को दिल्ली के मुख्य सचिव, पुलिस और एमसीडी आयुक्तों एवं एनडीएमसी के अध्यक्ष को पत्र लिखा है। इसमें उप राज्यपाल दफ्तर ने कहा कि सोशल मीडिया और अन्य विश्वसनीय स्त्रोतों से प्राप्त कुछ रिपोर्ट बताती हैं कि दिल्ली में अवैध प्रवासियों की संख्या में अचानक वृद्धि हुई है। पत्र में कहा गया है कि ऐसे लोगों द्वारा सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों और पार्कों पर अतिक्रमण भी बढ़ा है। ऐसी खबरें हैं कि उनके पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, चुनाव पहचान पत्र आदि बनाने के लिए फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल और धोखाधड़ी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। एलजी ने कहा कि यदि अवैध प्रवासियों को चुनाव पहचान पत्र जारी किया जाता है, तो इससे उन्हें लोकतंत्र का सबसे शक्तिशाली अधिकार अर्थात हमारे देश में वोट देने का अधिकार प्राप्त होगा।

अवैध प्रवासियों को ऐसे अधिकार देना किसी भी भारतीय नागरिक द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा और इस तरह के कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी हानिकारक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव संभागीय आयुक्तों के माध्यम से जिलाधिकारियों को पहचान दस्तावेजों के लिए आवेदन करने वाले लोगों के सत्यापन में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश जारी करें। यहां बता दें कि यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भाजपा नेता सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर राजधानी में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को संरक्षण देने का आरोप लगा रहे हैं।

सुरक्षा से जुड़े मसले को भी आप राजनीतिक रूप से देख रही है: भाजपा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली की सड़कों की पटरियों पर एवं पार्कों आदि के आसपास पहले सामान्य तौर पर पटरी पर दुकान लगाने वालों द्वारा अतिक्रमण देखा जाता था, लेकिन गत कुछ माह से आरडब्ल्यूए एवं व्यापारिक संगठन लगातार शासन का ध्यान रोहिंग्या या अन्य लोगों द्वारा सड़कों एवं पार्कों के किनारे किए जा रहे रिहायशी अतिक्रमण करते रहे हैं। इस दौरान दिल्ली की सड़कों पर अपराध की छोटी-बड़ी घटनाएं भी हुई हैं और इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पुलिस आयुक्त को कारवाई का निर्देश दिया है।

अवैध अप्रवासियों के मुद्दे का इस्तेमाल कर रही भाजपा :आप

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): एलजी वीके सक्सेना द्वारा दिल्ली में अवैध प्रवासियों की निगरानी रखने के निर्देश जारी कर पर आम आदमी पार्टी (आप) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इस बारे में आप ने एक बयान जारी कर कहा कि भाजपा अवैध अप्रवासियों के मुद्दे का इस्तेमाल केवल राजनीतिक लाभ के लिए करती है। भाजपा पर पलटवार करते हुए आप ने कहा कि इस बात की गहन जांच शुरू की जानी चाहिए कि देश में अवैध अप्रवासी कैसे प्रवेश कर रहे हैं। यदि अवैध अप्रवासी हैं तो कितने हैं? यह एक बड़ी विफलता है और हिरासत में लिए गए लोगों पर कार्रवाई की कमी इसे और अधिक उजागर करती है। इसकी सीधी जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की है। आप ने कहा कि एक तरफ भाजपा अवैध प्रवासियों को नागरिकता दे रही है, और दूसरी तरफ, यह जांच का नाटक कर रही है। भाजपा को यह पाखंड बंद करना चाहिए और अपनी गंदी राजनीति पर विराम लगाना चाहिए।

मेट्रो के फेज-IV के ऑपरेशंस के लिए 312 कोच का पहला ट्रेन सेट दिल्ली पहुंचा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली मेट्रो के फेज-IV के संचालन कार्यों के लिए खरीदी गई छह कोचों वाली पहली मेट्रो ट्रेन शुक्रवार को दिल्ली पहुंच गई, जो दिल्ली मेट्रो के फेज-IV के प्राथमिकता वाले कॉरिडोरों को पूरा करने तथा चालू करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

इस ट्रेन सेट का उदघाटन इसी वर्ष 23 सितंबर को डीएमआरसी और एल्सटॉम के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में चेन्नई के समीप श्रीसिटी में रोलिंग स्टॉक निर्माता एल्सटॉम के परिसर में पहले ट्रेनसेट के सभी 6 डिब्बों का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद किया गया था। ट्रेन को दिल्ली मेट्रो के मुकुंदपुर डिपो में रखा गया, जहां इसे स्थापित नियमों और प्रोटोकॉल के तहत राजस्व सेवा के वैधानिक प्रमाणन के लिए कई आवश्यक परीक्षणों से गुजरना होगा।

बता दें कि आरएस -17 संविदा के तहत डीएमआरसी को अपने फेज-IV के प्राथमिकता वाले कॉरिडोरों, यानी मजलिस पार्क से मौजपुर, जनकपुरी पश्चिम से आर. के. आश्रम मार्ग और तुगलकाबाद से दिल्ली एरोसिटी के लिए कुल 312 मेट्रो कोच (52 ट्रेनें) प्राप्त होंगे। आने वाले दिनों में सभी ट्रेनें चरणबद्ध तरीके से दिल्ली पहुंचेंगी।

दिल्ली मेट्रो के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस विभाग के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया कि दिल्ली मेट्रो के फेज-IV के विस्तार के भाग के रूप में, डीएमआरसी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पांच अलग-अलग कॉरिडोर में 86 किमी नई लाइनों का निर्माण कर रही है। जबकि तीन कॉरिडोर - जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मार्ग, मजलिस पार्क-मौजपुर और एरोसिटी-तुगलकाबाद निर्माणाधीन हैं, अन्य दो नए कॉरिडोर, लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक और इंद्रप्रस्थ-इंद्रलोक प्री-टेंडरिंग चरण में हैं।

234 कोच पिंक व मैजेंटा लाइन के लिए आवंटित

312 कोचों में 234 कोच लाइन-7 (पिंक लाइन) और लाइन-8 (मैजेंटा लाइन) के विस्तारित खंडों, यानी मजलिस पार्क से मौजपुर और जनकपुरी पश्चिम से आर. के. आश्रम मार्ग के लिए आवंटित किए गए हैं। शेष 78 कोच तुगलकाबाद से दिल्ली एरोसिटी कॉरिडोर के लिए होंगे। ये सभी ट्रेन चालक रहित परिचालन के लिए अनुकूल होंगी, जो दिल्ली मेट्रो के यात्रियों को विश्व स्तरीय सेवाएं प्रदान करने के प्रयासों के अनुरूप हैं और भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देंगी।

आज का सुविचार

जिस प्रकार ज्योति, कहीं भी हो, प्रकाश देने का काम करती है, उसी प्रकार हमारा जीवन भी ज्योतिर्मय होना चाहिए। जहां रहे, वहां ख़ुशी का माहौल बनाएं। -सुरेन्द्र कुमार

इतिहास के झरोखे से...

16 नवंबर को सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण करने वाले यूनेस्को का गठन

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): अतीत के झरोखे में झांकने पर पता चलता है कि 16 नवंबर को अनेक ऐसी घटनाएं हुईं जो इतिहास में दर्ज है। आज ही के दिन 1632 में स्वीडन के महाराजा एडल्फ़ की हत्या हुई। 1713 में बाला जी विश्वनाथ को साहू ने पेशवा नियुक्त किया। 1776 में ब्रिटिश सैनिकों ने अमेरिका की क्रांति के दौरान फोर्ट वाशिंगटन पर कब्जा किया। 1840 में न्यूजीलैंड आधिकारिक तौर पर ब्रिटिश उपनिवेश का हिस्सा बना। 1846 में उर्दू के मशहूर शायर अकबर इलाहाबादी का जन्म। 1860 में भारतीय श्रमिकों का पहला जत्था दक्षिण अफ्रीका के नटाल पहुंचा। 1870 में ओकलाहोमा अमेरिका का 46वां प्रांत बना। 1916 में रूस के ला सतान्या स्थित कारखाने में विस्फोट से 1000 लोगों की मौत। 1930 में भारतीय तैराक मिहिर सेन का जन्म। 1958 में उन्होंने इंग्लिश चैनल पार किया था। 1933 में अमेरिका और सोवियत संघ के बीच राजनयिक संबंध स्थापित। आज ही के दिन 1945 में विश्व भर की सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण करने वाले यूनेस्को का गठन। 1965 में वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड के बारे में पहली सार्वजनिक घोषणा हुई। 1988 में पाकिस्तान में 11 साल बाद आम चुनाव हुए। इस चुनाव में बेनजीर भुट्टो पाकिस्तान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। 1996 में मदर टेरेसा को अमेरिका ने मानद नागरिकता प्रदान की।

सेठी इलेवन ने ओपोनेंट क्रशर को हराया

श्री मदन लाल खुराना मेमोरियल कमल क्रिकेट लीग के चौथे दिन का हुआ मैच

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के शालीमार बाग़ के मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्ले ग्राउंड में चौथे श्री मदन लाल खुराना मेमोरियल कमल क्रिकेट लीग के चौथे दिन का मैच हुआ। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मदन लाल खुराना की स्मृति में चौथे साल इस क्रिकेट लीग का आयोजन किया जा रहा है। चौथे दिन खेले गए मैच में सेठी इलेवन की टीम ने ओपोनेंट क्रशर की टीम को 55 रन से हरा दिया। सेठी इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया। सेठी इलेवन 14.3 ओवर में 115 रन बनाकर आल आउट हो गई। जवाब में 116 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दूसरी टीम 13 ओवर में 60 रन पर ही आल आउट हो गई। चौथे दिन के मैच में पूर्व विधायक डॉ. महेंद्र नागपाल, बिहार बीजेपी के प्रदेश सचिव संतोष रंजन राय, करोल बाग़ के बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष भारत भूषण मदान, निगम पार्षद सुमन शर्मा, दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष परीक्षित डागर, दिल्ली बीजेपी किसान मोर्चा के सचिव मंगत राम शर्मा समेत अन्य गणमान्य लोगों ने खिलाडियों का उत्साह बढ़ाया। मदन लाल खुराना मेमोरियल कमल क्रिकेट लीग के आयोजक बीजेपी के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट शिवम छाबड़ा और संयम छाबड़ा ने सबका आभार जताया।

फर्जी कॉल रुक नहीं सकते एक्शन प्लान जरूरी: हाईकोर्ट

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली के स्कूलों में बम की फर्जी धमकियों के मामले में कहा है कि फर्जी कॉल नहीं रुक सकते हैं, लेकिन इमरजेंसी के लिए एक्शन प्लान तैयार हो। जस्टिस संजीव नरुला की बेंच ने बम की फर्जी धमकियों के मामले में पुलिस और सरकार को दिशानिर्देश जारी करने की मांग करने वाली याचिका का निपटारा करते हुए ये टिप्पणी की।कोर्ट ने कहा कि कोई भी फर्जी कॉल नहीं रोक सकता, लेकिन इमरजेंसी में सुरक्षा के लिए कुछ कदम उठाए जा सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि कुछ ऐसे मसले हैं जिस पर संबंधित अधिकारियों और इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों से विचार-विमर्श करने की जरुरत है। इसके पहले सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस से पूछा था कि बम धमकियों को लेकर कितने मॉक ड्रिल किए हैं। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से पूछा कि वह यह बताएं कि बम की धमकी मिलने पर स्कूलों के छात्र कैसे हैंडल कर सकते हैं। दरअसल इस संबंध में दायर याचिका में याचिका में मांग की गई थी कि दिल्ली के स्कूलों में बम की धमकियों से निपटने के लिए क्या तैयारी की गई हैं। याचिका में कहा गया था कि स्कूलों के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की सुरक्षा जरूरी है। ऐसे में मई महीने में दिल्ली और एनसीआर के स्कूलों में मिली बम धमकियों की जांच की जानी चाहिए।

महिला पहलवान यौन उत्पीड़न मामले में मुख्य गवाह के बयान दर्ज

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में महिला पहलवान के यौन उत्पीड़न मामले में मुख्य गवाह के बयान और साक्ष्य बंद कोर्ट रूम में दर्ज किए गए। इस मामले में पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह आरोपी हैं। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) वैभव चौरसिया ने बंद कोर्ट रूम में पीड़िता/गवाह के साक्ष्य दर्ज किए। इस दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए एडिशनल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अतुल श्रीवास्तव ने गवाह के साक्ष्य दर्ज कराए। गवाह दोपहर दो बजे से पहले कोर्ट पहुंच गई थी और करीब ढाई घंटे तक उसके बयान दर्ज किए गए। कोर्ट ने गवाह के आगे उसके साक्ष्य दर्ज करने के लिए इस मामले को 26 नवंबर के लिए सूचीबद्ध किया है। इससे पहले कोर्ट ने साक्ष्य (परीक्षा) दर्ज करने के लिए चार नवंबर को गवाह/पीड़िता को समन जारी किया था।

दिल्ली की हलचल...

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में शुक्रवार की रात दक्षिणी दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने पहुंचकर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने महंत सुरेश शर्मा से आशीर्वाद भी लिया और कहा कि भगवान हनुमान संकटमोचन हैं, जो कि सभी के कष्ट दूर करते हैं। उन्होंने कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दिवाली पर दिल्लीवासियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं भी दीं।

दिल्ली में भव्य गंगा आरती का आयोजन

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): कार्तिक मास की शुभ देव दीपावली सबके लिए मंगलदायक है। इस अवसर पर इस्कॉन द्वारका द्वारा दक्षिण पश्चिम दिल्ली के कुतुब विहार गोला डेरी में शुक्रवार की शाम को छठ पूजन स्थल पर गंगा आरती का आयोजन किया है। भव्य गंगा आरती के लिए वाराणसी के गंगा घाट पर आरती कार्यक्रम आयोजित करने वाली टीम को विशेष तौर पर बुलाया गया है। गंगा घाट की एक अस्थायी प्रतिकृति बनाई जाएगी, जहां श्रद्धालुओं को भव्य आरती के साथ-साथ हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। हरे कृष्ण महामंत्र का कीर्तन करने के लिए इस्कॉन द्वारका के प्रसिद्ध कीर्तनिया श्रीनिकेत दास अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित होंगे। इस भव्य संध्या आरती और कीर्तन समारोह में आतिशी के साथ अनेक विधायक एवं सांसद भी शामिल होंगे।

निगम स्कूलों में होगा सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों का चयन

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): निगम स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के उदेश्य से दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने एक विशेष पहल की है, जिसके तहत हर माह प्रत्येक जोन से बेस्ट टीचर का चयन किया जाएगा। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी किया गया है, प्रत्येक जोन के डीडीई या एडीई संबंधित जोन में कार्यरत एक सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के नाम की सिफारिश करेंगे। जिसके पास 31 अक्टूबर 2024 तक पांच साल का अनुभव हो इसके अलावा उपस्थिति, नियमितता, छात्रों की उपलब्धियां, प्रशिक्षण, स्कूल के टीम सदस्यों को सहयोग, अनुशासन, अभिभावकों और एसएमसी सदस्यों के साथ समन्वय जैसे मापदंड निर्धारित किये गए हैं। सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों में प्रेरणा, अनुशासन, नवाचार, कड़ी मेहनत, बच्चों के साथ सहानुभूति, अतिरिक्त जिम्मेदारी लेना जैसे गुणों को प्राथमिकता दी जाएगी।

गोयल ने वेबसाइट हैक करने पर दी शिकायत

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने शुक्रवार को नई दिल्ली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है। उनकी आधिकारिक वेबसाइट को गत 14 नवंबर को हैक कर लिया गया था। वेबसाइट को हैक करके उन्हें निशाना बनाने की यह घटना गोयल द्वारा 13 नवंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑनलाइन गेमिंग पर देश व्यापी प्रतिबंध लगाने के आह्वान के ठीक एक दिन बाद हुई है। गोयल ने बताया कि हमले के परिणाम स्वरूप उनकी वेबसाइट का इंटरफेस बदल दिया गया है और दूसरी भाषा में एक ग्राफिक और टेक्स्ट प्रदर्शित किया गया है। समाज में जुआ तेजी से फैल रहा है जिसके कारण लाखों परिवार बर्बाद हो रहे हैं, बच्चे और युवा इसके शिकार बन रहे हैं।

कांग्रेस के पूर्व विधायक वीर सिंह धींगान आप पार्टी में शामिल

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका लगना जारी है। शुक्रवार को पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी से तीन बार के विधायक कांग्रेस के बड़े दलित नेता वीर सिंह धींगान आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन्हें टोपी और पटका पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वीर सिंह धींगान के आने से आम आदमी पार्टी की ओर से दलित समाज के लिए किए जा रहे कार्यों को मजबूती मिलेगी। दिल्ली में आम आदमी पार्टी अपने कामों की वजह से वोट मांगती है। इसी का नतीजा है कि आज दूसरी पार्टियां से अच्छे-अच्छे नेता हमारे साथ जुड़ रहे हैं। दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी के साथ मजबूती से खड़ी है और हम आने वाले चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं।

मेयर चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा को किया सपोर्ट इससे निराशा हुई: धींगान

वीर सिंह धींगान ने कहा कि मैं राजनीति में लंबे समय में हूं और उतना ही मेरा अनुभव भी रहा है। जिस तरह से कांग्रेस और भाजपा में लोगों का शोषण, दिल्ली के जनता की अनदेखी और भ्रष्टाचार बढ़ता रहा, मैं उससे कहीं ना कहीं आहत हुआ हूं। मुझे एक और बात बहुत खराब लगी कि कांग्रेस के लोग बाहर कुछ और कहते हैं और अंदर कुछ और कहते हैं।

आप के पूर्व विधायक हाजी इशराक कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आम आदमी पार्टी के सीलमपुर से पूर्व विधायक हाजी इशराक खान को कांग्रेस का पटका पहनाकर उनको कांग्रेस में शामिल किया। हाजी इशराक खान के साथ इकराम हसन ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर यादव ने कहा कि 2015-20 तक सीलमपुर से विधायक रहे इशराक खान का कांग्रेस की नीतियों में विश्वास व्यक्त करके कांग्रेस का हाथ थामने के बाद पार्टी मजबूत होगी। यहां बता दें कि इस समय दिल्ली प्रदेश कांग्रेस चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है। पिछले कुछ दिनों में ही कांग्रेस की दो सिटिंग पार्षद कांग्रेस छोड़ कर आम आदमी पार्टी में जा चुकी हैं। आज के पूर्व विधायक भी कांग्रेस को छोड़ आप के खेमे में चले गए।

पंजाब केसरी क्लासीफाइड

पोल्ट्री

एनईसीसी दिल्ली क्षेत्र में आज (16.11.2024) के लिए सुझाया गया फार्म-गेट अण्डे का रेट ₹ 600/- रुपये प्रति 100 अण्डे (व्यापार और उद्योग की जानकारी के लिए) है। 1250396

नाम परिवर्तन

I, Mohammad Bilal S/o Taj Mohammad R/o WZ-93A, Vikaspuri, Budhela Gaon, Tilak Nagar, S.O., West Delhi, Delhi -110018 have changed my religion from Muslim to Hindu and also my name to Samrat Gujar for all purposes since 07.11.2004. 1261650

I, Krishna Pal Singh Nagar S/O Babu Ram R/O #4/120, Rakshapuram Phase -4, Meerut, PO: Meerut Cantt. Dist: Meerut Uttar Pradesh -250001, declare that name of mine has been wrongly written as KPS Nagar in my minor Son namely Harshil Nagar aged 17 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is Krishna Pal Singh Nagar. 1261652

I, Sukhbir S/o Bishamber R/o 292, Village Dera, PO-Dera, Delhi-110074, in my PNB Metlife Policy my and my father's name was written as Sukhbir Singh and Bishamber Singh, whereas correct names are Sukhbir and Bishamber. 1261655

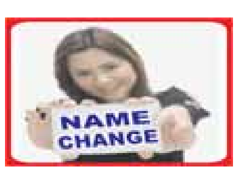

I, Babli Singh W/o Vinod Kumar Singh R/o WZ-59, Ram Garh Colony, Gali no. 8, Basai Darapur, Ramesh Nagar New Delhi-110015 have changed my name to Preeti Singh. 1261645

I, Rohit Anup S/o Anup Francis R/o B-23/5, Block-B, IInd Floor BPTP Elite Floor, Sector-88, Faridabad have changed my name to Rohit Anoop. 1261659

I, Anand Prakash Gupta S/o Kishori Lal Aggarwal R/o 163-164. 3rd Floor, Pkt-8, Sector-22, Rohini, Delhi-110085, have changed my name to Anand Kumar Gupta. 1261656

सार्वजनिक सूचना

सार्वजनिक सूचना

[illegible] Sd/-SUSHIL KUMAR, ADVOCATE, Enrol. No. D/14323/2003 Chamber No. 333, Lawyer's Chamber, Dwarka Court Complex, New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE

My Client SH. SHER SINGH, S/o Late Sh. KALI RAM R/o House No.K- 333, GALI NO-7, Gautam Vihar, Ghonda, North East, Delhi-110053 wants to give a Public Notice that she has broken all her relations and ties with her son namely Mr. ANKIT KUMAR and her daughter in law namely Ms. PAYAL and her grand-daughter namely Baby GARIMA have also debarred Them from all her movable and immovable properties and shall have no concern in future with him. Thanking you

With regards Sd/- (GAURAV PRADHAN) ADVOCATE, En. No. D/10933/2021, Ch. No C-21, Tis Hazari Court Delhi-54

PUBLIC NOTICE

My client Smt. Keshra Devi w/o Late. Kishanlal R/o, C-647, Shaheed Nagar Sahibabad Ghaziabad, Uttar Pradesh has debarred/disowned their Son Veer singh from all their movable-immovable properties and severed all type of relations with her, due to her misconduct.

Sd/-ADEEB KAMAL ADVOCATE, CH.No-36-A CIVIL SIDE, NEAR BAR OFFICE. TIS HAZARI COURT DELHI-110054 ENL. No-D/11631/2022

सार्वजनिक सूचना

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that my client namely Sh.Rakesh Narula S/o Kimti Lal Narula and his wife Smt. Divya Narula Both R/o WZ-[illegible] C, Plot No. 122, Meenakshi Garden, Tilak Nagar, Delhi- 18, have severed all ties with their son Namely Sh. Pranav Narula due to his bad habits and misconducts towards them. My clients have disowned and debarred him from all their movable and immovable properties and any other assets. Anybody dealing Sh. Pranav Narula shall do so at his/her/their own risk, peril and responsibilities, my clients shall not responsible for any act, deed or dealing done by Sh. Pranav Narula.

Sd/-ANIRUDH SHARMA, (Advocate) D/6670/2023, CHAMBER No. 473, WESTERN WING, TIS HAZARI COURT, DELHI

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my clients namely Mohammad Irshad @ Mohd Irshad, S/o Mohd Yunus and Mst. Rubina Naz W/o Mohammad Irshad, both R/o H.No.2444, Ustani Wali including Masjid, Mohalla Niariyan, Ajmeri Gate, Delhi-110006 and other family members had disowned and severed all their worldly relationships several months back with their son namely Mohammad Areeb S/o Mohammad Irshad @ Mohd Irshad and had disinherited him from all of their movable and immovable properties and assets. Anybody dealing with him in any manner shall be dealing at his or her own risk and consequences and my clients and his family members are not accountable or liable in any manner for any acts and deeds of the aforesaid Mohamad Areeb.

Azka Ahmed (Advocate) 4475 Naya Mohalla Pul Bangash, Azad Market Delhi-110006

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती मंजू कपूर, निवासी RZ-53, माडल वेस्ट, एक्सटेंशन पार्ट 3, उत्तम नगर, न्यू दिल्ली-110059, अपने बेटे श्री अमित कपूर उम्र 27 वर्ष व उसकी पत्नी पूजा उम्र 27 को मां के प्रति दुर्व्यवहार व सेवा न करने के कारण दुखी एवं आहत होकर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से तत्कालीन प्रभाव से बेदखल कर अपने सारे सम्बन्ध खत्म करते हैं। आज से उपरोक्त द्वारा किए किसी भी कानूनी व अन्य कार्यकलाप या लेनदेन के लिए मेरे मुवक्किल व उनका परिवार और सगे संबंधी किसी भी रूप में उत्तरदायी नहीं होंगे। -हस्ता./-, संदीप गुप्ता, अधिवक्ता, Enrollment: D-308/06, Mb.: 9999665548

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किल सुनीता गुप्ता पत्नी श्री राधेश्याम गुप्ता निवासी मकान नं. 1/10529, गली नं. 1, शिव मंदिर के पास, मोहन पार्क, नवीन शाहदरा, दिल्ली–110032, ने दिनांक 24.02.1967 को निष्पादित मूल बिक्री विलेख खो गया, जिसे दस्तावेज संख्या 4171 के रूप में विधिवत रूप से एडिशनल में पंजीकृत किया गया था। पुस्तक सं. 1, जिल्द सं. 743, पृष्ठ 37 से 38 पर, दिनांक 13.03.1967 को, उप–पंजीयक द्वितीय, दिल्ली के कार्यालय में, संपत्ति सं. 1/10529, माप–क्षेत्र 100 वर्ग गज, गाँव उल्धनपुर में, शिव मंदिर के पास, गली नंबर 1, मोहन पार्क, नवीन शाहदरा, दिल्ली–110032 की आबादी में स्थित, के संबंध में, खो गया यदि किसी व्यक्ति को वह मिल जाए तो वह नीचे दिए गए हस्ताक्षरकर्ता को वापस कर सकता है, यदि कोई उसका दुरुपयोग करता है, तो वह उसके अपने जोखिम पर होगा, यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में कोई दावा, अधिकार, आपत्ति, हित है, तो वह भी नीचे दिए गए हस्ताक्षरकर्ता को मोबाइल नंबर 8860890809 पर 07 दिनों के भीतर सूचित करेगा। विनोद कुमार शर्मा (एडवोकेट) जी 515, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली, मोबाइल। 9818078500

जाहिर सूचना

जनता और सभी संबंधित अधिकारियों को सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्री पी.एन. तनेजा जिनका निधन 11 जनवरी 2017 को और स्वर्गीय श्रीमती सुरिंदर तनेजा जिनका निधन 25 जुलाई 2020 को हो गया था।
निम्नलिखित सदस्य स्वर्गीय श्री पी. एन. तनेजा और स्वर्गीय श्रीमती सुरिंदर तनेजा के एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी हैं। संपत्ति का पता: ई-176, नारायणा विहार, ब्लॉक ई, नई दिल्ली-110028.
सदस्य:
1. श्री अन्नू तनेजा, पुत्री स्वर्गीय श्री पी.एन. तनेजा, निवासी ई-176, नारायणा विहार ब्लॉक-ई, नई दिल्ली 110028
2. श्रीमती बीनू दत्ता, पुत्री स्वर्गीय श्री पी.एन. तनेजा, निवासी फ्लैट 6, 2nd मंजिल, मंजिल अपार्टमेंट, प्लॉट नंबर 7, द्वारका सेक्टर 9, नई दिल्ली-110075.
यह नोटिस आवश्यक औपचारिकताओं के अनुसार कानूनी दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए प्रकाशित किया जा रहा है।

PUBLIC NOTICE

Subject: Transfer of ownership in respect of residential Property No. 732P, SEC-3, Urban Estate Rewari consequent upon the intestate death of allottee Late Smt. Nirmala Devi.
That Late Smt. Nirmala Devi W/o Sh. Rajbir Singh R/o H No. 732, Sec-3, Rewari, Haryana who was allottee of the subject cited property as per record has died on 03rd Sept 2010 and has/have no registered or un- registered will, leaving behind following legal heirs namely Rajbir Singh (Husband), Kiran (Daughter) and Ravi Kumar Yadav (Son). Ravi Kumar Yadav intends to apply for the transfer of the said property in their favour being the legal heirs and request for re-allotment in their name.
If any person is having any objection against the transfer of ibid plot/house, he/she can submit objections in writing to the Estate Officer, HUDA, Rewari, along with supporting documents within 30 days from the date of publication of this notice, otherwise the Estate Officer may accord permaission to transfer/re-allotment of the said property as per MUDA policy and may not entertain subsequent claim, if any.
Legal Heirs: Ravi Kumar Yadav on behalf of Estate Officer

पाठकों को परामर्श

पाठकों को परामर्श दिया जाता है कि वे विज्ञापनों के सम्बन्ध में कोई कार्रवाई करने से पहले तथ्यों की समुचित जांच स्वयं ही अवश्य कर लें, क्योंकि 'पंजाब केसरी' विज्ञापनदाताओं द्वारा किए गए किसी भी दावे की सच्चाई का न तो कोई आश्वासन देता है और न ही समर्थन करता है। इसलिए पाठकों को स्वयं ही अपने आधार पर सभी तथ्यों की जांच करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के लेन–देन के लिए यह समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं होगा।

कोर्ट नोटिस

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी सदर महोदय, बुलन्दशहर।
वाद संख्या–टी 202311170100763 सन 2023
1. श्रीमति शशी शर्मा पत्नी पवन कुमार शर्मा 2. पवन कुमार शर्मा पुत्र रघुवर दयाल शर्मा निवासीगण ग्राम उटसरा परगना अगौता तहसील व जिला बुलन्दशहर. ...वादीगण बनाम–1. प्रवीण कुमार शर्मा 2. मनोज कुमार शर्मा पुत्रगण कैलाश चन्द शर्मा 3. श्रीकान्त शर्मा पुत्र राम अवतार शर्मा 4. शशिबाला पत्नी रामअवतार शर्मा 5. शिव कुमार पुत्र राजेन्द्र सिंह 6. रघुवर दयाल पुत्र रघुनाथ प्रसाद समस्त निवासीगण ग्राम उटसरा परगना अगौता तहसील व जिला बुलन्दशहर...... प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष 7. लीलाधर पुत्र महेन्द्र सिंह 8. रविन्द्र सिंह 9. मनोज 10. सुभाष पुत्रगण सतवीर समस्त निवासीगण ग्राम उटसरा परगना अगौता तहसील व जिला बुलन्दशहर 11. ग्राम सभा उटसरा द्वारा ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत उटसरा परगना अगौता तहसील व जिला बुलन्दशहर...प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष। एतदद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ हेतू सदर्भित करने के लिए 2024 के 11 के 27 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुशिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। बवक्त मेरे दस्तख्त और मोहन अदालत के आज बतारीख 14 माह 11 सन 2024 को निकाली गयी। न्यायालय उपजिलाधिकारी सदर महोदय, बुलन्दशहर

COURT NOTICE

Varun Chandra Civil Judge-02, Shahdara District Court No. 401, New Building, Karkardooma Delhi.
PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(Order 5, Rule 20 of the Code of Civil Procedure)
Civ Suit No. 583/2024
PUNJAB NATIONAL BANK ......Plaintiff
Vs.
MANOJ KUMAR GULATI ......Defendant
To
MANOJ KUMAR GULATI PROPERIETOR OF M/S DEEPIKA SUPPLY AGENCY OFFICE AT 691/2, KABOOL NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110032
ALSO AT :
R/O 692, KABOOL NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110032
(THE DEFENDANT ABOVE NAMED)
WHEREAS you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on 29.11.2024 the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.
Given under my hand and the seal of the court, this 05TH Day of November, 2024
-Sd./-, Civil Judge-02, Shahdara District Court
Seal 401, New Building, Karkardooma Delhi.

अपने विज्ञापन के लिए चुनिए सही शीर्षक

डिटेक्टिव सर्विस
पासपोर्ट/वीजा
पैकर्स एण्ड मूवर्स
विज्ञापन संबन्धी
कैटरर्स
कूरियर
कंसलटैंसी
विविध सेवाएँ
इंटीरियर डेकोरेशन
पैस्ट कन्ट्रोल
कानूनी
वास्तु
ज्योतिष
ब्यूटी पार्लर
हैल्थ क्लब
चिकित्सा
रेकी
टूर एण्ड ट्रैवल्स
एस.टी.डी./पी.सी.ओ.
रजिस्ट्रेशन/ट्रेडमार्क
रेफ्रीजरेशन
एयरकंडीशनिंग

पत्नी से झगड़े में हस्तक्षेप करने पर पड़ोसी पर रॉड से हमला कर मार डाला

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): आउटर-नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में दंपति के बीच हो रहे झगड़े में एक शख्स को हस्तक्षेप करने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। झगड़े के दौरान महिला के पति ने शख्स के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे वह सीढ़ियों से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल हालात में उसे अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान रण सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान धीरज के रूप में हुई है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार को एक व्यक्ति धीरज अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौज और मारपीट कर रहा था। यह देखकर उनका पड़ोसी रण सिंह इसे नजरअंदाज नहीं कर पाया। इसके बाद उसने मामले में हस्तक्षेप किया और वह धीरज से भिड़ गया। दोनों के बीच हुई झड़प जल्द ही हिंसक हो गई। जिसके बाद धीरज ने

कथित तौर पर लोहे की छड़ से रण सिंह के सिर पर हमला कर दिया। हमले के कारण रण सिंह पहली मंजिल की सीढ़ियों से नीचे गिर गया। इस दौरान उसके सिर में गंभीर चोट आई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंची पुलिस को सीढ़ियों पर खून के धब्बे मिले। उसे लेकर रण सिंह को बीजेआरएम अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उनके बीच किसी को लेकर झगड़ा हो रहा था। रण सिंह ने उसका विरोध किया और उसके साथ हाथापाई करने लगा। हाथापाई के दौरान उसके हाथ में लोहे की रॉड आ गई। उसने उसके सिर पर हमला कर दिया। सिर पर रॉड लगते ही उसके सिर से खून बहने लगा और वह सीढ़ियों से गिरकर घायल हो गए। इसके बाद वह मौके से भाग गया था।

मां के रिलेशनशिप का पता चलने पर मामा के साथ मिलकर प्रेमी की हत्या

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): आउटर-नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट के समयपुर बादली औद्योगिक क्षेत्र थाना इलाके में मां के रिलेशनशिप के बारे में पता चलने पर उसके प्रेमी को महिला के बेटों व भाई ने गला घोंट व पीट-पीटकर मार डाला। हत्या के बाद शव को एक पार्क में फेंक कर फरार हो गए। मृतक की पहचान चंदन झा (33) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस ने इस मामले में हत्या का मामला दर्ज कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे इस बात से नाखुश थे। इसी बात से हताश होकर उन्होंने चंदन की हत्या कर दी। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। डीसीपी निधिन वलसन ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 09.02 बजे एसपी बादली थाने में तैनात बीट ऑफिसर कांस्टेबल महेश इलाके में गश्त कर रहा था। गश्त के दौरान वह बादली बादली औद्योगिक क्षेत्र के गेट नंबर 2 के पास पहुंचे, तभी उन्होंने देखा कि एक पार्क में शव पड़ा हुआ है। उसके शरीर पर चोट के निशान थे और घटनास्थल पर खून फैला हुआ था। पुलिस उसे लेकर अस्पताल गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बाद में सी-263/5, राजा विहार, बादली निवासी चंदन झा के रूप में हुई। हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि चंदन की पत्नी गुजरात में रहती है और उसका रीमा नामक एक के साथ रिलेशन था। रीमा सरोज की पत्नी है। रीमा के बेटों को जैसे ही मां के रिलेशनशिप के बारे में पता चला तो उन्होंने चंदन की हत्या की योजना बनाई। उन्होंने वारदात में अपने साथ अपने मामा को भी जोड़ लिया। मौका मिलते ही आरोपियों ने चंदन की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसके शरीर पर ईंट से ताबड़तोड़ हमला किया। हमले के बाद वह पार्क में फेंक कर फरार हो गए। हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई। पुलिस ने गुप्त सूचना के बाद तीनों आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल लिया। आरोपियों ने बताया कि उन्हें अपनी मां के रिलेशनशिप के बारे में पता चला। इस बात को लेकर वह काफी नाखुश थे।

फर्श बाजार हत्याकांड में पहचान के बाद भी पुलिस की पकड़ से बाहर शूटर

दो हफ्ते से पुलिस लगातार कर रही छापेमारी, पैरोल पर बाहर आया था शूटर सोनू मटका

मनीष राणा

पूर्वी दिल्ली, (पंजाब केसरी): शाहदरा डिस्ट्रिक्ट में दिवाली की रात को हुए दोहरे हत्याकांड को दो हफ्ते से अधिक हो चुके हैं, लेकिन आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। आरोपी की पहचान करने के बाद भी पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि शाहदरा डिस्ट्रिक्ट की कई टीमें आरोपी के कई ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि शूटर सोनू मटका के गुर्गों ने पुलिस को बताया कि मटका केवल एक ही बात कहता है, वह कभी पुलिस के हाथ नहीं आएगा। वह खुद को गोली मारकर मर जाएगा या फिर पुलिस की गोली से मरेगा। डिस्ट्रिक्ट की टीमों के अलावा दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल व क्राइम ब्रांच की टीमें भी आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है, लेकिन उन्हें उसके बारे में कुछ पता नहीं चल पाया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि शूटर सोनू मटका को लोनी में दर्ज हत्या के एक मामले में उम्रकैद

मिली थी। कोविड के चलते उसे पैरोल मिली, इसके बाद वह फरार हो गया। उसने आत्मसमर्पण नहीं किया। जेल से बाहर आने के बाद भी उसने ताबड़तोड़ वारदात की। उस पर लूटपाट, स्नैचिंग व डकैती के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस टीम आरोपी को पकड़ने के लिए अभी तक 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल चुकी है। कई फुटेज में भी आरोपी पुलिस को दिखाई दिया। मगर पुलिस को उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वारदात करने के बाद आरोपी ने सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना बंद कर दिया है। वह किसी भी प्लेटफॉर्म पर एक्टिव नहीं है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि शूटर सोनू मटका के बारे में सटीक जानकारी नहीं मिल रही है। पुलिस की टीमें अब आरोपी के गलती करने का इंतजार कर रही है। उसकी एक गलती करते ही वह सलाखों के पीछे पहुंच जाएगा। वहीं, इस मामले में पुलिस मुख्य आरोपी नाबालिग को पकड़ चुकी है। वह 70 हजार रुपये के लेनदेन के चलते हत्या की बात कह रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि पुलिस को अब यह थ्योरी भी गलत लगने लगी है।

आखिर कहां गया शूटर मटका?

पुलिस सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान कई बातें अभी तक सामने आई है। कुछ मुखबिरों ने बताया कि शूटर सोनू मटका दुबई भाग गया है तो कोई नेपाल भागने की बात कह रहे हैं। वहीं, शूटर सोनू मटका को गैंगस्टर हाशिम बाबा द्वारा छुपाने (अंडरग्राउंड) की बात भी कही जा रही है। हर किसी से अगल जानकारी मिलने से पुलिस कोई ठोस कदम ही नहीं उठा पा रही है।

जेवर एयरपोर्ट पर डीजीसीए ने नहीं दी लैंडिंग की इजाजत

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): जेवर एयरपोर्ट पर विमानों की लैंडिंग को लेकर अभी और इंतजार करना पड़ेगा। डीजीसीए ने विमानों की लैंडिंग की इजाज़त नहीं दिया। यहां निर्माणाधीन एयरपोर्ट विमान की लैंडिंग की टेस्टिंग टल गया है। आज से जेवर एयरपोर्ट पर विमानों की लैंडिंग टेस्टिंग होनी थी। लेकिन डीजीसीए से अभी टेस्टिंग की अनुमति नहीं मिली है। डीजीसीए ने यमुना इंटरनैशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को कहा है कि अभी लैंडिंग की जरूरत नहीं है। 30 नवंबर को लैंडिंग टेस्टिंग के लिए डीजीसीए से परमिशन दिया गया है। बता दें कि जेवर एयरपोर्ट के तरफ से कहा गया था कि आज यानी कि 15 नवंबर से विमानों की लैंडिंग की टेस्टिंग शुरू की जाएगी।जिसमें जेवर एयरपोर्ट पर हर दिन तीन विमानों की लैंडिंग कराई जानी थी। जेवर एयरपोर्ट पर लैंडिंग शुरू होने के बाद हर दिन रनवे की रिपोर्ट तैयार होती। जिसे नागरिक उड्डयन विभाग को भेजा जाता, लेकिन अब डीजीसीए ने जेवर एयरपोर्ट पर लैंडिंग टेस्टिंग पर

फिलहाल रोक लगा दी है। अब 30 नवंबर से पूरे क्रू मेंबर्स के साथ जेवर एयरपोर्ट का ट्रायल फुल मोड में किया जाएगा। जेवर एयरपोर्ट नायल के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा है कि 15 नवंबर से विमानों की लैंडिंग की टेस्टिंग शुरू होने की तैयारी थी। अब डीजीसीए ने 30 नवंबर से ही लैंडिंग कराने के लिए कहा है। इसके चलते आज से विमानों की लैंडिंग की टेस्टिंग नहीं की जाएगी। बता दें कि जेवर एयरपोर्ट का 3900 मीटर लंबा रनवे तैयार है। एयरपोर्ट का एक टर्मिनल बिल्डिंग और एटीसी टावर लगभग तैयार हो गया है। पिछले दिनों से कई विमान रनवे के ऊपर से गुजरे भी हैं। यहां टर्मिनल बिल्डिंग में फिनिशिंग का काम चल रहा है।

आईपीएस मनीष कुमार अग्रवाल को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): भारतीय पुलिस सेवा में 1996

बैच के अधिकारी मनीष कुमार अग्रवाल की सीआरपीएफ से होम कैडर में वापसी हो गई। अभी वह केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर थे। मनीष अग्रवाल दिल्ली पुलिस में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। वह नई दिल्ली जिले में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, उत्तर-पश्चिमी के उपायुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त पद पर रहते हुए रेंज, यातायात और पीएम सुरक्षा में भी तैनात रह चुके हैं। प्रतिनियुक्ति से लौटने के बाद उन्हें दिल्ली पुलिस में महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी मिलने की संभावना जताई जा रही है।

24 साल पहले हुई थी मौत, अब डीडीए को देना होगा मुआवजा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली हाईकोर्ट ने 24 साल पहले डीडीए अपार्टमेंट की बालकनी ढहने से हुई मौत के मामले में मृतक के परिवार को 11 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। हादसा जुलाई 2000 में उस वक्त हुआ था जब 45 साल

का वह शख्स दूसरी मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट की बालकनी में खड़ा हुआ था। जबकि इमारत का निर्माण हादसे से सिर्फ 14 साल पहले ही हुआ था। जस्टिस धर्मेश शर्मा ने अपने फैसले में कहा कि बालकनी के गिरने का एकमात्र कारण डीडीए की लापरवाही थी। क्योंकि पहले तो निर्माण के वक्त उसने गुणवत्ता पर बिल्कुल भी नजर नहीं रखी और फिर आवंटन के बाद फ्लैट के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया। कोर्ट ने डीडीए को मृतक की विधवा और उसके दो बच्चों को जनवरी 2001 से अब तक छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ कुल 11.44 लाख रुपए की राशि का भुगतान करने को कहा। बता दें कि हादसे के वक्त यह परिवार झिलमिल कॉलोनी में डीडीए द्वारा निम्न और मध्यम आय वर्ग के लिए बनाई गई बहुमंजिला इमारत में दूसरी मंजिल पर स्थित अपार्टमेंट में रह रहा था। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि इमारत का निर्माण घटिया गुणवत्ता का था और निर्माण के पांच से छह साल के भीतर ही इसका प्लास्टर उखड़ गया था, जबकि इसे 40-50 साल तक चलना चाहिए था।

6 फ्लैग स्टाफ रोड आवास सौंदर्यीकरण की जांच सीपीडब्ल्यूडी के सीवीओ करेंगे

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा

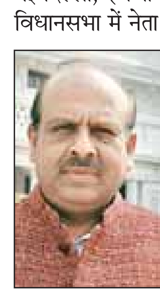

कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास 6, फ्लैग स्टाफ रोड में साज-सज्जा पर खर्च किए गए करोड़ों रुपए पर उनके द्वारा जांच की मांग पर केंद्रीय सतर्कता आयोग ने संज्ञान लेते हुए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) को इस मामले की जांच का आदेश दिया है। इस संदर्भ में नेता विपक्ष ने गत 21 अक्टूबर को सीवीसी में शिकायत दर्ज की थी। नेता विपक्ष ने कहा कि यह तय है कि जांच पूरी होने के बाद जो रिपोर्ट आएगी वह दिल्ली की जनता को धोखा देने वालों को बेनकाब कर देगी। उन्होंने कहा कि आप सरकार के 10 साल के शासन में जनता उनकी कथनी और करनी को ठीक से समझ चुकी है।

पेट्रोल पंप पर बदमाशों ने 16 राउंड की फायरिंग, सुपरवाइजर घायल

पूर्वी दिल्ली, (पंजाब केसरी): नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के गोकलपुरी इलाके में बदमाशों ने पेट्रोल पंप पर 16 राउंड फायरिंग की। फायरिंग के दौरान पेट्रोल पंप का शीशा टूटकर सुपरवाइजर को लग गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार किया गया। खबर लिखे जाने तक घायल का नाम अंशुल राठी बताया जा रहा था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बदमाशों ने फायरिंग की और वह मौके से फरार हो गए। पुलिस अभी इस मामले में कुछ भी नहीं बोल रही है। आशंका जताई जा रही है कि रंगदारी के चलते फायरिंग की गई है। पुलिस वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वारदात को बाइक व स्कूटी सवार बदमाशों ने अंजाम दिया है। घटना शुक्रवार रात करीब 10.30 की है। वारदात के बाद बदमाश हवा में पिस्टल लहराते हुए फरार हो गए।

नवनिर्वाचित मेयर महेश खींची ने केजरीवाल से मुलाकात कर लिया सेवा करने का मंत्र

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के नए मेयर महेश कुमार खींची ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण कर कार्य की जिम्मेदारी संभाल ली है। साथ ही, उन्होंने अपने परिवार के साथ आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात कर दिल्ली की जनता की सेवा करने का मंत्र लिया। इस दौरान विधायक विशेष रवि और पार्षद उर्मिला देवी भी मौजूद रहीं। मेयर महेश कुमार खींची ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि आज मैंने लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूरे परिवार के साथ शिष्टाचार भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया और आभार व्यक्त किया। निगम में पदभार ग्रहण करने के बाद दिल्ली के नए मेयर महेश कुमार खींची ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा दलित विरोधी है इसलिए उन्होने पिछ्ले सात महिनों से उपराज्यपाल के द्वारा निगम का मेयर चुनाव रोका। मेयर ने कहा कि पिछले सात महिनों से जैसे भाजपा ने उपराज्यपाल द्वारा नगर निगम मेयर चुनाव रोका। भाजपा नहीं चाहती थी कि कोई दलित व्यक्ति मेयर बने। कल भी भाजपा ने हमारे पार्षदों को खरीदना चाहा। जहां इनकी सरकार नही बनती वहां ये 'ऑपरेशन लोटस' के तहत खरीद फरोख्त करके सरकार बनाने की कोशिश करती है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जनता भारी से भारी बहुमत से फिर से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को बनाएगी।

नए मेयर के पास नहीं दिखा कोई विजन: भाजपा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि यह हैरान करने वाला है कि अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में नये मेयर महेश खींची ने किसी विजन को

दिखाने के बजाय राजनीतिक बयान देने को चुना। उन्होंने कहा कि दिल्ली अत्यधिक प्रदूषण, स्वच्छता संकट और मलेरिया, चिकनगुनिया और डेंगू के बढ़ते मामलों से गुजर रही है। एमसीडी इन तीनों समस्याओं को हल करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, लेकिन यह चौंकाने वाला है कि नये मेयर ने इन पर एक भी शब्द नहीं बोला, और इसके बजाय आप नेताओं की प्रशंसा करने का मौका चुना।

चुने गए महापौर को पार्षदों का समर्थन नहीं: राजा इकबाल

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह एवं दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने शुक्रवार को एक पत्रकार वार्ता में कहा कि 250 पार्षदों के दिल्ली नगर निगम सदन में वर्तमान में 249 पार्षद हैं। आम आदमी पार्टी के महापौर पद के प्रत्याशी को केवल 118 पार्षदों के वोट मिले जिसका सीधा मतलब है कि अब आप के पास दिल्ली नगर निगम में चुने हुए पार्षदों का बहुमत नहीं है। नेता विपक्ष ने कहा है कि 249 पार्षदों वाले सदन में आप के पास 126 पार्षद होने की प्रशासनिक जानकारी थी। इसके अलावा दिल्ली के सभी 10 सांसद एवं नामांकित 14 विधायकों को मतदान का अधिकार था जिसमें से 16 यानी 3 राज्यसभा सांसद एवं 13 विधायक भी आम आदमी पार्टी के थे। इस प्रकार सदन में मतदान शुरू होने से पहले आप के 126 पार्षद एवं 16 अन्य यानी कुल 142 वोट आप के महापौर प्रत्याशी को मिलना तय माना जा रहा था और अंतिम समय एक कांग्रेस पार्षद

ने भी आप की सदस्यता ले ली तो कुल 143 वोट हो गए। एक आप सांसद वोट देने नहीं आईं तो माना गया कि आप को 142 वोट मिलेंगे। उन्होंने कहा कि सदन में जब मतदान के बाद गिनती हुई तो आप प्रत्याशी को केवल 133 वोट मिले जिसमें से 15 वोट सांसद विधायकों के हैं। इसे ध्यान में रखते हुए साफ है कि आप के सांसदों एवं विधायकों ने तो पार्टी प्रत्याशी को वोट दिया पर 127 पार्षदों में से केवल 118 पार्षदों ने ही आप को वोट दिया। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि एमसीडी के इतिहास में यह पहला मौका है कि एक ऐसा व्यक्ति महापौर चुना गया है जिसे पार्षदों का बहुमत समर्थन प्राप्त नहीं है।

श्रद्धा हत्याकांड का आरोपी आफताब भी लॉरेंस के निशाने पर

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): श्रद्धा वारकर हत्याकांड का आरोपी आफताब पूनावाला भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर है। इस बात का खुलासा उस वक्त हुआ, जब एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपी शिवकुमार गौतम उर्फ शिवा को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बताया कि बिश्नोई गिरोह के सदस्य शुभम लोनकर ने पूनावाला पर हमला करने के बारे में चर्चा की थी। लेकिन कड़ी सुरक्षा को देखते हुए उसने मारने का प्लान ड्रॉप कर दिया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि शिवा ने बताया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य शुभम लोनकर और अन्य वरिष्ठ लोगों ने आफताब को निशाना बनाने के इरादा व्यक्त किए था। यह खुफिया जानकारी अब आगे के लिए दिल्ली पुलिस के साथ शेयर की गई है ताकी उसके मुताबिक सुरक्षा उपाय किए जा सकें। बता दें, आफताब पूनावाला श्रद्धा वाकर का लिव इन पार्टनर था जिसने साल 2022 में उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी थी।

मेले में दिखी मिनी इंडिया की झलक

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 43वें विश्व व्यापार मेले में एक बार फिर परंपरा, क्राफ्ट, कला एवं संस्कृति से सरावोर विकसित भारत @2047 थीम के साथ, 14 नवंबर से 27 नवंबर तक प्रसिद्ध सरस आजीविका मेला 2024 का आयोजन किया जा रहा है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा समर्थित इस सरस आजीविका मेला 2024 में ग्रामीण भारत की शिल्पकलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जा रहा है। सरस आजीविका मेला के दौरान देश भर के 31 राज्यों के हजारों उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री हो रही है। सरस को इस बार लखपति दीदियों पर फोकस किया गया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा यह एक मुहिम की शुरुआत की गई है जिससे कि हमारे देश के हस्तशिल्पियों और हस्तकारों को अपनी रोजगार शुरू करने का मौका मिल सके। ताकि केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया आत्मनिर्भर भारत का संकल्प व 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को बढ़ावा मिल सके।

झारखंड राज्य दिवस में दिखी संस्कृति की झलक

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में शुक्रवार को झारखंड दिवस मनाया गया। झारखंड पवेलियन में राज्य दिवस का आयोजन किया, जिसमें राज्य की लोक संस्कृति को प्रदर्शित किया गया। झारखण्ड के राज्य दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि सचिव उद्योग विभाग झारखंड सरकार जितेंद्र कुमार सिंह, सचिव सूचना एवं प्रौद्योगिकी विप्रा भाल, अपर सचिव उद्योग विभाग मन मोहन प्रसाद, निदेशक उद्योग विभाग सुशांत गौरव, प्रबंध निदेशक जियाडा प्रेरणा दीक्षित, संयुक्त निदेशक प्रणव कुमार पॉल एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा की स्तुति से किया गया। इस अवसर पर जितेंद्र कुमार सिंह ने पवेलियन में लगे स्टालों में उनके हुनर एवं कार्य प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि झारखण्ड प्रकृति के गर्भ में बसा और अपनी आदिवासी संस्कृति के लिए पहचाना जाने वाला प्रदेश है। यहां का सामाजिक परिवेश रहन-सहन, लोक संस्कृति अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि ट्रेड फेयर राज्य में होने वाले विकास को प्रदर्शित करने का अच्छा मंच है। झारखण्ड राज्य भी इसमें अपने विकास को प्रदर्शित कर रहा है।

अवकाश के दिन ट्रेड फेयर में बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : प्रगति मैदान में एक पखवाड़े तक चलने वाले ट्रेड फेयर का दूसरा दिन शुक्रवार को गुलजार रहा। अवकाश का दिन होने की वजह से फेयर में कुछ ज्यादा ही गहमागहमी देखने को मिला। वैसे इस समय सिर्फ व्यापारियों के लिए फेयर के दरवाजे खुले हुए हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोग पांच सौ रुपये का टिकट खरीद कर मेला देखने पहुंचे। कुछ युवाओं ने बताया कि बिजनेस डे में अच्छे तरीके से फेयर घुमने को मिलता है। सामान्य दिनों में भीड़ ज्यादा होने की वजह से खरीदारी नहीं कर पाते हैं। मेला आयोजक आईटीपीओ की ओर से वीकेंड पर आने वाली भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गए हैं। आज दिल्ली पवेलियन में जबरदस्त भीड़ देखने को मिला। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए यहां बिक रहे विशेष फूलों से तैयार मधु और कहवा के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिला। असल मधु के डायरेक्टर इमरान खान के बताया कि इस समय जिस दिल्ली के लोग गंभीर वायु प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। ऐसे में तुलसी मधु बहुत फायदा पहुंचाता है। यही वजह है कि यहां पर सबसे ज्यादा तुलसी मधु, सहजन मधु और सफेद मधु की डिमांड है। उन्होंने बताया कि सफेद मधु चार सालों के अंतराल के बाद मिल पाया है। क्योंकि यह कश्मीर के सबसे ऊंचाई वाले इलाके में उगने वाले फूल से तैयार होता है। जब बहुत ज्यादा बर्फ पड़ती है तो यह फूल नहीं उगते हैं। यह मधु रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है।

प्रकाश पर्व के अवसर पर जगमगाता बंगला साहिब गुरुद्वारा...

गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव पर दिल्ली के गुरुद्वारों में काफी रौनक रही। बंगला साहिब गुरुद्वारा भी लाइटिंग से जगमग दिखाई दिया। वहीं भारी संख्या में लोग गुरुद्वारा पहुंचे और मथा भी टेका। फोटो: नीरज

दिल्ली की हलचल...

'स्वच्छ पर्यावरण मौलिक अधिकार'

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा है कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार जीवन के अधिकार के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार है। न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने बातें अवरबैजान के बाकू में आयोजित जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के 29वें सम्मेलन (सीओपी-29) में अपने संबोधन के दौरान कही। इस कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय स्थिरता से संबंधित वैश्विक चुनौतियों से निपटने और इस समस्या का समाधान करने के लिए दुनिया भर की जानी मानी हस्तियां शामिल हो रही हैं। सीओपी-29 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए, एनजीटी अध्यक्ष ने पर्यावरण कानूनों को बनाए रखने में न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि सरकारों और उद्योगों को उनके पर्यावरणीय दायित्वों के लिए जवाबदेह ठहराने, अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के अनुपालन को सुनिश्चित करने और स्थिरता की संस्कृति को बढ़ावा देने में न्यायिक तंत्र की भूमिका बेहत महत्वपूर्ण है। इस दौरान उन्होंने जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए राष्ट्रीय न्यायालयों और अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढांचों के बीच सहयोग बढ़ाने का आह्वान भी किया।

मातृ शक्ति हमारे देश का गौरव: प्रो. वरखेड़ी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : देश भर की संस्कृत विदुषियों के त्रि- दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन का उदघाटन आज दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज के सभागार में हुआ। इस विदुषी सम्मेलन की मुख्यातिथि संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्षा डॉ. संध्या पुरेचा थीं। सम्मेलन के संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी के कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेड़ी ने अपने उदघाटन भाषण में कहा कि मातृ शक्ति हमारे देश का गौरव हैं। पुरूषों को यह तथ्य स्वीकार करना होगा। संस्कृत की विदुषियों के प्रति सम्मान की भावना ही हमारे समाज व राष्ट्र के जन जागरण में महत्वपूर्ण निभा सकती है। हमारे देश की मातृ शक्ति में नेतृत्व करने की क्षमता है। उनका भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा,"" संस्कृत, संस्कृति और सभ्यता का अटूट संबंध है।संस्कृत के सहयोग से ही बच्चों में संस्कार आते हैं। संस्कारों से ही अच्छी सभ्यता का विकास होता है। नाट्यवृक्ष संस्था की अध्यक्षा व विख्यात भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मश्री गीता चन्द्रन ने कहा कि संस्कृत भाषा में जो बात है वह किसी में नहीं है। संगीत व नाटक अकादमी की अध्यक्षा डॉ. संध्या पुरेचा ने कहा कि संस्कृत सिर्फ भाषा नहीं है, ये तो एक जीवन शैली है। जो हमें संस्कार सिखाती है।

'अनधिकृत कॉलोनियां नियमित नहीं तो वोट नहीं'

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) :केंद्र सरकार के अनाधीकृत कॉलोनीयों को नियमित करने के वादे के बावजूद भी दक्षिणी दिल्ली के 69 अनाधीकृत कॉलोनीयों को नियमित न करने को लेकर अब स्थानीय लोगों में भारी जनाक्रोश है। लोग इतने नाराज हैं कि उन्होंने सरकार को स्पष्ट चेतावनी दे दिया है कि जब तक इन कालोनियों को नियमित नहीं किया जाएगा वह आगामी विधानसभा चुनाव में वोट नहीं करेंगे। 69 कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव अनिल मेहता ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने 100 दिनों के अंदर इन कॉलोनियों को नियमित करने का वादा किया था, लेकिन यह केवल वादे तक ही सीमित रह गया। संगठन के प्रेसीडेंट रमन अग्रवाल ने कहा कि वादा पूरा नहीं होने पर लोगों में इस कदर नाराजगी है कि इसका नुकसान भाजपा को सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कॉलोनियों में लाखों लोग रहते हैं। मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार यहां रहने वाले लोगों के साथ सौतेला व्यवहार न करे। हम सरकार से बार बार आग्रह कर रहे हैं कि जनहित को देखते हुए कॉलोनियों को यथाशीघ्र नियमित करें।

यमुना को बचाने के लिए 'यमुना बचाओ यात्रा'

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : गंदी यमुना को किस तरह से साफ किया जा सकता है और इसके लिए लोगों को जागरूक करने के लिए दिल्ली के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में 40 दिनों तक ''यमुना बचाओ यात्रा'''' निकाली जाएगी। यह यात्रा 17 नवम्बर से 26 दिसम्बर तक चलेगा। इस बात की जानकारी श्री प्रीतम धाम दशमेश धाम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक पीठाधीर बाबा हरिदास ने यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेम में कही। बाबा हरिदास ने बताया कि इस यात्रा में उनके साथ साधु-संत, महात्मा व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि उद्योगपति लोगों द्वारा फैक्ट्रियों व कल-कारखानों के माध्यम से कैमिकल युक्त पानी नालों में बहाकर यमुना नदी को प्रदूषित किया जा रहा है। इसके लिए केंद्र सरकार का राज्य सरकारों ने किसी एक विभाग की जिम्मेदारी तय नहीं की। जिससे यमुना सफाई के कार्य को एक विभाग दूसरे विभाग पर टाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सीवेज/वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने के कार्य योजना को भी अत्यंत लापरवाही से किया जा रहा है। इस अवसर पर डॉ. आर.पी. सिंह और कथावाचक आचार्य गौरव दुबे आदि मौजूद थे।

गुरु नानक देव ने बराबरी का रास्ता सिखाया: आतिशी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने गुरुवार को रकाबगंज साहिब गुरुद्वारा में मत्था टेक दिल्ली वासियों की खुशहाली के लिए आशीर्वाद लिया। सीएम आतिशी ने गुरु ग्रंथ साहिब को रुमाला साहिब भी भेंट किया और संगत के साथ कीर्तन में शामिल हुई। सीएम ने गुरुपर्व के पावन मौके की बधाइयां देते हुए कहा कि गुरु नानक देव सैकड़ों साल पहले इस धरती पर आए लेकिन तब उन्होंने प्रेम, भाईचारा और बराबरी का जो संदेश दिया वो आज के दौर में और भी ज़्यादा जरुरी है। सीएम आतिशी ने कहा कि गुरु नानक देव ने हम सभी को बराबरी का रास्ता सिखाया। उन्होंने सिखाया की कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, सभी इंसान बराबर है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में हम सभी गुरु नानक देव के दिखाए रास्ते पर चले तो भारत को आगे बढ़ने से और दुनिया का नंबर- 1 देश बनने से कोई नहीं रोक सकता है। सीएम आतिशी ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा किया कि, धन धन गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के मौके पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में जाकर गुरु साहिब से दिल्लीवालों की खुशहाली के लिए आशीर्वाद लिया।

हम गुरु नानक के बताए रास्ते पर चल रहे हैं: केजरीवाल

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : गुरु नानक देव के 555वें प्रकाश पर्व पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नई दिल्ली स्थित गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में मत्था टेका और सभी देशवासियों समेत पूरी दुनिया के लोगों को गुरुनानक जयंती की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हम गुरुनानक के बताए रास्ते पर चल रहे हैं। इस दौरान विधायक जरनैल सिंह भी मौजूद रहे। केजरीवाल ने कहा कि गुरुनानक ने जो भी संदेश दिया है उसी संदेश के हिसाब से हमें अपने जीवन को ढालना है। गुरु ग्रंथ में जो भी रास्ता बताया गया है, जो भी संदेश दिया गया है उसी के हिसाब से हमें अपना जीवन पालन करना है। सब लोग गुरुनानक के बताए हुए रास्ते पर चलें। गुरुजी महाराज सबकी मनोकामना पूरी करें।सबके दुख दूर करें और सबको बरकत दें। सबको स्वस्थ और खुश रखें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सिखों के प्रति संवेदनशील

गुरु नानक देव की शिक्षाएं सभी को करती हैं प्रेरित: सचदेवा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): गुरु नानक देव के 555वें प्रकाश उत्सव पर शुक्रवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, भाजपा संसदीय बोर्ड सदस्य सरदार इकबाल सिंह लालपुरा एवं भारत सरकार में राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार में निकाली गई नगर कीर्तन शोभा यात्रा में सम्मिलित होकर सिख साहिबान का अभिनंदन किया। इस अवसर पर मयूर विहार भाजपा जिलाध्यक्ष विजेन्द्र धामा भी उपस्थित रहे।

वीरेन्द्र सचदेवा ने शोभा यात्रा में निकाले गये 'निशान साहब' के समक्ष माथा टेका और पंज प्यारों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और मयूर विहार स्थित अपने निवास स्थान के बाहर राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा के साथ सामूहिक लंगर का वितरण किया। इस मौके पर सचदेवा एवं मल्होत्रा ने दिल्लीवासियों को कार्तिक पूर्णिमा एवं गुरु नानक देव के प्रकाश उत्सव की बधाई भी दी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के सिख समाज के लिए अभी तक लिए गए फैसलों पर सिख समाज के हर शख्स को नाज है। उन्होंने कहा कि सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानकदेव की जयंती पर उनकी शिक्षाएं सभी को करुणा, दया और विनम्रता की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि जो सिख समाज देश की अखंडता को समर्पित है, अपनी विरासत एवं आदर्शों से प्रेरणा लेता है, वह कभी गुलाम नहीं हो सकता।

गुरु साहिब ने अपनी शिक्षाओं से समाज से अज्ञानता का अंधकार किया दूर: हरमीत

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने शुक्रवार को पहली पातशाही श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर लोक सभा स्पीकर ओम बिरला ने भी रकाबगंज गुरुद्वारे पहुंचकर मत्था टेका। वहीं दिल्ली कमेटी के प्रबंध अंतर्गत विभिन्न गुरुद्वारा साहिबानों में गुरमति समागम आयोजित किए गए, जहां अमृत वेले से ही संगतों ने बड़ी संख्या में नतमस्तक होकर गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्य कार्यक्रम भाई लक्खी शाह वंजारा हॉल, गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर में हुआ, जहां रागी सिंहों ने गुरु की इलाही कीर्तन के रसभरे सुरों से संगतों को निहाल किया। दिल्ली कमेटी के प्रधान हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी जगदीप सिंह काहलो ने कहा कि गुरु नानक देव ने अपनी शिक्षाओं से समाज से अज्ञानता का अंधकार दूर किया।

सदर बाजार फेडरेशन ने लगाया लंगर

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी उपलक्ष्य पर सदर बाजार के व्यापारियों ने कुतुब रोड चौक पर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष राकेश यादव, वाइस चेयरमैन पवन खंडेलवाल, महासचिव सतपाल सिंह मांगा, कार्यवाहक अध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह, उपाध्याय राजकुमार गुप्ता, विष्णु, बरी मार्केट ट्रेडर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र आर्य, कुलदीप सिंह, रमेश सचदेवा, सुनील पुरी सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे। पम्मा ने बताया कि हर वर्ष सदर बाजार में बड़ी धूमधाम से गुरु पुरब मनाया जाता है, जिसमें सभी धर्म के लोग शामिल होते हैं। इस अवसर पर आए हुए सभी व्यापारियों ने अपील की के गुरु नानक देव जी के बताए हुए मार्ग पर चले जिसमें आपसी भाईचारा बना रहे और फेडरेशन की ओर से सभी व्यापारियों का स्वागत भी किया गया।

गुरुद्वारा रकाबगंज पहुंची बांसुरी स्वराज

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज ने गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु नानक देव का मूल मंत्र- 'नाम जपो, किरत करो, वंड छको' समाज को समानता के पथ पर अग्रसर करने का है। इसे आत्मसात कर सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ विकसित भारत की नींव रखनी है। उन्होंने इस अवसर पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में मत्था टेका एवं विनम्रतापूर्वक जूतेघर सेवा में भाग लिया और राम लड्डू का लंगर आयोजित किया। उन्होंने सेवा को गुरु नानक देव के संदेश का सजीव उदाहरण बताते हुए प्रार्थना की कि गुरु नानक देव की कृपा से समाज में समृद्धि और सद्भाव बना रहे।

कई इलाकों में निकाला भव्य नगर कीर्तन

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): सिखों के पहले गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व पूरे जोश और उत्साह के साथ शुक्रवार को मनाया गया। राजौरी गार्डन, झिलमिल कॉलोनी साहित कई इलाकों में लंबी शोभायात्रा निकाली गई। नगर कीर्तन का आयोजन भी किया गया, जिसमें पुरुष, महिलाओं और स्कूली बच्चों ने काफी संख्या में हिस्सा लिया।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के सदस्य व दशमेश एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन बलबीर सिंह ने बताया कि झिलमिल सिंह सभा गुरुद्वारा से नगर कीर्तन कई दशकों से निकाला जा रहा है। इसमें दशमेश स्कूल के बच्चे काफी संख्या में बैंड व कीर्तन करते हुए जाते हैं। यह शोभा यात्रा झिलमिल कॉलोनी, विवेक विहार, कस्तूरबा नगर साहित कई इलाकों के अलग-अलग हिस्सों से गुजरते हुए शाम तक फिर इस गुरुद्वारे में पहुंची। पंज प्यारों की अगुवाई में नगर-कीर्तन निकाला गया। फूलों से सजी पालकी में गुरु ग्रंथ साहिब का पावन स्वरूप विराजमान किया गया। नगर कीर्तन के साथ चल रहे स्थानीय रागी जत्थों ने 'ऊंचा दर बाबे नानक दा मैं सोभा सुण के आया', 'सतगुरु नानक प्रगटया मिटी धुंध जग चानण होया', 'बाबा मझियां चराउंदा दिसदा है, पाणी खेतां नू लाउंदा दिसदा है' आदि शबदों से इलाका भक्तिमय बना दिया। नगर कीर्तन में घुड़सवारी थी। मौके पर मनजीत सिंह कोहली, कुलविंदर सिंह, अमरजीत सिंह, गुरजीत सिंह सहित अमृतपाल आदि मौजूद रहे। भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत भी मौजूद रहीं। उन्होंने पालकी साहब का आशीर्वाद लिया।

मुंडका में फायरिंग, पुलिस को दो कारतूस के खोल मिले

शिकायतकर्ता नशे में होने की वजह से नहीं दे पाया सही बयान

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी) : आउटर डिस्ट्रिक्ट के मुंडका इलाके में फायरिंग करने का मामला सामने आया है। गनीमत यह रही कि गोली किसी को लगी नहीं। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंची पुलिस को दो कारतूस के खोखे मिले। पुलिस ने दोनों को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह नशे की हालत में था और कुछ भी ठीक से नहीं बता पा रहा था। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर मामले की छानबीन कर रही है। डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि गुरुवार देर रात मुंडका थाने में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोलीबारी के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंची पुलिस को शिकायतकर्ता मिला। फायरिंग में किसी के घायल होने की बात सामने नहीं आई। पुलिस को मौके पर दो खाली खोखे मिले। उधर, मामले की सूचना मिलने के बाद मौके पर क्राइम व एफएसएल की टीम भी आ गई। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। (1) **निविदा सूचना क्रमांक:** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी.-199-2024, दिनांक: 13/11/2024 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** मंडल अभियंता (दक्षिण) जबलपुर के अधीन रेलवे बोर्ड द्वारा नए दिशानिर्देशों के अनुसार स्टेशन पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का प्रावधान/सुधार कार्य (एफओबी के अलावा)। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** ₹3,39,72,058/- **बयाना राशि:** ₹ 3,19,900/- **समापन अवधि:** 15 माह (2) **निविदा सूचना क्रमांक:** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी.-200-2024, दिनांक: 13/11/2024 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** मंडल अभियंता (मध्य) जबलपुर के अधीन रेलवे बोर्ड द्वारा नए दिशानिर्देशों के अनुसार स्टेशन पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का प्रावधान/सुधार कार्य (एफओबी के अलावा)। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** ₹3,93,99,020/- **बयाना राशि:** ₹ 3,47,000/- **समापन अवधि:** 12 माह (3) **निविदा सूचना क्रमांक:** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी.-201-2024, दिनांक: 13/11/2024 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** मंडल अभियंता (उत्तर) जबलपुर के अधीन रेलवे बोर्ड द्वारा नए दिशानिर्देशों के अनुसार स्टेशन पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का प्रावधान/सुधार कार्य (एफओबी के अलावा)। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** ₹3,95,53,844/- **बयाना राशि:** ₹ 3,47,500/- **समापन अवधि:** 12 माह (4) **निविदा सूचना क्रमांक:** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी.-202-2024, दिनांक: 13/11/2024 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** मंडल अभियंता (पूर्व) जबलपुर के अधीन रेलवे बोर्ड द्वारा नए दिशानिर्देशों के अनुसार स्टेशन पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का प्रावधान/सुधार कार्य (एफओबी के अलावा)। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** ₹4,90,95,825/- **बयाना राशि:** ₹ 3,95,500/- **समापन अवधि:** 12 माह **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि का समय 15.00 बजे तक:** टेंडर नं. 1, 2, 3 व 4 के लिए तिथि- 06.12.2024 **निविदा खुलने की अंतिम तिथि का समय 15:15 बजे:** टेंडर नं. 1, 2, 3 व 4 के लिए तिथि- 06.12.2024. उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), प.म.रे., जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

उत्तर मध्य रेलवे

Letter No.: DRM/C/AGRA/NFR/E-AUCTION दिनांक: 12.11.2024

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मण्डल वाणिज्य प्रबंधक-आगरा द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी की गयी है, विवरण निम्न प्रकार है:-

श्रेणी	केटलॉग संख्या	एसेट्स डिटेल्स
पब्लिसिटी	ADVT-AGRA-24-07	गाडी सं. 12195/96 के बाहरी सतह (खिड़की के नीचे) पर वाणिज्य विज्ञापन प्रचार का ठेका।
ई-नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय : दिनांक:- 27.11.2024 समय:- 11:00		
ई-नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय : दिनांक:- 27.11.2024 समय:- 11:30		

नोट: उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाईन वेबसाइट www.ireps.gov.in के E-Auction Module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है। कृपया आपसे अनुरोध है कि ई-निलामी नोटिस को राष्ट्रीय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित कराने का कष्ट करें। 1981/24 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

ऊर्जा आर्थिक वृद्धि एवं विकास की रीढ़

● भारत में हर दिन 6.7 करोड़ लोग पेट्रोल पंप पर जाते हैं

ग्रेटर नोएडा, (पंजाब केसरी) : पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि आज ऊर्जा आर्थिक वृद्धि एवं विकास की रीढ़ बन गई है और आर्थिक प्रगति को गति देने में ऊर्जा क्षेत्र का महत्व बहुत बढ़ गया है।

श्री पुरी ने यहां भारत के प्रमुख दक्षिण एशियाई भूविज्ञान सम्मेलन एवं प्रदर्शनी जीईओ इंडिया 2024 के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि भारत जैसे देश में जहाँ ऊर्जा की मांग इसकी बढ़ती अर्थव्यवस्था के अनुरूप तेजी से बढ़ रही है।

एसोसिएशन ऑफ पेट्रोलियम जियोलॉजिस्ट्स, इंडिया द्वारा आयोजित जीईओ इंडिया 2024, सम्मेलन और प्रदर्शनी का छठा संस्करण है, जिसका विषय ''ऊर्जा गतिशीलता के नए आयामों की खोज'' है। श्री पुरी ने कहा कि भारत में हर दिन 6.7 करोड़ लोग पेट्रोल पंप पर जाते हैं। इस बढ़ती मांग से अगले दो दशकों में ऊर्जा की खपत में वैश्विक वृद्धि का 25 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता के त्रिविध संतुलन को न केवल प्राथमिकता है, बल्कि एक प्रतिबद्धता है जिसे हम अन्वेषण, उत्पादन और ऊर्जा सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करके पूरा कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि भारत का ऊर्जा परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है, देश के तलछटी बेसिनों में 65.18 करोड़ टन पुनर्प्राप्त करने योग्य कच्चे तेल के भंडार और 1,138.6 अरब क्यूबिक मीटर पुनर्प्राप्त करने योग्य प्राकृतिक गैस के भंडार हैं। इन प्रचुर संसाधनों के बावजूद, भारत की अन्वेषण क्षमता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अप्रयुक्त है। श्री पुरी ने बताया कि जब वर्तमान सरकार ने 2014 में पदभार संभाला था, तब भारत के केवल 6 प्रतिशत तलछटी बेसिनों का अन्वेषण किया गया था।

आज, यह आंकड़ बढ़कर 10 प्रतिशत हो गया है, और ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी राउंड के तहत आगे की अन्वेषण गतिविधि के साथ, यह 2025 तक बढ़कर 16 प्रतिशत हो जाएगा। 2030 तक, सरकार का लक्ष्य देश के अन्वेषण क्षेत्र को 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक विस्तारित करना है।

केंद्र ने दिए उपभोक्ता मंचों में 663 रिक्त पद भरने के निर्देश

नई दिल्ली, (भाषा): केंद्र सरकार ने शुक्रवार को राज्यों को राज्य और जिला उपभोक्ता आयोगों में 663 रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। केंद्र ने बढ़ती रिक्तियों पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे उपभोक्ता अधिकार संरक्षण के कमजोर होने का खतरा पैदा होता है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की।

उन्होंने पिछले वर्षों की तुलना में उपभोक्ता आयोगों में बढ़ती रिक्तियों के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2024 तक राज्य आयोगों में अध्यक्ष के 18 पद और सदस्यों के 56 पद रिक्त हैं। जिला स्तर पर देश भर में अध्यक्ष के 162 पद और सदस्यों के 427 पद रिक्त हैं।

अर्थजगत

बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, (एनएनएस): विदेशी बाजारों में तेजी आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 116 रिंगिट उबलकर 5119 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.12 सेंट की तेजी के साथ 45.56 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। खाद्य तेल : सरसों तेल 17215 रुपये, मूंगफली तेल 19047 रुपये, सूरजमुखी तेल 14358 रुपये, सोया रिफाइंड 15018 रुपये, पाम ऑयल 12820 रुपये और वनस्पति तेल 15677 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। दाल-दलहन : चना 7400-7500, दाल चना 8400-8500, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9400-9500, उड़द दाल 10600-10700, अरहर दाल 10400-10500 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2700-2800 रुपये और चावल : 2900-3000 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस औरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। चीनी-गुड़ : चीनी एस 4280-4380, चीनी एम। 4280-4380, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4800-4900 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

कल क्या होगा?

रविवार मार्गशीर्ष बदी द्वितीया को गेहूं, ग्वार व ग्वार गम, ज्वार, ढैया, काबुली चना, देशी चना, राजमा चित्रा, मसूर, उड़द, तुवर, सरसों, सोया, बिनौला व इसके तेल, पाम तेल, चीनी, लौंग, बादाम, इमली, आंवला, चिरौंजी, अजवायन, गोला, छोटी-बड़ी इलायची, अरंडी, कॉपर पीतल के भावों में लाभ तथा मोटे चावल, मक्की, बाजरा, नीम तेल, मूंग, दूध पाउडर, देशी घी, जीरा, पिस्ता, मेथी, लालमिर्च, अमचूर, महुआ फूल, कलौंजी, किशमिश, शक्कर, सोना-चांदी, टिन, निकिल में हानि हो सकती है। भाग्यांक 3-6-8-9 है। यात्रा विचार- पूरब दिशा की ओर 12.14 बजे अपराहन के बाद यात्रा शुभ होगी।

बीटेक छात्र 14वीं मंजिल से कूदा, मौत

नोएडा, (पंजाब केसरी) : सेक्टर-76 स्थित आदित्य सेलिब्रिटी होम्स सोसाइटी की 14वीं मंजिल से कूदकर 20 साल के युवक ने जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में मृतक युवक के परिजनों ने अभी तक सेक्टर-113 थाने में शिकायत नहीं दी है।

एसीपी ट्विंकल जैन ने बताया कि 20 साल की कुशाग्र गुप्ता दिल्ली के प्रीति विहार के बी ब्लॉक में परिवार के साथ रहता था। वह नोएडा के एक कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार दोपहर तीन बजे के करीब वह अपने दोस्त राघव वाधवा से मिलने आदित्य सेलिब्रिटी होम्स सोसाइटी आया था। दोनों दोस्त बिल्डिंग की छत पर खड़े होकर बात कर रहे थे, उसी दौरान कुशाग्र गुप्ता नीचे कूद गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिजनों ने घटना की जानकारी पीआरवी पर दी।

भारत इस वर्ष 7.2 प्रतिशत की वृद्धि हासिल करेगा : मूडीज

● भारतीय अर्थव्यवस्था ठोस वृद्धि और नरम मुद्रास्फीति के साथ आगे बढ़ रही है

नई दिल्ली, (भाषा): भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है और इसके कैलेंडर वर्ष 2024 में 7.2 प्रतिशत और इसके अगले साल 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। मूडीज रेटिंग्स ने यह बात कही है। मूडीज ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ठोस वृद्धि और नरम मुद्रास्फीति के साथ आगे बढ़ रही है।

रेटिंग एजेंसी ने साथ ही जोड़ा कि मुद्रास्फीति के जोखिमों को देखते हुए संभव है कि भारतीय रिजर्व बैंक इस साल तुलनात्मक रूप से सख्त मौद्रिक नीति को बरकरार रखे। ऐसे में निकट भविष्य में ब्याज दरों में कमी की गुंजाइश कम ही होगी।

मूडीज ने कहा कि निकट अवधि में तेजी के बावजूद खुदरा मुद्रास्फीति आने वाले महीनों में रिजर्व बैंक के तय दायरे में होनी चाहिए, क्योंकि अधिक बुवाई और पर्याप्त खाद्यान्न भंडार के कारण खाद्य कीमतों में कमी आएगी। सब्जियों की कीमतों में तेज उछाल के कारण खुदरा मुद्रास्फीति 14 महीने के उच्चतम स्तर 6.21 पर पहुंच गई है, जो रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर के ऊपरी छोर से अधिक है। रेटिंग एजेंसी ने अपने 'वैश्विक वृहद परिदृश्य 2025-26' में कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था ने महामारी के दौरान आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद ऊर्जा और खाद्य संकट, उच्च मुद्रास्फीति और इसके चलते सख्त मौद्रिक नीति से उबरने में उल्लेखनीय जुझारू क्षमता दिखाई है। अधिकांश जी-20 अर्थव्यवस्थाएं स्थिर वृद्धि दर्ज करेंगी और नीतिगत मोर्चे पर नरमी तथा अनुकूल जिंस कीमतों से उन्हें समर्थन मिलेगा।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि अमेरिकी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों में चुनाव के बाद के बदलाव के चलते वैश्विक आर्थिक चुनौतियां बढ़ सकती हैं। मूडीज ने भारत के बारे में कहा कि घरेलू खपत में सुधार, मजबूत निवेश और मजबूत विनिर्माण गतिविधियों के कारण 2024 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

एसडीएम को थप्पड़ मारने वाला निर्दलीय प्रत्याशी हिरासत में

जयपुर, (भाषा): राजस्थान के टोंक जिले में देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी को एक नाटकीय घटनाक्रम और हिंसा के बाद गिरफ्तार किए जाने के एक दिन पश्चात शुक्रवार को यहां हालात स्थिर और नियंत्रण में हैं और मीणा को अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

एक मतदान केंद्र के बाहर 13 नवंबर को चुनाव ड्यूटी पर तैनात मालपुरा के उप-खंड मजिस्ट्रेट (एसडीएम) अमित चौधरी को थप्पड़ मारने वाले कांग्रेस के बागी नेता मीणा को नाटकीय घटनाक्रम और हिंसा के बाद बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। हिंसा के दौरान भीड़ ने एक संवाददाता और कैमरामैन पर हमला कर उनका कैमरा जला दिया। पुलिस ने कानून और व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्हें टोंक जिले के निवाई में ऑनलाइन माध्यम से एक अदालत में पेश किया। संभावना थी कि मीणा को अदालत में प्रत्यक्ष रूप से पेश किया जाएगा।

'लॉटरी किंग' सैंटियागो मार्टिन के कार्यालय से 8.8 करोड़ रुपये जब्त

चेन्नई, (पंजाब केसरी): प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चेन्नई में रहने वाले 'लॉटरी किंग' सैंटियागो मार्टिन के कॉरपोरेट कार्यालय से शुक्रवार को 8.8 करोड़ रुपये जब्त किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मार्टिन राजनीतिक दलों को सबसे ज्यादा चंदा देने वालों में से एक था। उसने अब रद्द की जा चुकी चुनावी बॉण्ड योजना के तहत 1,300 करोड़ रुपये से अधिक का चंदा दिया था।

अधिकारियों ने कहा कि 'लॉटरी किंग' के खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले की जांच के तहत कई राज्यों में छापे मारे गए। यह कार्रवाई मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में ईडी को मार्टिन के खिलाफ विस्तृत जांच की अनुमति देने के बाद हुई है। इससे पहले तमिलनाडु पुलिस ने मार्टिन व कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मामले को बंद करने का फैसला लिया था और निचली अदालत ने पुलिस की इस याचिका को स्वीकार कर लिया था। अधिकारियों ने कहा कि मार्टिन, उसके दामाद आधव अर्जुन और सहयोगियों से जुड़े तमिलनाडु के चेन्नई व कोयंबटूर, हरियाणा के फरीदाबाद, पंजाब के लुधियाना और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में कम से कम 20 परिसरों की व्यापक कार्रवाई के तहत तलाशी ली जा रही है।

किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू

● देश में दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करने वाला हिमाचल प्रदेश पहला राज्य बना

शिमला, (विक्रांत सूद): शिमला जिला के दत्तनगर में 50 हजार लीटर क्षमता वाले दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र के शुभारंभ अवसर पर दूध का उत्पादन करने वाले किसानों ने राज्य सरकार की प्रशंसा की। प्रदेश में दूध खरीद के मूल्य में रिकॉर्ड वृद्धि के लिए दुग्ध सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज यहां चार जिलों के किसान और दूध उत्पादक सभी ग्रामीण व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री का धन्यवाद करने के लिए एकत्र हुए हैं।

लालसा निवासी तुला राम शर्मा ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश के किसान फिर से खेतीबाड़ी और पशुपालन से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में एक या दो रुपए प्रतिवर्ष दूध के दाम बढ़ते थे लेकिन वर्तमान मुख्यमंत्री ने 13-15 रुपए दाम बढ़ाकर ऐतिहासिक वृद्धि की है, जिसके लिए उन्होंने राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि देश में दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करने वाला हिमाचल प्रदेश पहला राज्य बना है।

जीआईसी रे का शुद्ध लाभ बढ़कर 1,861 करोड़ रुपए

मुंबई, (पंजाब केसरी): जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी रे), भारत की सबसे बड़ी पुनर्बीमा कंपनी, ने वित्तीय वर्ष 2024 की पहली छमाही (हाफ ईयर) के लिए अपने वित्तीय नतीजे घोषित किए। कंपनी ने इस अवधि में मुनाफे में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की है। मुंबई में आयोजित बोर्ड बैठक में इन नतीजों को मंजूरी दी गई। जीआईसी रे का सकल प्रीमियम आय (ग्रॉस प्रीमियम इनकम) 5.8% बढ़कर 20,819.16 करोड़ हो गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 19,679.85 करोड़ था। घरेलू बाजार में प्रीमियम में 24.8% की वृद्धि के साथ 16,330.80 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि अंतरराष्ट्रीय प्रीमियम 31.9% की गिरावट के साथ 4,488.36 करोड़ रहा।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बनारस के घाट पर गंगा नदी में डुबकी लगाते श्रद्धालु। (छाया : प्रै.ट्र.)

विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल में जल्द हो सकता है विस्तार

रायपुर, (आशीष शर्मा): छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव कैबिनेट के विस्तार को लेकर अटकलें तेज हो गई है। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के नतीजे आने के तत्काल बाद मंत्रिमंडल में रिक्त स्थानों को भरा जा सकता है। इस मामले में अब दावेदार विधायकों ने लॉबिंग भी तेज कर दी है। रायपुर दक्षिण से विधायक रहे बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफे के बाद मंत्री पद रिक्त हुआ है।

विष्णु देव मंत्रिमंडल में अभी मंत्रियों के दो पद खाली हैं। इसमें कुछ वरिष्ठ विधायकों के नाम की चर्चा हो रही है। बृजमोहन अग्रवाल रायपुर जिले से संबंध माने जाते हैं। उनके सइस्तीफे के बाद अब रायपुर जिले से ही मंत्री पद का एक कोटा मिल सकता है। इसमें पूर्व मंत्री राजेश मूणत के अलावा नए विधायकों के नाम की भी चर्चा है। दूसरी तरफ बिलासपुर से पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल के नाम की चर्चा है। माना जा रहा है कि विष्णु देव कैबिनेट की होने वाली बैठक में मंत्रियों के नाम तय किया जा सकते हैं। मुख्यमंत्री उनके नाम का औपचारिक ऐलान कर सकते हैं।

दूसरी तरफ नए चेहरों को भी शामिल करने का दबाव बना हुआ है। यही वजह है कि एक नए और एक पुराने चेहरे को मंत्री बनाने की भी चर्चा हो रही है।

11 माह के कार्यकाल में अब तक कैबिनेट का विस्तार नहीं हुआ है। सूत्र दावा करते हैं कि इस मामले में अभी तक शीर्ष नेताओं में आपसी सहमति नहीं बन पाई है। आपसी सहमति बनने की स्थिति में ही नाम का ऐलान किया जाएगा।

मध्य रेलवे

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ

सांकेतिक सूचना

अध्यक्ष रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, मध्य रेलवे, भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनकी ओर से कार्य करते हुए जीडीसीई अधिसूचना में अधिसूचित विभिन्न पदों के लिए भर्ती से सम्बन्धित रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ मध्य रेलवे के लिए कम्प्यूटर आधारित परीक्षाओं के संचालन तथा अन्य सभी संबंधित कार्यों जैसे पर्याप्त संख्या में प्रश्नपत्र की तैयारी परिणाम की प्रक्रिया तथा पैनल आदि सेवाओं के लिए परीक्षा संचालन एजेंसी की नियुक्ति हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा सूचना सं. आरआरसीसीआर-ईसीए जीडीसीई-2024 दिनांक 13.11.2024 विवरण के लिए कृपया https://ireps.gov.in पर विस्तृत निविदा सूचना देखें। Apex-551

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

एशियन ग्रेनिटो इंडिया लि. ने 384 करोड़ रुपए की शुद्ध बिक्री दर्ज की

अहमदाबाद, (पंजाब केसरी): देश के सबसे बड़े लक्ज़री सर्फेस और बाथवेयर सॉल्यूशंस ब्रांड्स में से एक एशियन ग्रेनिटो इंडिया लिमिटेड (एजीएल) ने 30 सितंबर को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के दौरान परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन में सुधार की सूचना दी है। कंपनी ने 30 सितंबर को समाप्त वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए रु. 4.7 करोड़ कन्सोलिडेटेड शुद्ध लाभ दर्ज किया है। परिणामों और प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर कमलेश पटेल ने कहा- कच्चे माल की लागत में उतार-चढ़ाव, निर्यात नीतियों और व्यवसाय और मार्जिन को प्रभावित करने वाली तीव्र प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियों के बावजूद, कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के लिए संतोषजनक आंकड़े दर्ज किए हैं।

नौकरी दिलाने के नाम पर दुष्कर्म

नोएडा, (पंजाब केसरी) : बिहार से दिल्ली काम की तलाश में आई एक युवती के साथ ग्रेटर नोएडा में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दिल्ली के एक युवक ने घरेलू सहायिका का काम दिलाने के लिए युवती को मिलने के लिए बुलाया था। इसके बाद एक पीजी में ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया है। सूरजपुर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़िता ने बताया कि वह दिल्ली काम की तलाश में आई थी। घरों में काम दिलाने के लिए उसके दीदी ने दिल्ली के रहने वाले दीपक नाम के युवक का उसे मोबाइल नंबर दिया था।

युवती ने दीपक से संपर्क किया तो उसने साकेत मेट्रो स्टेशन पर मिलने के लिए बुलाया था। युवती ने बताया कि वह 28 अगस्त को दीपक से मिलने पहुंची थी। आरोप है आरोपी दीपक उसे अपने दोस्त के घर ले जाने की बात कह कर ग्रेटर नोएडा एक पीजी में लेकर आया था। आरोपी दीपक ने यहां उसके साथ पिस्टल के बल पर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। आरोपी के चंगुल से छूटकर वह भागकर दिल्ली पहुंची थी।

IN LOVING MEMORY OF
LATE SMT. KAMLESH DOSEJA
On her 7th Death Anniversary
(16-11-2017)
Today We Pay Our Humble Tribute.
"Prabhu Aapko Apne Shri Charno Mai Sathan De."
You Will Always Stay In Our Hearts & Thoughts.
PAYING HOMAGE: DOSEJA PARIWAR
SunderShyam (Brother in Law)
Nitin (Son), Mamta (Daughter), Pramila (Sister-in-law),
Rajeev, Sumit, (Nephews), Madhu, Annu, Alka, Vandana (Nieces)
Rachna, Sonia, Nitya, Nupur (Daughters-in-law)
Ajay Wadhwa, Ajay Dhamija, Sharwan Budhiraja, Inder (Sons-in-law)
Jatin, Akshit, Rahul, Ayush, Mitakksh, Rudra, Samihan, Isha, Pranshi,
Ankita, Gritank, Shubhang, Kajal, Karan, Arjun (G.Sons & Daughters),
Deepika, Shuchita, Anshul, Inshu, Kashish, Tripti (G.Daughters & Sons-in-law)

अधिकारियों के लिए शराबबंदी अर्थ है मोटी कमाई : पटना हाईकोर्ट

पटना, (भाषा): पटना उच्च न्यायालय ने शराबबंदी कानून को लागू करने में लापरवाही बरतने पर एक पुलिस निरीक्षक के खिलाफ जारी किए गए पदावनत आदेश को रद्द करते हुए टिप्पणी की कि ये प्रावधान पुलिस के लिए उपयोगी हो गए हैं, जो तस्करों के साथ मिलकर काम करती है।

न्यायमूर्ति पूर्णेंदु सिंह ने 29 अक्टूबर को दिए अपने एक फैसले में कहा, ''न केवल पुलिस अधिकारी, आबकारी अधिकारी, बल्कि वाणिज्यिक कर विभाग और परिवहन विभाग के अधिकारी भी शराबबंदी पसंद करते हैं। उनके लिए इसका मतलब है मोटी कमाई। दरअसल, शराबबंदी ने शराब और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं के अनधिकृत व्यापार को बढ़ावा दिया है। ये कठोर प्रावधान पुलिस के लिए एक सुविधाजनक उपकरण बन गये हैं जो तस्करों के साथ मिलकर काम करती है।

यह आदेश मुकेश कुमार पासवान द्वारा दायर की गयी एक रिट याचिका के जवाब में आया, जो पटना बाईपास थाने में थानाध्यक्ष (एसएचओ) के रूप में कार्यरत थे।

राज्य के आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा छापेमारी के दौरान विदेशी शराब बरामद होने के बाद पासवान को निलंबित कर दिया गया था। जांच के दौरान बचाव प्रस्तुत करने और अपनी बेगुनाही का दावा करने के बाद भी 24 नवंबर, 2020 को राज्य सरकार ने पासवान को पदावनत किया गया था।

पहचान की अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति (फोटो में दर्शाया गया) जिसका नामः **नामालूम,** परिवार व पताः **नामालूम, उम्रः** लगभग **65 वर्ष,** जो **दिनांक 06.11.2024** को मृत पाया गया। इस संदर्भ में एक एफआईआर नं/डीडी नं. **587/2024, दिनांक 06.11.2024 को थाना क्लयण पुरी, दिल्ली** में रिपोर्ट दर्ज है। मृत शरीर को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के शवग्रह में पहचान के लिए 72 घंटे के लिए संरक्षित रखा गया है। जिसका हुलिया नीचे दिया गया है:-

लिंगः पुरुष, **आयुः** लगभग 65 वर्ष, **कदः** 5' 6" फीट, **रंगः** गेंहुँआ, **चेहराः** अण्डाकार, **शरीरः** मज़बूत, **पहनावाः** सफेद बनियान पहने हुए है।

मृतक के बारे में कोई जानकारी या सुराग रखने वाला कोई भी व्यक्ति निम्नलिखित पते या टेलीफोन नंबर पर सूचित करें।

थाना प्रभारी
थानाः कल्याणपुरी, दिल्ली
फोनः 011-22772287
मोबाइलः 8750871830

DP/15071/ED/2024

हाईस्पीड बाइक से लूट करने वाले दो बदमाश दबोचे

नोएडा, (पंजाब केसरी) : चोरी की हाईस्पीड बाइक से शहर में मोबाइल लूट की वारदात करने वाले गिरोह के दो शातिर बदमाशों को सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों के कब्जे से चोरी की बाइक, लूट के चार मोबाइल, तमंचा, कारतूस और चाकू समेत अन्य सामान बरामद हुआ है।

गिरोह में शामिल अन्य बदमाशों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर दिल्ली के गीता कॉलोनी निवासी रहमान और शास्त्री पार्क निवासी अरशांत को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता चला कि दोनों आरोपी शातिर किस्म के लुटेरे हैं। रहमान ने बताया कि बरामद केटीएम बाइक उसने दिल्ली के आनंद विहार पेट्रोल पंप के पास से चोरी की थी। इस संबंध में दिल्ली के आनंद विहार थाने में केस भी दर्ज है। गिरफ्त में आरोपियों ने चार अक्तूबर को इलेक्ट्रॉनिक मेट्रो स्टेशन के पास से एक व्यक्ति का आईफोन लूटा था।

महिला की हत्या करने वाला आरोपी प्रेमी गिरफ्तार

नोएडा, (पंजाब केसरी) : थाना सेक्टर-63 पुलिस ने छिजारसी गांव में हुई विवाहित महिला की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। नोएडा पुलिस ने हत्या के आरोपी प्रेमी को गुरुवार को गढ़ी गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार किया। महिला की हत्या अवैध संबंध को लेकर हुई थी। प्रेमी महिला पर अपने पति और बच्चों को छोड़कर उसके साथ रहने के लिए दबाव बना रहा था। बात नहीं मानने पर उन दोनों के बीच झगड़ा हुआ और आरोपी ने हत्या की घटना को अंजाम दे दिया।

पुलिस ने बताया कि कन्नौज के गुरुसायगंज निवासी अजय तिवारी मजदूरी करता है। वर्तमान में वह छिजारसी गांव में किराये पर कमरा लेकर रहता है। उसके परिवार में पत्नी शिल्पी तिवारी और उनके दो बेटे हैं। अजय रोज की तरह बुधवार को सुबह भी अपने काम पर चला गया था।

12 राशियां और आपका दिन

Forecast for 16 November, 2024
By: Dr. Prem Kumar Sharma
(Astrologer, Palmist, Numerologist & Vastu Consultant)
Email: psharma@premastrologer.com,
Url: http://www.premastrologer.com
Contact: Panchkula: +91-172-2562832, 2572874
Delhi: +91-11-47033152/40532026

premastrologer premastrologer premastrologer askpremastrologer

मेष ARIES (21 मार्च - 20 अप्रैल) किसी से अच्छे लाइफ स्टाइल की प्रेरणा मिलेगी। दिखावे के पीछे फिज़ूलखर्ची करने से बचें। फ्रिलांसर्स के लिये अनूकल समय रहने वाला है। फैमिली मैंबर से सोच समझ कर मजाक करें।
लकी नंबर : 5, लकी कलर : ब्लू

वृषभ TAURUS (21 अप्रैल- 20 मई) सक्रिय जीवनशैली अपना सकते हैं, फिट रहेंगे। बिना रिसर्च कहीं निवेश करना सही नहीं होगा। परिवार का सपोर्ट और प्रेम उत्साहित रखेगा। शॉर्ट ट्रिप प्लान कर सकते हैं, रोमांचक रहेगा।
लकी नंबर : 8, लकी कलर : मैजेंटा

मिथुन GEMINI (21 मई- 21 जून) नए फिटनेस रुटिन का फायदा मिलने लगेगा। अपने खर्चे पर नियंत्रण रखना होगा, ध्यान दें। रिटेलर्स एक नए वेंचर का प्लान कर सकते हैं। बुजुर्ग फैमिली मैंबर को मनाना कठिन होगा।
लकी नंबर : 9, लकी कलर : डार्क रेड

कर्क CANCER (22 जून - 22 जुलाई) सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ेगा। वित्तीय स्तर पर मजबूती आने के संकेत हैं। फैमिली के साथ अच्छा बर्ताव रखना होगा। वेकेशन पर जाना रोमांचक रहने वाला है।
लकी नंबर : 7, लकी कलर : बेबी पिंक

सिंह LEO (23 जुलाई-23 अगस्त) लाइफस्टाइल के अनुकूल व्यायाम चुनें। फाइनेंशियल प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ेगा। घरेलू माहौल को अनुकूल बना सकते हैं। विदेश यात्रा यादगार रहने की उम्मीद है।
लकी नंबर : 2, लकी कलर : ऑरेंज

कन्या VIRGO (24 अगस्त- 23 सितंबर) शेप में वापस आने का प्रयास कर सकते हैं। फिलहाल बचत पर ध्यान देना आवश्यक है। कोई फैमिली मैंबर गौरान्वित करने वाला है। लगातार यात्रा करना आपको थका सकता है। सम्पत्ति को लेकर तनाव की स्थिति रहेगी।
लकी नंबर : 18, लकी कलर : रेड

तुला LIBRA (24 सितंबर- 23 अक्टूबर) स्पोर्ट्स एक्टिविटी में हिस्सा लेना शुरु करेंगे। हाल में ली गई प्रॉपर्टी से अच्छा रेंट आयेगा। परिवार के साथ वक्त बिताने का मौका है। वित्तीय मामले में संतोषजनक स्थिति रहेगी।
लकी नंबर : 8, लकी कलर : मैरून

वृश्चिक SCORPIO (24 अक्टूबर- 22 नवंबर) व्यायाम और अच्छी डाइट का ध्यान रखेंगे। आर्थिक स्तर पर स्टेबिलिटी आने वाली है। दोस्त या रिलेटिव खाने पर बुला सकते हैं। आवागमन को लेकर तनाव बढ़ने वाला है।
लकी नंबर : 17, लकी कलर : ग्रीन

धनु SAGITTARIUS (23 नवंबर - 21 दिसंबर) परहेज का असर दिखेगा, सेहत में सुधार होगा। कटौती के जरिये आप सेविंग्स बढ़ा सकते हैं। अच्छी कंपनी के अभाव में ट्रिप बोरिंग रहेगा। प्रॉपर्टी का फैसला आने में वक्त लग सकता है।
लकी नंबर : 11, लकी कलर : क्रीम

मकर CAPRICORN (22 दिसंबर - 21 जनवरी) फिटनेस ट्रेनिंग लेने वालों को फर्क दिखेगा। नये बिजनेस वेंचर से मुनाफा आने लगेगा। परिवार में कोई आयोजन होने की उम्मीद है। पसंदीदा लोगों के संग यात्रा का आनंद लेंगे।
लकी नंबर : 5, लकी कलर : येलो

कुंभ AQUARIUS (22 जनवरी- 19 फरवरी) हेल्दी और फिट रहने की उम्मीद है। आर्थिक मामले में सख्ती दिखानी होगी। घर में कोई आयोजन कर सकते हैं। प्रॉपर्टी के मामले में उलझनें वाले हैं। स्टूडेंट्स को कोई गाइड मिल जायेगा। सामने आये अवसर का लाभ ले पायेंगे।
लकी नंबर : 8, लकी कलर : सैफ्रॉन

मीन PISCES (20 फरवरी- 20 मार्च) पूर्ण स्वस्थ होने के लिये धैर्य रखना होगा। ओवरस्पेंडिंग से सेविंग पर असर पड़ेगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने की संभावना है। व्यस्त सड़क पर गाड़ी चलाना रिस्की होगा। प्रॉपर्टी स्कैम में फंसने की संभावना है।
लकी नंबर : 6, लकी कलर : पर्पल

ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्

भगवान इस जग के कण-कण में विद्यमान हैं।

संस्थापक: शहीद शिरोमणि लाला जगतनारायण जी, अमर शहीद रमेश चन्द्र जी एवं कलम के योद्धा अश्विनी कुमार जी

मणिपुर में फिर अफस्पा

मणिपुर के बिगड़ते हालात को देखकर केन्द्र सरकार ने राज्य के हिंसा प्रभावित जिरीबाम समेत पांच जिलों में 6 पुलिस थाना इलाकों में अफस्पा लागू कर दिया है। गृह मंत्रालय मणिपुर की स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखे हुए है। राज्य में पिछले 2 साल से जारी जातीय हिंसा से स्थिति काफी जटिल हो चुकी है। लगातार हमलों और फायरिंग की खबरें आ रही हैं। ऐसे में सामान्य जनजीवन बहाल करने और लोगों के जीवन की सुरक्षा के लिए अफस्पा लागू करना जरूरी समझा गया। मणिपुर में गृह मंत्रालय के निर्देश से सीएपीएफ की 20 अतिरिक्त कम्पनियां भेजी गई हैं। भारी संख्या में तैनात सुरक्षा बल हिंसा पर लगाम लगाने में विफल रहे हैं। मणिपुर के जिरीबाम जिले में सोमवार को सैनिकों जैसी वर्दी पहने और अत्याधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों द्वारा एक पुलिस थाने और निकटवर्ती सीआरपीएफ शिविर पर अंधाधुंध गोलीबारी की गयी। इसके बाद सुरक्षा बलों के साथ भीषण मुठभेड़ में 11 संदिग्ध उग्रवादी मारे गए। एक दिन बाद, उसी जिले से सशस्त्र आतंकवादियों ने महिलाओं और बच्चों सहित छह नागरिकों का अपहरण कर लिया। गुरुवार को भी इंफाल घाटी में स्कूल और कॉलेज के छात्रों ने कथित अपहरण के विरोध में अपने-अपने शैक्षणिक संस्थानों के बाहर मानव श्रृंखलाएं बनाईं। काले झंडे और काले बिल्ले पहने छात्रों ने नारे लगाए और छह लोगों की तत्काल सुरक्षित रिहाई की मांग की तथा केंद्र और राज्य सरकारों से कार्रवाई की मांग की। इस कार्यक्रम का आयोजन मैतेई समुदाय के संगठन सीओसीओएमआई स्टूडेंट्स फ्रंट ने किया था।

> **अफस्पा के तहत सशस्त्र बलों को अशांत क्षेत्रों में सार्वजनिक व्यवस्था बनाये रखने की विशेष शक्तियां दी गई हैं। इस कानून का इस्तेमाल करके सशस्त्र बल किसी भी इलाके में पांच या पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा सकते हैं। अगर सशस्त्र बलों को लगे की कोई व्यक्ति कानून तोड़ रहा है तो उसे उचित चेतावनी देने के बाद बल का प्रयोग किया जा सकता है और गोली चलाई जा सकती है। साथ ही ये कानून सशस्त्र बलों को उचित संदेह होने पर बिना वारंट किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने और किसी भी परिसर में प्रवेश कर तलाशी लेने का अधिकार देता है।**

अफस्पा के तहत सशस्त्र बलों को अशांत क्षेत्रों में सार्वजनिक व्यवस्था बनाये रखने की विशेष शक्तियां दी गई हैं। इस कानून का इस्तेमाल करके सशस्त्र बल किसी भी इलाके में पांच या पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा सकते हैं। अगर सशस्त्र बलों को लगे की कोई व्यक्ति कानून तोड़ रहा है तो उसे उचित चेतावनी देने के बाद बल का प्रयोग किया जा सकता है और गोली चलाई जा सकती है। साथ ही ये कानून सशस्त्र बलों को उचित संदेह होने पर बिना वारंट किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने और किसी भी परिसर में प्रवेश कर तलाशी लेने का अधिकार देता है। समय-समय पर सशस्त्र बलों पर आरोप लगते रहे हैं कि वे इन विशेष शक्तियों का दुरूपयोग करते रहे हैं और इन आरोपों को सीबीआई की जांच में कई मुठभेड़ों के फर्ज़ी पाए जाने से बल मिला है।

मणिपुर में अफस्पा को हटाने के लिए जबरदस्त आंदोलन चलाया गया था। मणिपुर में असम राइफल्स के जवानों द्वारा महिला मनोरमा देवी से बलात्कार और हत्या के बाद आक्रोश फैला तो राज्य की महिलाओं ने नग्न होकर प्रदर्शन किया था। सामाजिक कार्यकर्ता इरोम शर्मिला ने सन् 2006 में इसी कानून के ख़िलाफ लम्बा अनशन किया था। विरोध के बावजूद मणिपुर में अफस्पा का कायम रहना चिंता का विषय है। मणिपुर के लोग मानते हैं कि अफस्पा की वजह से हिंसा का एक चक्र बन गया है। उग्रवाद से निपटने के लिए अफस्पा के तहत अधिक बल प्रयोग होता है। इससे लोगों में गुस्सा बढ़ता है और विद्रोह की भावना और तीव्र हो जाती है। केन्द्र सरकार ने नागालैंड, असम और मणिपुर के कई क्षेत्रों से अफस्पा हटा लिया था। सुरक्षा बलों की ज्यादतियों का शिकार अब भी इंसाफ का इंतजार कर रहे हैं। मणिपुर के लोगों को लगता है कि लम्बे समय से उन्हें लोकतंत्र की भावना से वंचित रखा गया है और अफस्पा की आड़ में मानवाधिकारों का व्यापक उल्लंघन हुआ है। यह अब स्पष्ट है कि मणिपुर की एन. बीरेन सरकार हिंसा पर लगाम लगाने, मैतेई और कुकी समुदाय में सामाजिक खाई पाटने और राज्य में सामान्य स्थिति कायम करने में पूरी तरह विफल हो चुकी है। रोजमर्रा के कामकाज के लिए भी सुरक्षा बलों पर निर्भर रहना पड़ता है।

राज्य में हालात बहुत खराब हैं और यह भी वास्तविकता है कि उग्रवादी संगठन भारत के खिलाफ साजिशें रचते रहते हैं। ऐसी स्थिति में अफस्पा को हटाया नहीं जा सकता। अफस्पा के विरुद्ध होने वाले तमाम विरोधों के बावजूद उग्रवादी संगठनों का सक्रिय रहना यह दिखाता है कि अफस्पा का रहना बहुत जरूरी है। अब क्योंकि गृह मंत्रालय ने खुद मोर्चा सम्भाल लिया है तो यह जरूरी है कि कुकी और मैतेई समुदाय को वार्ता की मेज पर लाया जाए और टकराव के बिन्दुओं का राजनीतिक हल ढूंढा जाए। सुरक्षा बलों को भी अभियान चलाते समय न्यूनतम बल प्रयोग करना चाहिए और स्थानीय लोगों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। सुरक्षा बलों को कानून व्यवस्था कायम करने के लिए अपनी रणनीति में परिवर्तन करना होगा।

आदित्य नारायण चोपड़ा
Adityachopra@punjabkesari.com

फिर कलम की स्याही से इस कदर...

भले ही चले हम इस राह पर अकेले थे,
और सच बोलने के भी यहां गहरे सितम झेले थे,
फिर कलम की स्याही से इस कदर जुड़े हम,
जहां गए वहीं मिले इसे चाहने वालों के मेले थे !

गीता पाढा

कांग्रेस की विभाजन की राजनीति को जनता कर चुकी है खारिज : मनोहर लाल

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी पर विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाया। मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस की विभाजन की राजनीति को देश खारिज कर चुका है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अनुच्छेद 370 का प्रावधान करके जम्मू-कश्मीर के साथ साजिश रचने का काम किया था। पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने अनुच्छेद 370 को खत्म कर जम्मू-कश्मीर को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया। मैं समझता हूं कि देश की अखंडता के लिए अनुच्छेद 370 को खत्म करना जरूरी था। हमारी सरकार विकास के एजेंडे के साथ आगे बढ़ रही है। पीएम मोदी की नीतियों को देश की जनता स्वीकार कर चुकी है। पीएम मोदी ने वैश्विक पटल पर भारत का सम्मान बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने शुक्रवार को नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्रालय द्वारा आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से नेपाल से बांग्लादेश तक पहले त्रिपक्षीय विद्युत प्रवाह लेनदेन का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

महाराष्ट्र की राजनीति से उठती चिन्ताएं

राकेश कपूर
संसद से सड़क तक
kapurakesh@gmail.com

महाराष्ट्र के वर्तमान विधानसभा चुनावों में राजनीति का जो स्तर गिरा है उससे यह भ्रम पैदा हो रहा है कि क्या हम वैचारिक दिवालियेपन के दौर में राजनीति को धकेल रहे हैं। लोकतन्त्र के लिए यह स्थिति बहुत ही घातक है क्योंकि राजनीति से जब वैचारिक सोच गायब हो जाती है तो राजनीति लावारिस हो जाती है। चुनाव आम जनता के लिए राजनैतिक पाठशाला होते हैं जिसमें विभिन्न राजनैतिक दल अपनी-अपनी पार्टी का सैद्धान्तिक दर्शन जनता के सामने रखते हैं। इनसे जनता में राजनैतिक जागरूकता आती है और वह अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति सचेत बनती है। यह व्यर्थ ही नहीं है कि पचास के दशक में ही डा. राम मनोहर लोहिया ने यह नारा दिया था,

राष्ट्रपति का बेटा हो या
चपरासी की हो सन्तान
टाटा या बिड़ला का छौना
सबकी शिक्षा एक समान

डा. लोहिया स्वतन्त्रता सेनानी थे और कांग्रेस के भीतर समाजवादी गुट के संवाहक थे। वह आचार्य नरेन्द्र देव, आचार्य कृपलानी व जय प्रकाश नारायण जैसे समाजवादी कांग्रेसियों की जमात में गिने जाते थे। मगर स्वतन्त्रता के तुरन्त बाद समाजवादी गुट के नेताओं के कांग्रेस से मतभेद हुए और इन्होंने अपनी अलग समाजवादी पार्टी बनाई। आचार्य कृपलानी ने अपनी अलग किसान मजदूर पार्टी बनाई। हालांकि स्वतन्त्रता के बाद पहले वर्ष में आचार्य कृपलानी कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे। डा. लोहिया भारत की शिक्षा प्रणाली में आधारभूत परिवर्तन चाहते थे और प्रत्येक अमीर-गरीब के बच्चे को एक जैसी शिक्षा सरकारी स्तर पर देने के हिमायती थे। उनके इस नारे से ही उनकी पार्टी की पूरी राजनीति अन्दर तक से स्पष्ट हो जाती है।

बाद में डा. राम मनोहर लोहिया के आचार्य नरेन्द्र देव से भी मतभेद हुए और दोनों की पार्टियां क्रमशः संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी व प्रजा सोशलिस्ट पार्टी अलग-अलग हो गईं। मगर डा. लोहिया ही स्वातन्त्रोत्तर भारतीय राजनीति में पहले इंसान थे जिन्होंने भारतीय समाज में पिछड़ी जातियों के लोगों को आगे

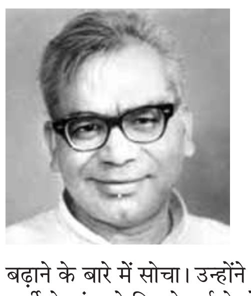
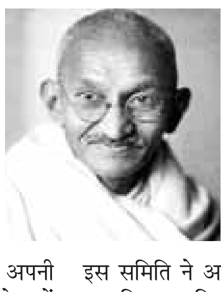

बढ़ाने के बारे में सोचा। उन्होंने अपनी पार्टी के मंच से पिछड़े वर्ग के नेताओं को आगे बढ़ाया और चुनावों में उन्हें ज्यादा से ज्यादा टिकट देने का प्रयास भी किया। यह सनद रहनी चाहिए कि राम विलास पासवान व मुलायम सिंह यादव पहली बार 1967 के चुनावों में संसोपा के टिकट से ही चुनाव जीते और क्रमशः बिहार व उत्तर प्रदेश की विधानसभाओं के सदस्य बने। डा. लोहिया ने तब नारा दिया था।

संसोपा ने बांधी गांठ
पिछड़े पावैं सौ में साठ

किसी सच्चे राजनैतिक नेता की सोच कभी भी सीमित नहीं होती। उसकी निगाह देश की पेचीदा समस्याओं से लेकर अन्तर्राष्ट्रीय स्थितियों तक रहती है। अतः डा. लोहिया हर उस समस्या पर अपने विचार खुल कर रखते थे जिनका किसी भी कोण से भारतीयों से लेना-देना हो। मसलन उन्होंने नारा दिया भाषा हो या बाना हो बस भारत का गाना हो।

डा. लोहिया आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले चुके थे और जानते थे कि महात्मा गांधी ने भारतीयों की दास मानसिकता समाप्त करने की गरज से भारत में संसदीय लोकतान्त्रिक प्रणाली की स्थापना करने का वचन 1928 में गठित मोती लाल नेहरू समिति की मार्फत दे दिया था। यह समिति भारत के संविधान का प्रारूप गड़ने के लिए गठित की गई थी जिसके सदस्य जवाहर लाल नेहरू भी थे और नेता जी सुभाष चन्द्र बोस भी तथा मौलाना आजाद भी। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में साफ कर दिया था कि भारत कोई विभिन्न जातियों या साम्प्रदायिक समूहों का जमघट नहीं है बल्कि विभिन्न राज्यों व अंचलों का एक सांस्कृतिक संघीय देश है। अतः इसके राज्यों व संघ की सरकार के बीच आपसी सम्बन्धों का सौहार्दपूर्ण व सम्मानजनक होना बहुत जरूरी है परन्तु संघ की सरकार का शक्तिवान होना भी आवश्यक है। इस समिति ने राज्यों व केन्द्र की सरकार के बीच अधिकारों का बंटवारा किया।

बाद में चल कर जब भारतीय संविधान बना तो नेहरू समिति की इन सिफारिशों के अनुरूप ही लगभग केन्द्र व राज्यों के बीच अधिकारों का बंटवारा हुआ। इस समिति ने इसके साथ ही तभी यह घोषित कर दिया था कि स्वतन्त्र भारत में संसदीय चुनाव प्रणाली अपनाई जायेगी जिसमें राज्यों व केन्द्र की सरकारों के लिए अलग-अलग चुनाव होंगे और इन चुनावों में भारत के प्रत्येक नागरिक को एक समान रूप से बिना किसी जाति या धर्म के भेदभाव के एक वोट का अधिकार मिलेगा। एक प्रकार से गांधी ने 1930 में ही भारत में एक वोट का अधिकार प्रत्येक वयस्क नागरिक को देकर देश में मूक क्रान्ति का शंखनाद कर दिया था जो भारत के आजाद होने पर पूर्णतः लागू हुआ। अतः इस एक वोट के अधिकार के प्रयोग के लिए यदि आजकल के राजनीतिज्ञ मूढ़मति होने का परिचय दे रहे हैं तो लोकतन्त्र के लिए यह बहुत ही गंभीर बात है क्योंकि हम नहीं जानते कि इसके बाद राजनीति का स्तर और कहां तक नीचे गिर सकता है।

लोकतन्त्र में 'देश' से लेकर विदेश तक की राजनीति इसके स्तर से ही तय होती है। क्या कारण है कि जब महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव हो रहे हैं तो इन राज्यों में सत्ता पर काबिज राजनैतिक दल शिक्षा और स्वास्थ्य व महंगाई व बेरोजगारी जैसे विषयों पर जुबान खोलने से डर रहे हैं और उन मुद्दों पर बात हो रही है जिनका आम लोगों के जीवन से कुछ लेना देना नहीं है। चुनाव में हर बात पर हिन्दू-मुसलमान की बात हो रही है। क्या हिन्दू-मुसलमान भारत की समस्या है? यह समस्या तो 1947 में जब पाकिस्तान मुहम्मद अली जिन्ना और अंग्रेजों की साजिश से बना तो बहुत कुछ साफ हो गई थी क्योंकि भारत में जो भी मुसलमान इसके बाद रहे वे अपनी मर्जी से रहे और भारत के प्रति प्रेम की वजह से रहे। भारत के आम मुसलमान तो कभी पाकिस्तान का निर्माण चाहते ही नहीं थे और वे सच्चे राष्ट्रवादी मुसलमान थे। उनकी रोजी-रोटी और मादरे वतन हिन्दोस्तान ही था। ये मुसलमान मुत्तैहदा कौमियत के पैरोकार थे जिनकी अलम्बरदारी 1947 में देवबन्द के उलेमा कर रहे थे। हमें यह इतिहास कभी नहीं भूलना चाहिए।

कट्टरपंथी हिन्दुओं में भी हैं और मुसलमानों में भी। जिन्ना तो कांग्रेस पार्टी को हिन्दुओं की पार्टी कहता था और अंग्रेज इसे राष्ट्रवादी पार्टी मानते थे। अंग्रेजों को अपनी सबसे बड़ी दुश्मन कांग्रेस पार्टी ही नजर आती थी क्योंकि यह पाकिस्तान निर्माण के पूरी तरह खिलाफ थी। आज की तारीख में हम भारतीय जनता पार्टी को राष्ट्रवादी पार्टी कहते हैं परन्तु इसके महाराष्ट्र के नेता देवेन्द्र फड़णवीस का क्या करेंगे जो कह रहे हैं कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दो साल पहले निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा अराजकतावादियों का समूह थी। वह आह्वान कर रहे हैं कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े सभी संगठन राहुल गांधी द्वारा बनाये गये भारत-जोड़ों के विमर्श के खिलाफ राष्ट्रवादी विमर्श गढ़े। यही वैचारिक खोलापन है जिससे भाजपा को सावधान होना होगा।

फड़णवीस ने सिद्ध कर दिया है कि उनकी पार्टी में अपने बूते पर राहुल गांधी द्वारा खड़े किये गये विचार के खिलाफ विमर्श तैयार करने की क्षमता नहीं है। राजनीति में वैचारिक परिपक्वता इसी वजह से इसकी प्रारम्भिक शर्त होती है। सवाल यह खड़ा हो रहा है कि भारत जोड़ने की तोड़ क्या हो सकती है ? सवाल कांग्रेस या भाजपा का नहीं बल्कि एक वोट का है जो इन चुनावों में राजनैतिक दलों का भविष्य तय करेगा और फड़णवीस कह रहे हैं कि 'आ बैल मुझे मार'।

शरद पवार को निशाना बनाने से बच रही भाजपा

ताक-झांक
आर.आर. जैरथ

यह दिलचस्प तथ्य है कि भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति का कोई भी दल या नेता महाराष्ट्र की राजनीति के अगुआ शरद पवार की आलोचना या उन पर हमला नहीं कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नहीं। मोदी का मुख्य निशाना कांग्रेस और फिर शिवसेना के उद्धव ठाकरे पर है। क्या यह 2019 के अभियान से मिले सबक की वजह से है, जब शरद पवार उस चुनाव की पहचान बन गए थे और जिस तरह से उन्हें निशाना बनाया गया, उसके कारण उन्हें लोगों की सहानुभूति मिली थी?

पांच साल पहले क्या हुआ था, इस पर गौर करें। चुनाव प्रचार के बीच में ईडी की एक टीम पवार के घर छापेमारी के लिए पहुंच गई थी। लेकिन पवार घबराये नहीं थे और टीम को अपने घर में आने की चुनौती दी। पवार के विद्रोही रुख के बाद ईडी के अधिकारियों को पीछे हटने को कहा गया और वे वापस लौट गये थे। इस घटना ने पवार के अभियान में नई जान फूंक दी। वे पूरे जोश में थे और चुनाव प्रचार के आखिरी दिन, सतारा में एक रैली में वे बिना छाते के भारी बारिश में खड़े होकर लोगों से एनसीपी को वोट देने के लिए प्रेरित कर रहे थे। यही वह क्षण था जब जनता का मूड बदल गया और हालांकि भाजपा-सेना (तब एकजुट) गठबंधन ने चुनाव जीत लिया, लेकिन पवार अपना जादू चलाने में सफल रहे और सरकार को उनसे छीन लिया। बाद में उन्होंने उद्धव को सीएम बनवाया लेकिन भाजपा गठबंधन ने बाद में सरकार बनाने में सफलता हासिल की।

चुनावों में महिला केंद्रित योजनाओं की भरमार

पिछले चुनावों की तरह इस बार भी महिलाएं चुनावी माहौल में छाई हुई हैं। 2023 की सर्दियों में मध्य प्रदेश में भाजपा के ऐतिहासिक चौथे कार्यकाल का मार्ग प्रशस्त करने में लाड़ली बहना योजना की सफलता के बाद, महाराष्ट्र और झारखंड दोनों में सत्तारूढ़ दलों ने महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए लगभग वैसे ही कार्यक्रम शुरू किए हैं। महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति की एकनाथ शिंदे सरकार ने इसे लड़की-बहिन योजना कहा है। झारखंड में, इंडिया ब्लॉक की हेमंत सोरेन सरकार ने इसे मैया योजना कहा है।

दोनों सरकारें अपने राज्यों में गरीब महिलाओं के खातों में हर महीने 1,000 से 1,500 रुपये तक की रकम डाल रही हैं। हालांकि, महाराष्ट्र में यह योजना मतदाताओं के संदेह के कारण विवादों में आ गई है, जो इसे सिर्फ़ चुनावों के लिए वोट बटोरने वाली मुफ्त योजना के रूप में देखते हैं। कई महिलाओं ने खुले तौर पर अपनी आशंका जताई है कि महायुति के सत्ता में वापस आने के बाद यह योजना बंद कर दी जाएगी।

संदेह इतना ज़्यादा है कि शिंदे को यह वादा करने पर मजबूर होना पड़ा कि यह योजना जारी रहेगी और कभी बंद नहीं होगी। और भाजपा सांसद धनंजय महादिक ने कोल्हापुर में एक रैली में मतदाताओं को धमकाया कि जो लोग महायुति को वोट नहीं देंगे, उनका नाम लड़की-बहिन योजना के लाभार्थियों की सूची से हटा दिया जाएगा।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज चौहान की लाड़ली बहन योजना की सफलता और मौजूदा चुनावी प्रस्तावों में बहुत बड़ा अंतर है। चौहान ने पिछले कई सालों में महिलाओं के बीच एक खास वर्ग तैयार किया था, इसलिए उनके कार्यक्रम को महिला मतदाताओं तक उनकी पहुंच के रूप में देखा गया। उन्होंने इसे चुनावी मुफ्त योजना नहीं माना। ऐसा लगता है कि चुनाव जीतने के लिए चौहान की नकल करने की कोशिश करने से पहले शिंदे और सोरेन ने इसका गहन अध्ययन नहीं किया और घोषणाएं कर दीं।

भगत सिंह को 'नायक' नहीं मानता पाकिस्तान

लाहौर मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन द्वारा शहर के शादमान चौक का नाम बदलकर भगत सिंह के नाम पर रखने का प्रस्ताव हाल ही में सेवानिवृत्त कमोडोर तारिक मजीद के विरोध के बाद ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारी नायक की स्वतंत्रता संग्राम में कोई भूमिका नहीं थी। सेवानिवृत्त कमोडोर खुद को "राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों का विश्लेषक बताते हैं जो पाकिस्तान की विचारधारा, सुरक्षा और संप्रभुता के लिए हानिकारक मुद्दों को उजागर करने के लिए समर्पित हैं। उन्होंने मैट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन को एक कड़ा पत्र लिखा जिसमें उन्होंने अपनी कई आपत्तियों को सूचीबद्ध किया जिसमें यह तथ्य भी शामिल था कि भगत सिंह नास्तिक थे और इसलिए पाकिस्तान की विचारधारा के दुश्मन थे। दिलचस्प बात यह है कि भगत सिंह को सम्मानित

करने का प्रस्ताव लाहौर मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन की ओर से ही आया था और इसे खुद को भगत सिंह मैमोरियल फाउंडेशन कहने वाले एक संगठन ने समर्थन दिया था। मामला नियंत्रण से बाहर हो गया और लाहौर की अदालत में पहुंचा, जिसने गेंद को महानगर निगम के पाले में फेंक दिया। मजीद अब भगत सिंह फाउंडेशन पर प्रतिबंध लगवाने पर आमादा है।

ट्रंप के कदम से खुल सकते हैं हसीना के लिये बांग्लादेश के दरवाजे

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक्स पर एक ट्वीट किया, जिससे नई दिल्ली के सत्ता गलियारों में बैठे लोगों के दिल खुश हो जाने चाहिए। अपने ट्वीट में उन्होंने चिंता जताई कि बांग्लादेश में लोगों को सिर्फ इसलिए गिरफ्तार किया जा रहा है, क्योंकि उन्होंने ट्रंप का समर्थन किया है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि शेख हसीना की अनुपस्थिति में बांग्लादेश कहां जा रहा है।" इस ट्वीट को ट्रंप प्रशासन की बांग्लादेश नीति के संकेत के रूप में देखा जा रहा है और यह स्पष्ट रूप से उस देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के समर्थन में है।

भारत इस बात को लेकर असमंजस में है कि नई दिल्ली में हसीना की मौजूदगी को कैसे संभाला जाए। मौजूदा ढाका प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि वे उन्हें शरण देने के भारत के फैसले को शत्रुतापूर्ण कदम मानते हैं। लेकिन अब जब ट्रम्प खुलकर हसीना के पक्ष में आ गए हैं, तो शायद भारत को इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए कि जनवरी 2025 में ट्रम्प के सत्ता संभालने के बाद क्या घटनाक्रम सामने आते हैं।

जय वर्मा सिन्हा
पूर्व चेयरमैन रेलवे बोर्ड

बदलते भारत की बदलती तस्वीर

विविधताओं से भरा अपना देश निराला है। अपने यहां, चीज़ों को अलग नज़रिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिर्फ़ नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी मां के पर्यायी हैं। संगीत, कानों को सुख देने का सिर्फ़ साधन नहीं, सुरों की साधना का ज़रिया है। कुछ वैसे ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज़ एक अदद इंजन और डेढ़ दर्जन डिब्बों से लैस गाड़ी नहीं, घर परिवार से दूर जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों से भावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पुल है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिर्फ हमारी ट्रेनें नहीं दौड़तीं-उनसे होकर रिश्तों के एहसास गुज़रते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अंतर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी।

इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्यौहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गुमनामी भरी ज़िन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समूह में निकल पड़ते हैं रेल के सफ़र पर। संख्या इतनी ज़्यादा, कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पांव फूल जायें। और, अगर बात त्योहार और विशेष दिनों में उमड़ते जन-सैलाब की हो, तो सिर्फ़ रेल संचालन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सुचारू रूप से ठहरने, टिकट ख़रीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यवस्था करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की संख्या में आये यात्रियों को अपने गंतव्यों तक पहुंचने का कई दशकों का अनुभव है, पर अब सारी कोशिश इस अनुभव को क्रमशः सुखद बनाने की है।

अगर विदेशी मेहमानों से कभी इस विषय पर चर्चा हो, तो वे दांतों तले उंगलियां दबा लेते हैं। यातायात प्रबंधन की जानकारी रखने वाले कई साथी, यह सुनकर कि त्यौहारों के दौरान रेलवे ने एक लाख सत्तर हज़ार ट्रेनों के फेरों के अलावा 7700 विशेष ट्रेनों का संचालन किया, हैरत में पड़ जाते हैं। अब आप, सूरत के पास स्थित औद्योगिक शहर ऊधना को ही ले लीजिये -यहां के रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन सात-आठ हज़ार यात्रियों का आवागमन होता है 4 नवंबर को इस छोटे से स्टेशन पर चालीस हज़ार से ज़्यादा की भीड़ उमड़ आयी। अगर, रेलवे प्रशासन ने एक टीम की तरह काम करते हुए उचित व्यवस्थाएं ना की होती, तो यात्रियों की परेशानी का अन्दाजा लगाना भी मुश्किल होता। त्यौहार के दौरान, देशभर में सबसे अधिक आवागमन नई दिल्ली स्टेशन से हुआ। इस अवधि में सिर्फ़ इस स्टेशन से, यात्रियों की मांग पर एक दिन में 64 स्पेशल और 19 अनारक्षित ट्रेनों का संचालन किया गया।

विदेशी मेहमानों से भरी एक सभा में जब त्यौहारों में रेल यात्रा की चर्चा हुई, तो एक राजनयिक यह सुनकर दंग रह गये कि इस साल अकेले छठ महापर्व के पहले, 4 नवम्बर को, लगभग 3 करोड़ लोग ट्रेन से अपने गंतव्यों तक गये, और त्यौहार के दिनों में तो रेलवे ने लगभग 25 करोड़ यात्रियों को यात्रा करने में मदद की। संबंधित राजनयिक ने, हल्की मुस्कान के साथ कहा कि पाकिस्तान की कुल आबादी से ज़्यादा लोगों ने तो महज़ कुछ दिनों में ही आपकी ट्रेनों में यात्रा की।

भारतीय रेल को यह एहसास है कि देश के पूर्वी हिस्सों से बड़ी संख्या में उद्योग केंद्रों में श्रम कर रहे हमारे इन भाई-बहनों का देश के निर्माण में अहम किरदार है। जम्मू की अटल टनल से लेकर मुंबई की सी-लिंक तक और बेंगलुरु की आई-टी प्रतिष्ठानों से लेकर दिल्ली के निर्माणाधीन भवनों तक को, पूरब की मिट्टी में रचे बसे लोगों ने अपने हाथों से गढ़ा है। देश की सीमाओं पर तैनात फ़ौज या सीमा सुरक्षा बल के जवान हों, पंजाब के खेतों में फ़सल उगा रहे मज़दूर, सरकारी ऑफिसों तथा निजी संस्थानों में सेवारत कर्मचारी, बड़े-बुजुर्ग, या देश की प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थी, ये सब अपने-अपने तरीक़ों से आज और आने वाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं।

भारतीय रेल भी आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत जैसी ट्रेनों के लगातार विस्तार और देशभर में हजार से ज़्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलकर एक नयी और विश्वस्तरीय यात्रा पर चल पड़ी है। बदलते भारत की बदलती तस्वीर भारतीय रेल के स्वरूप में अब उभरने लगी है।

दिल्ली आर.एन.आई. नं. 40474/83
पंजाब केसरी
दिल्ली कार्यालय :
फोन आफिस: 011-30712200, 45212200,
प्रसार विभाग: 011-30712224
विज्ञापन विभाग: 011-30712229
सम्पादकीय विभाग: 011-30712292-93
मैगजीन विभाग: 011-30712330
फैक्स : 91-11-30712290, 30712384, 011-45212383, 84
Email: Editorial@punjabkesari.com

स्वत्वाधिकारी दैनिक समाचार लिमिटेड, 2-प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, नजदीक वजीरपुर डीटीसी डिपो, दिल्ली-110035 के लिए मुद्रक, प्रकाशक तथा सम्पादक अनिल शारदा द्वारा पंजाब केसरी प्रिंटिंग प्रैस, 2-प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, वजीरपुर, दिल्ली से मुद्रित तथा 2, प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, वजीरपुर, दिल्ली से प्रकाशित।

धीरे-धीरे आपके लिवर को बर्बाद कर देते हैं ड्रिंक्स

अपनी पसंदीदा ड्रिंक का लुत्फ उठाना तो अच्छा लगता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी ये आदत आपके लिवर को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकती है? जी हां, आपने सही सुना! कुछ ऐसे ड्रिंक्स हैं, जो आपके लिवर के लिए बेहद हानिकारक हो सकते हैं और समय के साथ लिवर की बीमारियों का कारण बन सकते हैं। लेकिन हमारी कुछ सामान्य ड्रिंक्स के सेवन से लिवर धीरे-धीरे कमजोर हो सकता है। आइए जानते हैं वो 4 ड्रिंक्स, जिनके ज्यादा सेवन से लिवर को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

सोडा

सोडा केवल एक मीठी ड्रिंक नहीं है, बल्कि इसमें मौजूद

ज्यादा शुगर और आर्टिफिशियल एलिमेंट्स लिवर पर गहरा असर डालते हैं। हैल्थएक्स्पर्ट के अनुसार, नियमित रूप से सॉफ्ट ड्रिंक पीने से लिवर में फैटी इनफिल्ट्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। इस स्थिति को नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज कहते हैं, जिसमें लिवर में फैट जमा हो जाता है, जिससे लिवर में सूजन और कई गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

एनर्जी ड्रिंक्स

बहुत से लोग एनर्जी के लिए एनर्जी ड्रिंक्स का सेवन करते हैं, लेकिन ये आपके लिवर को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन के अध्ययन के अनुसार, ज्यादा एनर्जी ड्रिंक पीने से लिवर में गंभीर चोट लग सकती है। इन ड्रिंक्स में मौजूद अधिक मात्रा में टॉरिन, कैफीन और अन्य उत्तेजक पदार्थ लिवर पर एक्स्ट्रा दबाव डालते हैं, जो लंबे समय में लिवर की क्षति और कुछ मामलों में लिवर ट्रांसप्लांट की स्थिति तक ले जा सकते हैं।

शराब

यह तो लगभग सभी जानते हैं कि शराब का ज्यादा सेवन लिवर को नुकसान पहुंचाता है। जॉन हॉपकिन्स मेडिसिन के अनुसार, अल्कोहलिक लिवर डिजीज का कारण भारी मात्रा में शराब का सेवन होता है, जो लिवर में सूजन, स्कारिंग और अंततः लिवर फेलियर का कारण बन सकता है।

शुगर-लोडेड ड्रिंक्स

फ्लेवर्ड टी, फ्रूट पंच और अन्य शुगर-लैडेन ड्रिंक्स में अधिक मात्रा में शुगर होती है, जो लिवर पर ज्यादा दबाव डाल सकती है। ये शुगर लिवर में फैट के रूप में जमा हो जाती है, जिससे NAFLD का खतरा बढ़ता है। समय के साथ, लिवर में सूजन, फाइब्रोसिस या सिरोसिस जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। सेहत के लिए इन ड्रिंक्स का सेवन सीमित करना और हेल्दी विकल्प चुनना ही बेहतर है।

यादाश्त बढ़ाने में मदद करते हैं ये फूड्स

ब्रेन हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो पूरे शरीर को कंट्रोल कर सकता है। कई बार बढ़ती उम्र के साथ-साथ हमारी याददाश्त भी कमजोर होने लगती है। साथ ही कई बार खराब लाइफस्टाइल और अनहेल्दी खान-पान के कारण भी ये समस्या आ सकती है। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहें हैं तो अभी से सावधान हो जाएं। इससे आपको अपनी डाइट का खास ख्याल रखना चाहिए। कुछ खास पोषक तत्व जैसे कि ओमेगा-3 फैटी एसिड, एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन बी कॉम्प्लेक्स हमारे दिमाग को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। आइए जानते है किन-किन फूड्स को आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

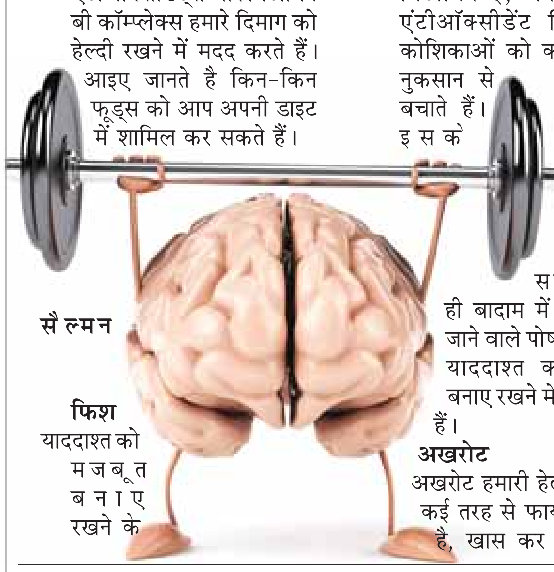

सैल्मन फिश

याददाश्त को मजबूत बनाए रखने के लिए आप अपनी डाइट में सैल्मन फिश को शामिल कर सकते हैं। ये ओमेगा-3 फैटी एसिड्स से भरपूर होती है, जो हमारे दिमाग के लिए काफी फायदेमंद होता है। ये एसिड न सिर्फ न्यूरॉन्स को बेहतर बनाता है, बल्कि स्ट्रेस और थकान को दूर करता है। इससे आप टेस्टी सूप तैयार कर सकते हैं या फिर ग्रिल और बेक करके भी इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बादाम

बादाम में मौजूद विटामिन-ई दिमाग के लिए अच्छी मानी जाती है। विटामिन-ई, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट दिमाग की कोशिकाओं को कई तरह के नुकसान से बचाते हैं। इसके साथ ही बादाम में पाए जाने वाले पोषक तत्व याददाश्त को मजबूत बनाए रखने में मदद करते हैं।

अखरोट

अखरोट हमारी हेल्थ के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है, खास कर के ब्रेन के लिए। इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड्स ब्रेन सेल्स को हेल्दी रखने में मदद करता है। साथ ही अखरोट में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन-ई दिमाग को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं, जो बढ़ती उम्र के साथ अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी बीमारियों के खतरे को बढ़ा सकता है।

ब्लूबेरीज

याददाश्त को तेज करने के लिए आप अपनी डाइट में ब्लूबेरीज को भी शामिल कर सकते हैं। इसमें पाए जाने वाले फ्लेवोनॉयड्स और एंटीऑक्सीडेंट ब्रेन सेल्स को नुकसान से बचाते हैं और ब्रेन फंक्शन को हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। ब्लूबेरीज दिमाग की उम्र बढ़ाने से साथ-साथ अल्जाइमर और डिमेंशिया से बचाए रखने में मदद करता है।

पालक

पालक एक ऐसा फूड है, जो शरीर के साथ-साथ दिमाग के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद फोलेट, आयरन और विटामिन-के ब्रेन को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। ये पोषक तत्व मस्तिष्क के न्यूरॉन्स को मजबूत बनाकर आपकी याददाश्त को तेज करते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर मोटे अनाज अनेक बीमारियों के खतरे को करते हैं कम

आधुनिकता की दौड़ में न सिर्फ जीवनशैली बदली, बल्कि हमारा खान-पान भी पूरी तरह से बदल गया। पांच दशक पहले हमारे खाने की आदतें पूरी तरह से अलग थीं। मोटे अनाज हमारे आहार का मुख्य घटक थे। हरित क्रांति के दौरान गेहूं और धान की खेती को सबसे अधिक महत्व दिया गया और इसके परिणामस्वरूप हमने गेहूं और चावल को अपनी भोजन की थाली में सजा लिया तथा मोटे अनाज को खाद्य शृंखला से बाहर कर दिया। जिन अनाज को हमारी कई पीढ़ियां खाती आ रही थीं, उनसे हमने मुंह मोड़ लिया और आज पूरी दुनिया उसी मोटे अनाज के महत्व को समझते हुए उसकी ओर वापस लौट रही है।

मोटे अनाज पोषक तत्वों का भंडार हैं। चावल और गेहूं की तुलना में इनमें 3.5 गुना अधिक पोषक तत्व पाए जाते हैं। मोटे अनाजों में बीटा-कैरोटीन, नाइयासिन, विटामिन-बी6, फोलिक एसिड, पोटैशियम, मैग्नीशियम, जस्ता आदि खनिज लवण और विटामिन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहद फायदेमंद डायटरी फाइबर भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

पोषण और स्वास्थ्य की दृष्टि से इसके फायदों के कारण ही इन्हें सुपरफूड भी कहा जाता है। इनका सेवन वजन कम करने, शरीर में उच्च रक्तचाप और अत्यधिक कोलेस्ट्राल को कम करने, हृदय रोग, मधुमेह और कैंसर जैसे रोगों के जोखिम को कम करने के साथ-साथ कब्ज और अपच से भी निजात दिलाने में मदद करता है।

मोटे अनाज पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण स्वास्थ्यवर्द्धक तो हैं ही, साथ ही ये हमें कई बीमारियों से बचाते हैं। मोटे अनाजों का हमारे भोजन की थाली से गायब होने का प्रभाव दिखने लगा है। भरपेट भोजन के बावजूद कुपोषण या अल्पपोषण की समस्या आ रही है। ऐसा भोजन के रूप में गेहूं और चावल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण है।

भोजन में खनिज लवणों और डायटरी फाइबर की अपर्याप्त मात्रा के कारण मधुमेह, एनीमिया, हृदय और गुर्दे से संबंधित गैर-संक्रामक बीमारियों का प्रकोप बढ़ा है। मोटे अनाज में मौजूद पोषणीय एवं औषधीय गुणों के आधार पर इन्हें भविष्य के भोजन के रूप में देखा जा रहा है। मोटे अनाज खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। बढ़ती आबादी की पोषण जरूरतों को पूरा करने और तेजी से बढ़ रही जीवनशैली से संबंधित बीमारियों मधुमेह, कैंसर, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप आदि के रोकथाम में मोटे अनाजों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उनके इस महत्व को देखते हुए अपनी थाली में उन्हें शामिल करना आवश्यक हो गया है। ऐसाकरना हर प्रकार से लाभदायक होगा।

हल्दी वाला दूध पीने से मिलते हैं गजब के फायदे

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद- हल्दी वाले दूध में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। रात में रेगुलरली हल्दी वाला दूध पीकर सोने से आपका पेट अगली सुबह उठते ही साफ होने लगेगा। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन किया जा सकता है।

-**जॉइंट पेन से मिलेगा छुटकारा**- हल्दी वाला दूध पीकर आप अपनी हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बना सकते हैं। यही वजह है कि जोड़ों के दर्द से राहत पाने के लिए अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है।

इम्प्रूव करे नींद की क्वालिटी- अगर आप रात में सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीकर सोते हैं, तो आपकी नींद की क्वालिटी को काफी हद तक इम्प्रूव किया जा सकता है। इसके अलावा हल्दी वाला दूध आपके मूड को सुधारने में भी मददगार साबित हो सकता है।

इम्यूनिटी पर पड़ता है पॉजिटिव असर- डेली डाइट में हल्दी वाले दूध को शामिल कर इम्यून सिस्टम को काफी हद तक बूस्ट किया जा सकता है। कमजोर इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए हर रोज नियम से हल्दी वाला दूध पीना शुरू कर दीजिए।

कंट्रोल करे ब्लड शुगर लेवल- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सही मात्रा में हल्दी वाला दूध पीकर ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है।

अब दानियों के अनुरोध पर 'एक मिशन एक सेवा' का प्रकाशन प्रतिदिन किया जा रहा है ताकि दानदाता अपने प्रियजनों के जन्मदिन, पुण्यतिथि, वैवाहिक वर्षगांठ या किसी खास मौके की तिथि विशेष पर अपनी इच्छानुसार दान राशि प्रकाशित करा सकें।

एक मिशन एक सेवा

स्व. श्री के. के.पुरी की 8वीं पुण्यतिथि पर धर्मपत्नी श्रीमती प्रेम पुरी, बेटा श्री अनमोल पुरी, बहू अल्का पुरी, बेटी नीता अरोड़ा, दामाद प्रतीक अरोड़ा एवं पोता-पोती, दोता-दोती और पुरी परिवार की ओर से बुजुर्गों की सहायता के लिए वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब को 5100रु का योगदान दिया।

पंजाब केसरी दैनिक समाचार पत्र समूह	2000रु.
कुल राशि	7100रु.

दानियों के लिए विशेष सूचना

वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब के लिए दान देने वाले सज्जन अब देशभर में **पंजाब नैशनल बैंक** की किसी भी शाखा में जाकर सहायता राशि जमा करवा सकते हैं, इसके लिए ध्यान रखें कि उक्त राशि **वृद्ध केसरी, रोमेश चंद्र ट्रस्ट के अकाऊंट नंबर** 3075002102006705 में देय होनी चाहिए। हमारा अनुरोध है कि सहायता राशि जमा करवाने के बाद हमें सूचित जरूर करें, ताकि रसीद भेजी जा सके। यह राशि आयकर छूट प्राप्त है। **जो सज्जन पंजाब नैशनल बैंक की किसी शाखा में नकद राशि जमा कराएं, वे बैंक की रसीद हमें कोरियर करा दें, ताकि आपको हम रसीद भेज सकें। सभी दानकर्ताओं से अनुरोध है कि दान भेजते समय पूरा पता, टेलीफोन नंबर और पैन कार्ड नंबर भी साथ में लिखें।**

दिल्ली के बाहर के दानकर्ता 500/- रुपए से कम की दानराशि कृपया ड्राफ्ट या मनीआर्डर से ही भेजें

कृपया अपना ड्राफ्ट या चैक **वृद्ध केसरी रोमेश चंद्र ट्रस्ट**, के नाम बना कर हमें भेजें। सभी दानी सज्जनों के नाम प्रति दिन प्रकाशित किए जाएंगे। लेकिन फोटो 5100/- या इससे अधिक की दान राशि देने वाले सज्जनों के प्रकाशित किए जाएंगे। दान के लिए पंजाब केसरी कार्यालय में प्रातः 10 से 5.30 बजे तक सम्पर्क करें।

*** यह राशि आयकर कानून की धारा 80-जी के अन्तर्गत करमुक्त है!**

पता :- वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब
2, प्रिंटिंग प्रेस काम्प्लेक्स, नियर वजीरपुर डिपो, दिल्ली-35

दान के लिए कृपया 01130712376, 09871598497, 9810107375 पर संपर्क करें। यदि कोई सज्जन या संस्था हमारे नाम से पैसा इकट्ठा करे तो इसका जिम्मेदार वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब नहीं होगा।

ADMISSION OPEN SESSION 2024
J.R. MEDIA INSTITUTE
(Under the Aegis of Jagat Narain Romesh Chander Educational Society)
University Approved Courses
ANCHORING
REPORTING
PHOTO JOURNALISM
GRAPHIC DESIGNING
VIDEO EDITING
PAGE MAKING
MANY MORE...
Established by पंजाब केसरी दिल्ली
BBA
BCA
BJMC
MJMC
UG, PG, DIPLOMA AND CERTIFICATE COURSES
Visit Us & Follow Us www.jrmedia.in jrmediainstitutebypunjabkesarihome
CALL NOW- 9958887722/9818373138
Punjab Kesari, Delhi Romesh Bhawan 2, Printing Press Complex, Near Wazirpur D.T.C Depot, Ring Road, Delhi 110033

भीगे बादाम में छिपा है सेहत का खजाना

भीगे हुए बादाम को खाने से हमारे सेहत को अनगिनत फायदे मिलते हैं। रोजाना सुबह खाली पेट एक मुट्ठी बादाम भिगोकर खाय जाए जो जीवन भर तंदरुस्त बने रहेंगे। बादाम में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन ई, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। इसके साथ ही त्वचा को चमकदार बनाते हैं और मेमोरी पॉवर को भी बढ़ाते हैं। भीगे हुए बादाम पेट के लिए भी लाभकारी होते हैं। क्योंकि इनमें मौजूद फाइबर डाइजेशन को बेहतर बनाता है। रोजाना भीगे हुए बादाम खाने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। हड्डियां भी मजबूत बनती हैं।

ऐसे में हर किसी को रोजाना एक मुट्ठी भीगे हुए बादाम को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। इससे आप अपने स्वास्थ्य में गजब का सुधार देख सकते हैं। आज हम आपको भीगे हुए बादाम खाने के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं तो आइए जानते हैं विस्तार से-

ब्लड शुगर लेवल रहे कंट्रोल

डायबिटीज से जूझ रहे मरीजों के लिए बादाम खाना काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। बादाम का ग्लाइसिमिक इंडेक्स कम होता है और इसमें फाइबर भी होता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है। इसलिए सुबह भीगे हुए बादाम खाना चाहिए।

डाइजेशन में सुधार

नियमित रूप से भीगे हुए बादाम को खाने से डाइजेशन दुरुस्त होता है। इसको खाने से पेट अच्छे से साफ होता है। साथ ही ब्लोटिंग, पेट में गैस व दर्द, अपच की समस्या जैसे जोखिमों से बचा जा सकता है।

वजन भी बढ़ने से रोके

बादाम में काफी मात्रा में फाइबर मौजूद होता है जो सेहत के लिए फायदेमंद है। फाइबर आपके पेट को काफी समय तक भरा रखता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती। ओवर ईटिंग से भी बचा जा सकता है। पानी में भीग जाने की वजह से ये नरम हो जाते हैं, जिन्हें खाने में आसानी होती है। इसकी वजह से ये आसानी से पच भी जाते हैं।

खूबसूरत बनाने में मददगार

बादाम में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। ये फ्री रेडिकल डैमेज को कम करते हैं, जिससे रिंकल्स और फाइन लाइन्स की समस्या कम होती है। इसके अलावा भीगे हुए बादाम खाने से बालों को भी पोषण मिलता है। क्योंकि इनमें बायोटीन होता है, जो बालों को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।

दिमाग को रखे दुरुस्त

भीगे हुए बादाम खाने के अनगिनत फायदे हैं। बादाम को खाना आपके पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए कारगर है। बादाम में मौजूद विटामिन-ई दिमागी स्वास्थ्य को दुरुस्त रखते हैं। आपकी मेमोरी पॉवर भी स्ट्रॉन्ग होती है। ●

केसरी सूडोकू- 2996

1		9		3				2
					8			
	6	3	9					7
		4			6	2		8
	5						9	
2		1	5			7		
6					1	5	7	
			6					
3				2		8		6

हल करने का तरीका

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।
- आड़ी व खड़ी पंक्ति में और 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सूडोकू 2995 का हल

7	5	4	9	3	6	8	2	1
9	6	1	7	8	2	3	5	4
3	2	8	4	5	1	9	6	7
2	9	5	3	6	4	1	7	8
4	3	6	8	1	7	2	9	5
1	8	7	2	9	5	6	4	3
8	7	9	5	2	3	4	1	6
5	1	3	6	4	9	7	8	2
6	4	2	1	7	8	5	3	9

टाइट जींस पहनना महिलाओं के लिए बना खतरा

फैशन के इस दौर में टाइट फिटिंग कपड़े, खासकर जीन्स, एक ट्रेंड बन चुके हैं। खासतौर से युवा महिलाएं फिगर-फ्लैटेरिंग लुक के लिए टाइट जीन्स पहनना पसंद करती हैं, जिससे उन्हें स्टाइलिश और फैशनेबल लुक मिलता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि लंबे समय तक टाइट जीन्स पहनना आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है?

विशेषज्ञों के अनुसार, बहुत ज्यादा टाइट जीन्स पहनने से महिलाओं को कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनमें त्वचा में जलन, यीस्ट इंफेक्शन, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन पाचन समस्या और नर्व डैमेज जैसी समस्याएं शामिल हैं। आइए विस्तार से जानते हैं कि ज्यादा समय तक जीन्स पहने रहने क्या स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

त्वचा में जलन और रैशेज

टाइट जीन्स के कारण त्वचा पर लगातार दबाव और घर्षण हो सकता है, जिससे त्वचा में जलन, रैशेज और खुजली जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। यह समस्या उन महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलती है, जो लंबे समय तक टाइट जीन्स पहनती हैं। कपड़े की कठोरता और त्वचा के नाजुक हिस्सों पर दबाव के कारण पसीना जमने लगता है, जिससे बैक्टीरिया और फंगस पनपने का खतरा बढ़ जाता है।

यीस्ट इंफेक्शन

टाइट जीन्स में वेंटिलेशन की कमी होती है, जिससे शरीर के निचले हिस्से में नमी बढ़ जाती है। इस कारण से यीस्ट इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ता है। खासतौर पर महिलाओं की योनि में यीस्ट इंफेक्शन (वजाइनल कैंडिडायसिस) की समस्या हो सकती है, जिससे खुजली, जलन और असुविधा महसूस होती है। यीस्ट इंफेक्शन के कारण योनि में सूजन और डिस्चार्ज भी हो सकता है।

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन

टाइट जीन्स पहनने से यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ सकता है। इसके कारण शरीर के निचले हिस्से में खून का फ्लो बाधित होता है और पसीना जमा होता है, जिससे बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। UTI की समस्या गंभीर होने पर इसके इलाज में समय लग सकता है और दर्दनाक हो सकती है।

नर्व डैमेज का खतरा

टाइट कपड़े, खासकर जीन्स, लंबे समय तक पहनने से शरीर की नसों पर दबाव बन सकता है। इससे शरीर के निचले हिस्से की नसों में सुन्नपन और दर्द हो सकता है। अगर यह समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, तो इससे नर्व डैमेज का खतरा हो सकता है। आपको बता दें कि महिलाओं को फैशन के साथ-साथ अपनी सेहत का भी ध्यान रखना चाहिए। यदि टाइट जीन्स पहनना बेहद जरूरी हो, तो इसे सीमित समय तक ही पहनें और आरामदायक कपड़े चुनें, जो सांस लेने में आसानी प्रदान करें। ●

L

वुल्वोडीनिया

बहुत ज्यादा टाइट जीन्स पहनने से महिलाओं को वुल्वोडीनिया जैसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यह एक प्रकार का दर्द होता है, जो कि गुप्तांगों के आसपास महसूस होता है। टाइट जीन्स पहनने के कारण इस हिस्से में ब्लड सर्कुलेशन में रुकावट उत्पन्न होती है, जिससे लंबे समय तक पहनने पर दर्द और सूजन का खतरा बढ़ सकता है।

पाचन संबंधी समस्याएं

बहुत ज्यादा टाइट जीन्स पहनने से पेट और निचले हिस्से पर दबाव पड़ता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। टाइट जीन्स पहनने से पेट में गैस, एसिडिटी और कब्ज जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे असुविधा महसूस होती है।

कमर दर्द में आराम देते हैं ये योगासन

कमर दर्द से राहत पाने के लिए योग एक प्रभावी और सुरक्षित तरीका माना जाता है। बैठने की गलत मुद्रा, लंबे समय तक बैठे रहना या भारी सामान उठाने जैसी आदतें अक्सर निचले कमर दर्द का कारण बन जाती हैं। ऐसे में नियमित रूप से कुछ खास योगासन अपनाने से इस दर्द में राहत पाई जा सकती है। यहां बताए गए पांच योगासन निचले कमर दर्द से राहत देने में मदद करते हैं।

भुजंगासन

भुजंगासन कमर की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और लचीलापन बढ़ाता है। इसे करने के लिए पेट के बल लेटकर दोनों हथेलियों को कंधों के पास रखें और शरीर के ऊपरी हिस्से को उठाएं। गहरी सांस लें और कुछ समय के लिए इसी स्थिति में बने रहें। यह आसन कमर के निचले हिस्से में तनाव को दूर करता है।

शलभासन

शलभासन निचले कमर की मांसपेशियों को सक्रिय करने और मजबूती देने में मदद करता है। पेट के बल लेट जाएं, फिर दोनों पैरों और हाथों को एक साथ ऊपर उठाएं। इस स्थिति में बने रहकर गहरी सांस लें। शलभासन से निचले कमर में रक्त संचार बढ़ता है और दर्द में राहत मिलती है।

मर्कटासन

मर्कटासन से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आता है और कमर दर्द कम होता है. पीठ के बल लेटकर दोनों घुटनों को मोड़ें और पैरों को एक ओर घुमाएं। साथ ही सिर को विपरीत दिशा में घुमाएं। यह आसन कमर के निचले हिस्से में तनाव को दूर करने में मदद करता है।

सेतु बंधासन

सेतु बंधासन से निचले कमर में मजबूती और लचीलापन बढ़ता है. पीठ के बल लेटकर दोनों घुटनों को मोड़ें और पैरों को जमीन पर रखें। सांस छोड़ते हुए कमर और कूल्हों को ऊपर उठाएं। कुछ देर इसी स्थिति में बने रहें, फिर धीरे-धीरे नीचे आएं।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन

अर्ध मत्स्येन्द्रासन कमर और रीढ़ की हड्डी में खिंचाव लाता है और दर्द को कम करता है। बैठकर एक पैर को मोड़ें और दूसरे पैर को उस पार रखें। फिर विपरीत हाथ से पैर को पकड़ें और कमर को मोड़ें। यह कमर दर्द में राहत दिलाने में मदद करता है। ●

इस उम्र के बाद आपको जवां रखेंगी ये हेल्दी आदतें

फिट और हेल्दी रहने की ख्वाहिश हर किसी की होती है। इसके लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। लेकिन बदलती लाइफस्टाइल के कारण आज लोग 25 के उम्र में भी बूढ़े लगने लगे हैं। चेहरे पर झुर्रियां आने लगती हैं। इससे बचने के लिए महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स का सहारा लेना पड़ता है। जो उनकी त्वचा को और खराब कर देती है। इसके अलावा लोगों में कमजोरी भी देखने को मिली है। अगर आप भी इन चीजों का शिकार हैं तो आज का हमारा ये लेख आपके काम आ सकता है। हम आपको बताने जा रहे हैं कि 40 की उम्र के बाद भी खुद को कैसे जवां रख सकती हैं।

जंक फूड से करें परहेज

जंक फूड के सेवन से हमें तरह तरह की बीमारियां घेर लेती हैं। इसके साथ ही हमें अधिक मीठे का सेवन करने से बचना चाहिए। धूम्रपान और शराब से भी परहेज करना चाहिए। आप संतुलित आहार लें। जिसमें भरपूर मात्रा में फल, सब्जियां, लीन प्रोटीन और साबुत अनाज शामिल हों।

रोजाना पिएं 4 लीटर पानी

हमारे शरीर में जी गंदगी को साफ करने का सबसे आसान और कारगर उपाय है दिन में तीन से चार लीटर पानी पीना। अपनी एक अलग बोतल बना लें और दिनभर मॉनिटर करते हुए पानी पिएं। इससे आप बीमारियों से भी दूर रहेंगे।

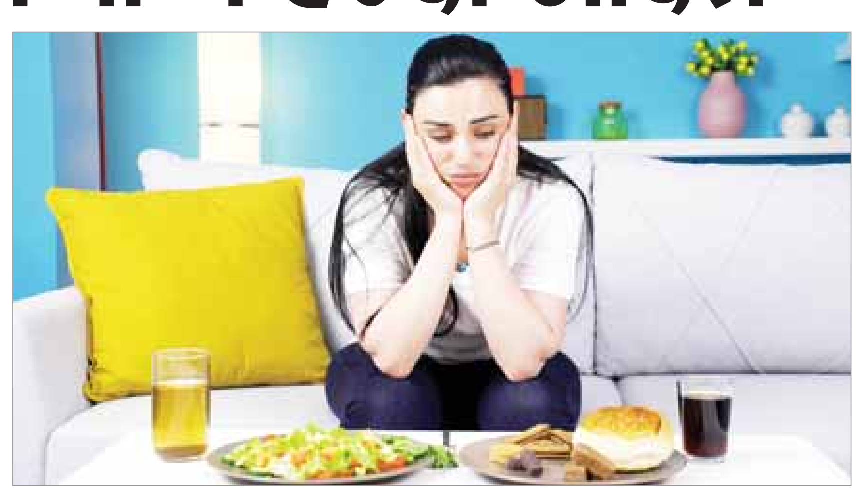

एक्सरसाइज जरूरी

40 के बाद भी सेहतमंद रहना है तो रोजाना कम से कम एक घंटे एक्सरसाइज करना चाहिए। इससे आपकी बॉडी तो फिट रहेगी ही, आपका शरीर भी सेहतमंद रहेगा।

अच्छी नींद लें

आठ घंटे की नींद लेना आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बेहद जरूरी है। हर रोज कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए।

न लें तनाव

तनाव से भी हमें कई बीमारियां जकड़ लेती हैं। इसका असर हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। तनाव को कम करने के लिए ध्यान, योग, हॉबीज पूरी करना या प्रियजनों के साथ समय बिताने की कोशिश करें। ●

सर्दियों में डायबिटीज के लिए सावधानियां

ठंडे मौसम में डायबिटीज के मरीजों को बहुत सारी प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ता है। ठंड से लड़ने के लिये शरीर मैं कोर्टिसॉल हार्मोन्स की मात्र। बढ जाती है जिससे सुगर के लिवल्स बढ़ने लगते है। प्रतिक्रिया में, आपका शरीर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कोर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन की मात्रा बढ़ जाती है। ये हार्मोन इंसुलिन उत्पादन को कम करते हैं। क्योंकि इंसुलिन शरीर की कोशिकाओं को रक्त से ग्लूकोज (रक्त शर्करा) को अवशोषित करने में मदद करता है, कम इंसुलिन होने का मतलब है कि रक्त में अधिक ग्लूकोज रहता है। तनाव हार्मोन आपके लीवर को अधिक ग्लूकोज बनाने और जारी करने के लिए भी उत्तेजित करते हैं। परिणामस्वरूप, आपका ब्लड सुगर बढ़ जाता है। वायरल फीवर जैसे फ्लू अवाम इन्फ्लुएंजा (फ्लू) की आशंका बढ़ जाती है। फ्लू होने पर आपके शरीर मे तनाव हार्मोन बढ़ जाते है।

डॉ. अशोक झिंगन

वर्कआउट छोड़ना

जब सर्दी का मौसम आता है, तो लोग अपनी नियमित शारीरिक दिनचर्या, जैसे योग, व्यायाम और सुबह और शाम की सैर को छोड़ देते हैं, जो ब्लड सुगर के स्तर को बढ़ा देते है।

अधिक चीनी का सेवन

ठंडे मौसम के साथ, लोग अधिक चीनी का सेवन करना चाहते हैं और अपने आहार में गज़क और मिठाइयां शामिल करते हैं। उच्च चीनी के सेवन के कारण, ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है और मधुमेह से पीड़ित रोगियों के लिए जटिलताएं पैदा होती हैं।

रेनॉड सिंड्रोम के लक्षण

हाथों और पांवों की उंगलियों की छोटी धमनियों का सिकुड़ना तेजी से शुरू होता है, जो अधिकतर ठंड के संपर्क में आने से ट्रिगर होता है। ऐसा कई मिनटों या घंटों तक बना रह सकता है। हाथों और पांवों की उंगलियां कहीं-कहीं पर फीकी (फीकापन) या नीली (सायनोसिस) पड जाती है। यह प्रॉब्लम डायबिटीज के मरीजों मैं कॉमन है।

इन्सुलिन को सही तरीके से नहीं रखना

अत्यधिक ठंड की स्थिति भी इंसुलिन को प्रभावित कर सकती है। इसलिए, यह उल्लेखनीय है कि आप को अपनी मधुमेह की दवाओं, और इंसुलिन को मानक तापमान पर रखना चाहिए। ●

इन कारणों से भी बढ़ सकता है ब्रेस्ट कैंसर का खतरा

ब्रेस्ट कैंसर के लिए कई रिस्क फैक्टर हो सकते हैं। उम्र के साथ ब्रेस्ट कैंसर का खतरा अधिक बढ़ता है। ज्यादातर ब्रेस्ट कैंसर के मामले 50 साल की उम्र के बाद देखने को मिलते हैं। हालांकि, आजकल कम उम्र में भी महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर देखने को मिल रहा है।

इसके अलावा, जेनेटिक कारणों से भी ब्रेस्ट कैंसर हो सकता है। हालांकि, सभी ब्रेस्ट कैंसर जेनेटिक नहीं होते हैं। लेकिन, लगभग 5-10 प्रतिशत मामलों में यह कहीं न कहीं जेनेटिक कारणों से होता है।

अगर आपके पेरेंट्स या सिबलिंग को ब्रेस्ट कैंसर है, तो आपको इसका खतरा अधिक हो सकता है।

इसके अलावा, ब्रेस्ट डेंसिटी भी ब्रेस्ट कैंसर का एक कारण हो सकती है। ब्रेस्ट डेंसिटी के कारण भी कई बार शुरुआती मेमोग्राम में ब्रेस्ट कैंसर के टिश्यू का पता नहीं चल पाता है।

इसके अलावा, अघर किसी महिला को 40 साल तक बच्चे नहीं हैं या लेट प्रेग्नेंसी है यानी 35-40 की उम्र मं बच्चे हो रहे हैं, पीरियड्स जल्दी शुरु हो गए थे या मेनोपॉज देर से आया, तो भी ये ब्रेस्ट कैंसर का कारण बन सकते हैं।

इसके अलावा, मोटापा, स्मोकिंग और एल्कोहल जैसी चीजें भी ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को बढ़ा सकती हैं। कई बार हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी की वजह से भी ऐसा हो सकता है। ●

Price Rs. 4.50 (वार्षिक शुल्क 1980 रुपए डाक द्वारा) PunjabKesari.com PunjabKesari.com @punjabkesaricom पंजाब केसरी DELHI
R.N.I. No. 404 74/83, Postal Regn.No. DL(N)/0169/2018-20, Posted at Delhi RMS Delhi-6

ग्लोबल Window

तृप्ति की कातिल अदाओं ने फैंस को बनाया दिवाना

मुंबई, (एजेंसी) : फिल्म एनिमल से रातों रात लोकप्रिय हुईं और नेशनल क्रश कहलाने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिसमें वह रेड आउटफिट में कहर बरपाती नजर आ रही हैं। तृप्ति इन तस्वीरों में एक रेड लेदर बॉडीकॉन ड्रेस पहने नजर आ रही हैं, जिसके चलते वह और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। लाइट मेकअप, खुले बाल और स्टाइलिश ईयररिंग्स के साथ तृप्ति ने कई कातिलाना पोज दिए हैं। फैंस उनके इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। उन्की इन तस्वीरों को अब तक चार लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं जबकि करीब 1500 नेटिजन्स कमेंट कर चुके हैं।

राष्ट्रपति दिसानायके की पार्टी को मिली प्रचंड जीत

श्रीलंका चुनाव : एनपीपी ने संसदीय चुनाव में हासिल किया दो तिहाई बहुमत

कोलंबो, (भाषा): श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की पार्टी 'नेशनल पीपुल्स पावर' (एनपीपी) ने शुक्रवार को संसदीय चुनाव में जीत दर्ज करते हुए संसद में दो तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। श्रीलंका के निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित चुनाव परिणामों से यह जानकारी मिली। श्रीलंका के निर्वाचन आयोग की वेबसाइट द्वारा जारी चुनाव परिणामों के अनुसार, मलीमावा (कम्पास) चिह्न के तहत चुनाव लड़ने वाली एनपीपी ने 225 सीट में से 159 पर जीत दर्ज की। श्रीलंका में साजिथ प्रेमदासा की पार्टी समागी जना बालवेगया 40 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। बृहस्पतिवार को हुए चुनाव में 2010 के बाद से सबसे कम मतदान हुआ।

61 फीसद मत मिले : पार्टी की यह जीत राष्ट्रपति दिसानायके की चुनाव-पूर्व टिप्पणियों के अनुरूप है, जिन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी को सभी समुदायों द्वारा एक सच्ची राष्ट्रीय पार्टी के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। एनपीपी नेता दिसानायके ने कहा, 'एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने और विभाजित करने का युग समाप्त हो गया है, क्योंकि लोग एनपीपी को अपना रहे हैं।' एनपीपी को 68 लाख या 61 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं, जिससे उसने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त बना ली है।

नई संसद का सत्र अगले हफ्ते से : श्रीलंका में चुनाव ऐसे समय में हुए जब वहां आक्रामक सूक्ष्म-अर्थव्यवस्था की नीति के कारण मुद्रा में गिरावट आई थी और स्थिरीकरण का संकट आ गया था। आईएमएफ कार्यक्रम के तहत लगाए गए अलोकप्रिय उपायों में उच्च व्यक्तिगत आय कर भी शामिल था, जो मध्यम वर्ग के वेतन भोगियों की आय को खर्च होने से पहले ही छीन लेता था, जिससे वे गरीबी मार झेल रहे थे। एनपीपी को उम्मीद है कि अगले सप्ताह आईएमएफ के साथ बातचीत में वह कुछ करों में कटौती पर बातचीत कर सकेगी।

तमिल बहुल उत्तरी जाफना में भी जीत, रचा इतिहास

एनपीपी ने उत्तरी जाफना जिले में जीत हासिल कर भी इतिहास रच दिया। तमिल अल्पसंख्यकों की सांस्कृतिक राजधानी उत्तरी जाफना जिले में एनपीपी (देश के दक्षिणी हिस्से में प्रमुख सिंहली बहुसंख्यक पार्टी) ने पारंपरिक तमिल राष्ट्रवादी पार्टियों पर पूरे जिले में विजय प्राप्त की। इससे पहले कभी सिंहली बहुल कोई पार्टी जाफना में नहीं जीती है। पुरानी यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) ने पहले जाफना में एक सीट जीती थी। एनपीपी ने जाफना जिले में 80,000 से अधिक मतों से जीत हासिल की और बृहस्पतिवार को हुए मतदान की अंतिम गणना में पुरानी तमिल पार्टी 63,000 से कुछ अधिक मतों से पीछे रह गई।

स्पोर्ट्स राउंडअप

"एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रजनेश गुणेश्वरन ने पेशेवर टेनिस से संन्यास की घोषणा की। जकार्ता एशियाई खेलों 2018 में एकल कांस्य पदक जीतने वाले 35 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, ''मैं खेल को अलविदा कह रहा हूं।"

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को घर में हराकर टी20 सीरीज 3-1 से जीती

जोहानिसबर्ग, (भाषा) भारत ने संजू सैमसन और तिलक वर्मा की धमाकेदार नाबाद शतकीय पारियों की बदौलत शुक्रवार को यहां चौथे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक विकेट पर 283 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

जवाब में द. अफ्रीकी टीम 148 रनों पर ढेर हो गई और 135 रनों से मैच हार गई। इसके साथ ही भारत ने 4 मैचों की श्रृंखला 3-1 से जीत ली। यह भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक का विदेशी सरजमीं पर और दक्षिण अफ्रीकी धरती पर किसी भी देश द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। सैमसन और वर्मा ने दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 93 गेंद में 210 रन की नाबाद साझेदारी निभाई जो भारत के लिए इस प्रारूप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी भागीदारी भी रही। मैच के दौरान कई रिकॉर्ड टूटे जिसमें सबसे खास रिकॉर्ड दो भारतीय बल्लेबाजों का एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय पारी में शतक जड़ना रहा। हैदराबाद के 22 वर्षीय तिलक ने महज 47 गेंद में नौ चौके और 10 छक्के जड़े जिससे वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार शतक जड़ने वाले दूसरे भारतीय बने। पहले मैच में शानदार शतक जड़ने वाले सैमसन ने 56 गेंद का सामना करते हुए अपनी शतकीय पारी में छह चौके और नौ छक्के जमाये। वर्मा के साथ मिलकर सैमसन ने एक बार फिर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की धुनाई की। तीसरे नंबर पर वर्मा आत्मविश्वास और जोश से भरे दिखे। सैमसन ने पिछली पांच पारियों में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़े हैं जिसमें दो बार शून्य पर आउट होना भी शामिल हैं जबकि वर्मा ने लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़े। सैमसन 51 गेंद में छह चौके और आठ छक्के से 100 रन पूरे किये और वर्मा ने अपना सैकड़ा पूरा करने के लिए 41 गेंद खेलीं जिसमें छह चौके और नौ छक्के शामिल थे।

स्कोर बोर्ड

भारत :

संजू सैमसन नाबाद	109
अभिषेक का क्लासेन बो सिपामला	36
तिलक वर्मा नाबाद	120
अतिरिक्त :	18
कुल : 20 ओवर में एक विकेट पर	**283 रन**

विकेट पतन : 1/73

गेंदबाजी : मार्को यानसेन 4-0-42-0, जेराल्ड कोएत्जी 3-0-43-0, लुथो सिपामला 4-0-58-1, एंडिले सिमेलेन 3-0-47-0, केशव महाराज 3-0-42-0, ऐडन मार्कराम 2-0-30-0, ट्रिस्टन स्टब्स 1-0-21-0.

दक्षिण अफ्रीका : 148 रन पर सभी आउट।

वैक्सीन के धुर विरोधी को ट्रंप ने बनाया स्वास्थ्य मंत्री

वाशिंगटन, (एजेंसी): ट्रंप ने बृहस्पतिवार को रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर को अपने स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री के रूप में नामित करने की घोषणा की। रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल थे। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। कैनेडी के नेतृत्व में एचएचएस ये सुनिश्चित करेगा कि सभी को हानिकारक रसायनों, कीटनाशकों और दवा उत्पादों से बचाया जाए। रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर, अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के भतीजे हैं। उनके पिता रॉबर्ट एफ कैनेडी अटॉर्नी जनरल रह चुके हैं। कैनेडी को वैक्सीनेशन का विरोध करने वाले प्रमुख कार्यकर्ता के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने कोविड-19 के दौरान भी अमेरिका और दुनियाभर में हो रहे वैक्सीनेशन का विरोध किया था।

- **पूर्व राष्ट्रपति कैनेडी के भतीजे हैं रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर**
- **डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में थे शामिल**

डग कोलिन्स को 'वेटरन अफेयर्स' का प्रभार

ट्रंप ने जॉर्जिया के पूर्व सांसद डग कोलिन्स को पूर्व सैनिक मामलों के विभाग वेटरन्स अफेयर्स (वीए) के मंत्री के रूप में नामित करने की भी घोषणा की। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। 'वेटरन अफेयर्स'' मंत्री के पद के लिए अपनी पसंद की घोषणा करते हुए, ट्रंप ने कहा, 'डग खुद एक अनुभवी हैं, जो वर्तमान में 'यूनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स रिजर्व कमांड'' में एक 'चैपलिन'' के रूप में हमारे देश की सेवा करते हैं और इराक युद्ध में हमारे देश के लिए लड़े थे।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के कार्यालय ने मांगी माफी

लंदन, (भाषा): ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के कार्यालय ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास-सह-कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट में दिवाली के आयोजन में हुई 'चूक' के लिए माफी मांगी, जिसमें कुछ ब्रिटिश हिंदुओं ने मांसाहार और शराब परोसे जाने पर आपत्ति जताई थी। हालांकि बयान में कार्यक्रम के मेनू का सीधा संदर्भ नहीं दिया गया, लेकिन स्टार्मर के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि टीम ने समुदाय को आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसा नहीं दोहराया जाएगा। डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने कहा, 'प्रधानमंत्री को डाउनिंग स्ट्रीट में दिवाली मनाने वाले विभिन्न समुदायों का स्वागत करते हुए खुशी हुई।' प्रवक्ता ने कहा, 'उन्होंने ब्रिटिश हिंदू, सिख और जैन समुदायों द्वारा हमारे देश में दिए गए बड़े योगदान और कड़ी मेहनत, महत्वाकांक्षा और आकांक्षा के साझा मूल्यों से सरकार के प्रेरित होने की प्रशंसा की।

- **दिवाली उत्सव पर खाने में शराब-मांस पर हुआ था विवाद**

अंशुल कंबोज का 'परफेक्ट टेन'

लाहली,(पंजाब केसरी) : हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज शुक्रवार को रणजी ट्रॉफी के इतिहास में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गये। इस 23 वर्षीय गेंदबाज ने केरल के खिलाफ ग्रुप सी के मैच में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 30.1 ओवर में 49 रन देकर दस विकेट लिए। रणजी ट्रॉफी में उनसे पहले बंगाल के प्रेमांगशु चटर्जी (20 रन देकर 10 विकेट, बंगाल बनाम असम, 1956) और राजस्थान के प्रदीप सुंदरम (78 रन देकर 10 विकेट, राजस्थान बनाम विदर्भ, 1985) ने यह उपलब्धि हासिल की थी। कुल मिलाकर कम्बोज प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 10 विकेट लेने वाले छठे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। अनिल कुंबले, सुभाष गुप्ते और देबाशीष मोहंती इस सूची में शामिल अन्य गेंदबाज हैं। तेज गेंदबाज कंबोज को तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले यह उपलब्धि हासिल करने के लिए केवल दो विकेट की जरूरत थी। उन्होंने बासिल थम्पी और शॉन रोजर के विकेट लेकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। उनकी शानदार गेंदबाजी से हरियाणा ने केरल को पहली पारी में 291 रन पर आउट कर दिया। इस दौरान कंबोज ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 50 विकेट भी पूरे किए।

CMYK